दीपोत्सव :
अप्प दीप भवः
एस.एन. गोयनका

लक्ष्मी हमेशा खुश
रहने वालों के पास
रहती है
विजयेन्द्र सरस्वती,
शंकराचार्य

शक्तिरूपा
कामाक्षी
दर्शन....

जयपुर

# माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 12 ❖ अंक 05 ❖ अक्टूबर 2021 ❖ मूल्य 10 रु.

## सुहाग पर्व : करवा चौथ विशेष

दीपावली की
हार्दिक
शुभकामनाएँ

समाज जनगणना की अन्तिम तिथि

**31 दिसम्बर, 2021**

जनगणना के आधार पर तैयार मतदाता सूची से आगामी चुनाव सम्पन्न होगें।

# माहेश्वरी चाय

## आपके कप की चाय

### त्यौहारों की उमंग...माहेश्वरी चाय के संग

प्रत्येक 5 किलो
माहेश्वरी चाय की खरीद पर
पायें एक स्क्रेच कार्ड और जीतिये

**रु. 10 से 10,000 तक**
**नकद ईनाम***

योजना 1 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2021 तक
*शर्तें लागू

हमारा इरादा,
आपकी संतुष्टि
ज्यादा से ज्यादा

VOCAL FOR LOCAL

स्थापित 1961

## माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर ( राज. ) फोन : 0141-2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पादन हमारी कम्पनी का नहीं है।

SIDDHI

**नकली पैकिंग एवं मिलते-जुलते नाम से सावधान !!!**

KASHA

INTERIORS FOR ALL SEASONS

Aparna Malpani

+91-98290 13240

Showroom

Near Parnami Mandir, Rajapark, Jaipur

Telephone : 0141-2624090

Email : aparnatncraft@gmail.com

www.kashainterior.com

स्वाद की बात - सेहत के साथ

# गणगौर

**आज ही ऑर्डर करें www.gangaurproducts.com**

**से और पाएं हर कण में शुद्धता का वादा!**

MFI **MANTRI FOOD INDUSTRIES**

Plot No. G/1-458(C), Behind Priya Dharma Kanta,
Shiva Hotel Road, Road No. 12, V.K.I. Area, Jaipur (Raj.)
Phone: 0141-4015444 | www.gangaurproducts.com

SCAN & BUY

Follow us for latest updates!
@gangaurproducts

fssai Licence No: 12218026000474

जीवन रहते रक्तदान, मरणोपरान्त नेत्रदान-देहदान

# जीवन में उल्लास भरते हैं पर्व

## पति-पत्नी में परस्पर प्रेम बढ़ाता है करवाचौथ

प्रदीप बाहेती

> “व्यक्ति संपूर्ण जीवन व्यस्त रहता है। इस सबसे कुछ राहत पाने और कुछ समय हर्षोल्लास के साथ बिना किसी तनाव के व्यतीत करने के लिए ही मुख्यतः त्यौहारों का प्रचलन हुआ होगा।”

जीवन में कुछ न कुछ परिवर्तन होते रहना जरूरी है, अन्यथा नीरसता आते देर नहीं लगेगी। नीरसता हमारा नुकसान ही करती है। इससे हमारा किसी काम में मन नहीं लगता, उदासी हमारे ऊपर हावी हो जाती है। नीरसता व एकरसता को खत्म करने में त्यौहार बड़े ही सहायक होते हैं। यह हमारे जीवन में उल्लास भरते हैं। व्यक्ति संपूर्ण जीवन व्यस्त रहता है। इस सबसे कुछ राहत पाने और कुछ समय हर्षोल्लास के साथ बिना किसी तनाव के व्यतीत करने के लिए ही मुख्यतः त्यौहारों का प्रचलन हुआ होगा। इन्हीं पर्व एवं त्यौहारों के कारण हम अपने परिजनों, प्रियजनों, मित्रों एवं रिश्तेदारों से मिलकर कुछ समय के लिए अपने सभी तनावों को भूलकर अपना सुख-दुःख बांट लेते हैं।

पिछले डेढ़ दो साल से कोरोना ने हमें व्यथित कर रखा है। इस दौरान आए त्यौहारों ने ही हमें संबल दिया। हमने परेशानियों के बीच त्यौहारों को मनाया। शक्ति पर्व और नवरात्र हम मना चुके हैं। दीवाली मनाने की तैयारियाँ भी हो रही हैं। इस बार स्थिति कुछ सुधरी है। लोगों के चेहरों पर मुस्कान फिर दिखने लगी है। दीवाली से पूर्व सुहागिने करवा चौथ धूमधाम से मनायेंगी। हमारे अधिकतर त्यौहारों-पर्वों में महिलाएं अपने पति-संतानों व परिवार की खुशहाली की मनौतियाँ मनाती रहती हैं। करवा चौथ का व्रत इन सबसे ऊपर हैं। इसमें सुहागिने दिनभर भूखे-प्यासे रहकर अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है। यह एक ऐसा व्रत है, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करता है। उनमें आपस में प्रेम बढ़ता है।

इस अंक में हमारे संपादक मण्डल ने करवा चौथ व दीपावली पर विशेष सामग्री दी है। हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि पाठकों को गुणात्मक, स्तरीय व सम-सामयिक सामग्री पढ़ने को मिले।

इन त्यौहारों-पर्वों के बीच हमारे सामाजिक सरोकारों के काम भी चलते रहे। चांदपोल मोक्षधाम के नवीनीकरण के लिए समाज बंधुओं के साथ-साथ अन्य लोगों ने जिस तरह सहयोग किया, उससे हमारा उत्साह बढ़ा है। आप भी इसमें अधिक से अधिक सहयोग करें। सहयोग की इसी भावना के बल पर हमें स्पोर्ट्स एकेडमी की शुरुआत कर पाने में भी सफलता मिली है। इस एकेडमी से विद्यार्थियों को शारीरिक विकास करने का मौका मिलेगा। उनके सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी होते हैं। यह एकेडमी उनकी इन जरूरतों को पूरा करेगी।

अंत में एक बात कहना चाहूंगा कि दीवाली पर्व पर हम फिजूलखर्ची से बचें। बिजली की अनावश्यक सजावट न करें, क्योंकि देशभर में इस समय बिजली संकट छाया हुआ है। आतिशबाजी पर प्रतिबंध है, इसका पालन कर एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें।

सभी को ज्योति पर्व दीवाली की शुभकामनाएँ।

नवदीप
घरेलू आटा चक्की
BY THE WOMAN
FOR THE WOMEN
शुद्ध खाओ,
स्वस्थ रहो
घर में पिसे आटा एवं मसाले खाएं
आज ही नवदीप आटा चक्की ले आएं
सर्व प्रथम
ISO
9001:2015
100%
100%
COPPER
WINDING
POWER SAVER MOTOR
मोटर पर
वारंटी
10 साल*
POWER SAVER
MOTOR
मात्र ₹1329* की आसान मासिक किश्तों से शुरू
HGL GREY
IRIS HAZEL
NEO GOLD
NEO DARK BROWN
3D DOLPHIN
JASUD GREY FLOWER
ONE TOUCH OPERATION
LOW MAINTENANCE
POWER SAVER TECHNOLOGY
CHILD SAFETY
AUTO CLEAN CHAMBER
RAT PROHIBITED METAL VENTILATION
35 वर्षों से
लाखों ग्राहकों
का विश्वास
बिना पत्थर की घरेलू
आटा मसाला चक्की
• Attractive Wooden Cabinets • Works on Low Voltage • Food Grade Grinding Chamber
• Washable, Long Life and Dust Free Air Filter
• Heavy Duty Main Door Lock & Hinges for Better Safety
₹1990/-
की बेडशीट मुफ्त पायें*
SALONA BICHONA
KINGSIZE BEDSHEET
WITH PILLOW COVER
BAJAJ FINSERV
बिना ब्याज के आसान
मासिक किश्तों में उपलब्ध
अपने फोन से SCAN करें
व घर बैठे ही नवदीप
चक्की का डेमो लें
*Terms & conditions apply. ISI Motor in Selected Models only.
SHAKUN
Super Stockist of Rajasthan
SURYA MARKETING
khaitan | orient | TCL | LG
Near Pital Factory, Jhotwara Road, Bani Park, Jaipur - 302016. For Trade Enquiry:
9929633369, 9251433375, 8696313369, 8094616000, 9772816000
Available at all
best shapee
brand partners
With best Compliments from Suresh Kalani
★ Trustee - Rajesh Kalani Foundation ★ President - Rajasthan Electronics Traders Association ★ Secretary - Federation Of Rajasthan Trade & Industries (FORTI) ★ Treasurer - Rajasthan Vaish Federation (RVF) ★ CEO - Lions Club Jaipur Hawamahal ★ Chairman (Ex) Art Of Living, Rajasthan ★ Area Ambassador - Lions Clubs International Distt. 3233E1

वर्ष 12 | अंक 5 | अक्टूबर, 2021
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA
प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

विशेषांक प्रस्तुति :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया ( संगठन मंत्री )
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा ( मालवीय नगर )
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारड़ा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी ( सोपनीवाल )
किशन स्वरूप कालानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूंदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी ( सोपनीवाल )
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अमित चांडक
डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : पत्रिका, भास्कर।

गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक



गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री



सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री



रामदास कोठ्यारी
संपादक

## त्यौहारों को उनकी मूल भावना के साथ मनाएं
# बाहरी आडंबर से बचें

हाल ही में हमने नवरात्र और दशहरा यानी विजयादशमी का पर्व मनाया है। नवरात्र को शक्ति पर्व भी कहा जाता है। यह पर्व महिला शक्ति का प्रतीक है। महिलाएँ स्वभाव से कोमल मानी जाती हैं, लेकिन जब वह किसी अन्याय का विरोध करने के लिए खड़ी होती हैं, तो वह दुर्गा बन जाती हैं। महिलाएं परिवार की धुरी होती हैं, वे वंदनीय होती हैं, उनकी शक्ति को कम नहीं आंकना चाहिए। विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इस दिन देशभर में रावण के छोटे-बड़े पुतले दहन किए गए। सोचने वाली बात यह है कि हमने रावण के पुतले का तो दहन कर दिया, पर अपने अंदर के रावण यानी बुराई को नहीं मार पाए। विजयादशमी मनाना तब सार्थक माना जाएगा, जब हम अपने अंदर की बुराई को जड़ से खत्म कर दें। रावण दहन पर्यावरण की दृष्टि से भी उचित नहीं कहा जा सकता।

ज्योति पर्व दीवाली आने को है। इसकी तैयारियाँ बहुत पहले शुरू हो जाती हैं। इस त्यौहार को मनाते समय भी हम इसकी मूल भावना को भूल जाते हैं। ज्यादातर लोग इस अवसर पर वाहनों की खरीद को शुभ मानते हुए इसमें उलझकर रह जाते हैं। कुछ लोग इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोने, चांदी के आभूषणों की खरीद करते हैं। दीवाली का इससे कोई लेना-देना नहीं है। सच्ची दीवाली तो वह है, जब हम किसी अंधेरे घर में खुशियों का उजाला भर दें। किसी असहाय की आंखों के आंसू पोंछें। तभी हम सच्चे अर्थों में दीवाली मना पाएंगे।

पिछले कुछ वर्षों से एक बात और देखने में आ रही है। वह यह है कि हम घर में बिजली की सजावट करते समय मिट्टी के दीपक को भूलते जा रहे हैं। हमें याद रखना चाहिए कि मिट्टी के दीपक के बिना दीवाली अधूरी है। हमें महंगी विदेशी वस्तुएं, उपहार आदि खरीदने के स्थान पर मिट्टी के दीपक, गणेश-लक्ष्मीजी की मिट्टी की मूर्तियाँ खरीदने को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसी भी त्यौहार पर हमें अपने वैभव का प्रदर्शन करने से बचना चाहिए।

इस अंक में सुहागिनों के पर्व करवा चौथ पर भी विशेष सामग्री दी गई है। यह सुहागिनों के त्याग का पर्व है। यह परिवार के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक भी है।

सभी पाठकों, समाज बंधुओं को दीवाली की शुभकामनाएँ।

रामदास कोठ्यारी
– संपादक

## आभार

इस अंक में ''सुहाग पर्व करवा चौथ'' से संबंधित सामग्री के चयन में माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष **श्रीमती रजनी माहेश्वरी** और सहसचिव **श्रीमती ज्योति हुरकट** का विशेष सहयोग रहा।

संपादक मण्डल और पत्रिका परिवार की ओर से आभार।

-With Best Compliments from-

**Ashish Biyani**

The Natural Stone Society

# SANRISHA

## MARBLES & GRANITES PVT. LTD.

## ALL SOLUTIONS UNDER ONE ROOF FOR MARBLE, GRANITE & NATURAL STONES

**- COMING SOON -**

**STATE OF ART 16000 SQ. FT. PRESENTATION / EXPERIENCE CENTRE**

**3,00,000 LAKH SQ FT READY STOCKS**

With Best Compliments from -

Shruti Biyani

Project Consultation & Exeuction
Interior Designing & Architectural consultancy services
Construction
Turnkey Projects

LIVINSTYL

Shruti Biyani Design

Office :
G-2, 84, Shanti Nagar, DCM, Ajmer Road,
Jaipur (Rajasthan) India 302019
www.livinstyl.com
+91 9784357469, +91 141359093

Presentation Centre &
A-208/209/262, Dr. Rajendra Prasad Nagar,
200' Bypass, Ajmer Road, Near Maheshwari Diagnostic Centre
Nirman nagar, Jaipur (Rajasthan) India 302019

Stock Yard:
883-884, Gautam Marg, Rani Sati Nagar
Nirman Nagar,
Jaipur (Rajasthan) India 302019

+91 999 888 5842, +91 141 3590993
website : www.sanrishamarblesandgranites.com, email : info@sanrishamarblesandgranites.com

चांद को साक्षी रखकर यह आह्वान हर पति से है। एक-दूजे की परवाह, मीठे बोल और सम्मान जब रिश्ते में होते हैं, तो दाम्पत्य जीवन चांद-सी चमक से भर जाता है। करवा चौथ पर पत्नी को यही सम्मान और विश्वास देने का वादा कीजिए।

# इक वादा आप भी करें!

मन्नतों और मनुहारों का त्योहार करवा चौथ केवल एक परंपरा का निर्वहन भर नहीं है। यह पर्व प्रतीक है उस पावन और समर्पित सोच काए जो एक स्त्री अपने परिवार के लिए अपने मन और जीवन में रखती है। तभी तो पूरी निष्ठा के साथ न केवल जीवनसाथी के आयु की बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि की भी कामना करती है। उसकी हर प्रार्थना यही भाव लिए होती है कि उसका दाम्पत्य जीवन हर हाल में खुशियों से सराबोर रहे। इस पर्व पर आप भी समझिए कि जीवनसंगिनी घर-परिवार की धुरी होती है। आपके जीवन का वो चमकता चांद जिसकी शीतल रोशनी में रिश्ते-नाते और घर-आंगन रोशन होता है। जरूरी है कि उनके स्नेह, साथ और संभाल की जो रोशनी आपके आंगन को जगमग करती है, उसका भी मान हो। इस त्योहार से जुड़े उनके भाव और लगाव को समझकर उनके मन को समझिए।

## अनमोल भागीदारी का मोल

**कहते** हैं कि जो इंसान दूसरों का सम्मान करता है, वह उनका मोल जानता है और उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करता है। लेकिन कई बार पति-पत्नी के रिश्ते में यही गलती होती है। दोनों एकदूसरे के लिए अनमोल होते हैं पर जीवन की जद्दोजहद में भावनाएं कहीं गुम हो जाती हैं। नतीजतन कई बार दोनों ही एक-दूसरे के लिए भावहीन हो जाते हैं। आमतौर पर महिलाएं ऐसी समस्याओं से ज्यादा जूझती हैं जब उन्हें लगने लगता है कि उनका अस्तित्व किसी के लिए कोई मायने नहीं रखता। इसकी वजह यह भी है कि उन्हें कभी कोई प्रशंसा नहीं मिलती। दिनभर की भागमभाग में वो जितना कुछ भी थामे रहती हैं उसके लिए प्रेम और सराहना भरे कुछ शब्द उन्हें नई ऊर्जा दे सकते हैं। जीवनसाथी से मिली सराहना का भाव महिलाओं के जिम्मेदारियों तले दबे जीवन में प्रेम और ऊष्मा लौटा लाता है। इसीलिए त्योहार स्त्री मन को कहीं गहरे प्रभावित करते हैं। मन में नया उल्लास जगाते हैं। ख़ासकर करवा चौथ जैसे त्योहार जिनसे रिश्तों को पोषण मिलता है, जो शादीशुदा जीवन के सबसे सुंदर रिश्ते को सींचते हैं।

## संवाद के मायने समझिए

**घर**-परिवार की खुशहाली और आपसी स्नेह की इबारत की मजबूती संवाद पर टिकी होती है। आजकल वैवाहिक जीवन में संवाद की कमी कई उलझनों का कारण है। ऐसे में तमाम व्यस्तताओं के बावजूद अपनी जीवनसंगिनी से सार्थक संवाद बनाए रखें। पत्नी की खुशियां आपकी जिम्मेदारी है क्योंकि जीवन की हर परिस्थिति में वो आपके साथ खड़ी होती है। यूं भी वैवाहिक जीवन है ही भावनाओं से भरा। इसमें कहने-सुनने का समय ही न निकाला जाए तो रिश्ता बिखरने लगता है। यह जीवन की वो पारी है जो औपचारिकताओं से परे और अपनेपन से सिंचित है।

जीवनसाथी एक-दूसरे के लिए शक्ति स्तंभ तो होते ही हैं, दोस्त और हितैषी सलाहकार भी होते हैं। ऐसे में संवाद ही न हो तो रिश्ता फीका पड़ जाता है, इसीलिए उनके मन की सुनें और समझें भी। कितने ही मामलों में देखने में आता है कि शादीशुदा जीवन में संवाद की कमी कितनी नकारात्मकता ले आती है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार पति-पत्नी के बीच बढ़ती दूरियों के लिए उनकी स्वभावगत कमियां इतनी जिम्मेदार नहीं होती जितनी दंपती की आपसी बातचीत में आई कमी।

स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के मैराइटल थैरेपी क्लीनिक के निदेशक के. डेनियल ओ लैरी के मुताबिक दांपत्य में जो बड़ी समस्या देखने को मिलती है वह है इस रिश्ते में पति के द्वारा अपने आप को दूर रखने या अपने को समेट लेने से आई दूरियां। यह व्यवहार सबसे नुकसानदेह होता है। ये दूरियां गुजरते समय के साथ और गंभीर बनती जाती हैं। इसीलिए महंगा उपहार देने के बजाय उनके लिए समय निकालें। वैसे भी करवा चौथ एक पारंपरिक पर्व है और आस्था व विश्वास से जुड़ा है। इस भरोसे को आपसी संवाद ही पोषित करता है। जीवन में कोई भी परिस्थिति आए, अगर एक-दूसरे के भावों और विचारों को समझ सकें तो वैवाहिक जीवन में कभी बिखराव नहीं आता।

## समर्पण का मोल समझिए

**जिस** तरह एक पत्नी पति की भावनाओं का सम्मान करती है और अपने घर की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करती है उसी तरह पत्नी भी चाहती है कि पति उसकी भावनाओं का मान करे। करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के रिश्ते को नई ऊर्जा से सींचता है। यूं भी हमारे पारंपरिक संस्कारों में इन त्योहारों को इसीलिए स्थान दिया गया है ताकि वे संबंधों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकें। यही वजह है कि त्योहारी संस्कृति में नवीनता के समावेश ने कुछ नए रंग और भर दिए है। खुशहाल दाम्पत्य की कामना का यह पर्व साल-दरसाल शादी के रिश्ते को मजबूती और समझ की सौगात देता है। आप भी जीवन की धुरी पर हरदम जिम्मेदारियों से जूझती अपनी जीवन संगिनी के प्रेम और समर्पण का मन से मान करें। आपका प्रशंसा भरा भाव उन्हें जमाने भर की खुशियां दे सकता है, इसीलिए पति यह सोच मन से निकाल दें कि पत्नी के प्रति प्रेम व्यक्त करके वे छोटे हो जाएंगे। पत्नी की दुख-तकलीफ से सहानुभूति और ख़ुशियों से सरोकार रखने वाले पति और भी ज्यादा सम्मान पाते हैं।

kanha®
हर घर में मने खुशियां,
हर घर में हो दिवाली ।
SOAN PAPDI
CHANA BADAM BITE
Malpua
GULAB JAMUN
Rassogolla
Shahi Andaaz
KANPURI LADDU
KAJU KATLI
Navrattan
Bhujia
Available at your nearby retail outlet | आपके नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध
FOR ENQUIRY, CALL : +91 9057802114 / 1800-120-432-100

# याद रहेगी पहली करवा चौथ

**करवा चौथ का व्रत महिलाएँ अपने पतियों की लम्बी आयु के लिए रखती हैं। बहुत से पति भी अपनी पत्नियों के लिए इस व्रत का पालन करते हैं। जो पति व्रत नहीं रखते, वे अपनी अर्धांगनी के करवा चौथ को खास बनाने की सोचते हैं। आपके पास अभी समय है, इस दिन को यादगार बनाने का, ताकि मीठी यादों को संजोकर रखा जा सके।**

## पतिदेव ने सरप्राइज व्रत रखा

– पलक माहेश्वरी

शादी का पहला साल था। करवा चौथ के व्रत के लिए घबरा रही थी कि ना जाने कैसे रख पाऊंगी... पर उतनी ही उत्साहित भी थी अच्छे से तैयार होने के लिए।

आखिर वो दिन आ ही गया, उस दिन मैंने अपना सबसे अच्छा लाल रंग का सूट निकाला था, आखिर लगना चाहिए था कि मेरी पहली करवा चौथ है।

वो दिन मुझे बहुत लम्बा लग रहा था... और जब 5 बजे तो मैं सोचने लगी कि अब बस एक घंटा और...।

खैर जल्दी से तैयार होकर, सासू मां के साथ पूजा करने लगी। खूब फोटो सेशन करवाया, पर मेरा ध्यान सिर्फ इन पर ही था, लग रहा था मानो आज इन्होंने ऑफिस में कुछ ज्यादा ही काम कर लिया हो।

अब चांद का इंतजार होने लगा। उस दिन लगता है मानो चंदा मामा भी मामी के साथ करवा चौथ मना कर आराम से आते हैं। जैसे ही चांद आया, हम सबने पूजा की। जैसे-जैसे सासू मां बताती गईं वैसे मैंने भी किया और पतिदेव के हाथ से पानी पी कर मिठाई खाई तब जान में जान आई। उसके बाद सासू मां ने इनको भी वही सब करने को कहा, तो मुझे लगा शायद यहां पर करते होंगे पूजा ऐसे ही! लेकिन जब उन्होंने मुझे पतिदेव को पानी पिलाने को कहा तब मुझे एहसास हुआ कि पतिदेव ने भी मेरे लिए सरप्राइज व्रत रखा था।

मैं बहुत खुश हुई। तब का दिन था और आज का दिन, मैं और मेरे पतिदेव हर तीज-चौथ का व्रत साथ ही रखते हैं तथा एक-दूसरे के लिए मंगलकामना करते हैं।

## म्युजिक का आनंद लिया

– रतिका हुरकट

नव विवाहिता का पहला साल ससुराल में कुछ विशेष ही होता है। इसी वजह से तीज-त्यौहारों का उल्लास और बढ़ जाता है। हमारी परम्पराओं और रीति-रिवाज के अनुसार कुछ मौकों पर व्रत-उपवास मुझे रखना होता था। पर सच कहूं तो कई चीजों के लॉजिक मेरी समझ से दूर थे। मेरे मन और दिमाग में सिर्फ करवा चौथ का व्रत ही सब कुछ था। शादी को एक वर्ष पूरा होने वाला था परन्तु ये मेरी पहली करवा चौथ थी। इन्तजार के बाद वो दिन आ गया एक दिन पहले ही मेरे हाथों में मेहंदी लगवा दी गई। चौथ वाले दिन सुबह ही अच्छे से तैयार होकर कमरे से निकली उस दिन तो सभी से अच्छे-अच्छे कॉम्पलीमेन्टस मिले। आज के दिन को और खास बनाने के लिए मेरी सासू माँ ने रिश्तेदारों को डिनर पर बुलाया था और एक म्युजिकल प्रोग्राम भी रखा था। शाम हुई सभी के साथ विधिवत पूजा करी और सभी का आशीर्वाद लिया। सरप्राइज ये रहा कि दोपहर में ही पतिदेव जल्दी ही घर आ गये। दोनों ने संग ही म्युजिकल प्रोग्राम का खूब आनन्द लिया। फोटो सेशन हुआ। मस्ती के आलम भूख का अहसास भी नहीं हुआ और चन्द्र देव ने दर्शन दे दिये। इन्होंने और मैंने संग ही व्रत खोला। इस खास दिन को पतिदेव और सासू माँ ने और भी खास बना दिया जो मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

## प्यारा सा पिया है पाया

– कोमल साबू

'करवा चौथ' शब्द सुनते ही मेरे मन में उठता है पिया के प्यार का, सम्मान का और समर्पण का एहसास, सात जन्मों तक ही नहीं जन्मों-जन्मों तक साथ निभाने का होता है विश्वास....

तो बात करते हैं मेरे पहले करवाचौथ की....

मैं तो थी दिल्ली की चकाचौंध से और ये तो थे पुराने मारवाड़ी परंपराओं से घिरे जयपुर से।

दिल्ली में तो इस त्योहार का मतलब पति के लिए सजना-संवरना, सास से सरगी मिलना, चलनी में चाँद को देखना और ढेरों उपहार पाना था।

इन्हीं सपनों के साथ मैंने मेरी पहली करवाचौथ पति के प्यार के साथ-साथ बड़ों के आशीर्वाद, छोटों का स्नेह व सभी रीती-रिवाजों के साथ बहुत ही उमंग से मनाया था।

दस साल पुरानी होके भी वो यादे मुझे आज भी नई सी लगती है।

इसलिए...

करवा चौथ का त्योहार है निराला,
ले आता है हर सुहागन के जीवन में उजियाला,
इस चौथ का चाँद है सबके मन को भाया,
मैंने इस जीवन में प्यारा सा पिया है पाया!!

## प्रेम की नई अनुभूति

–वन्दना साबू

करवा चौथ उत्तर भारतीय सुहागनों का प्रेम पर्व, दांपत्य प्रेम और समर्पण का प्रतीक! इसमें छिपी है अखंड सौभाग्य की कामना के साथ ही जन्मों तक उसी जीवन साथी को पाने की कामना।

इस प्रेमपर्व पर हर सुहागन को पहली करवा चौथ की यादें दशकों बाद भी आह्लादित और रोमांचित करती हैं और दशकों के प्रेम को नवविवाहित।

मेरा पहला करवा चौथ का व्रत 12/10/1995 को था। पतिदेव भी करवा चौथ का उपवास अपनी गर्भवती नववधू के साथ करके पत्नी के स्वास्थ्य की मंगल कामना करना चाहते थे। परंतु परंपरागत संयुक्त परिवार में संभव ना था। पतिदेव सुबह ही जरूरी काम कहकर घर से भूखे-प्यासे गए तो रात को चंद्रोदय के समय ही घर आए और फिर मेरे साथ चंद्र देव को अर्घ्य देकर ही खाना खाया। चौथाई सदी से ज्यादा समय बीतने के बाद भी आज भी वो पहली करवा चौथ की याद प्रेम को नवविवाहित कर देती है।

## सुखद अनुभूति का अहसास

–अरुणा चांडक

हाथों में मेहन्दी, मांग में सिंदूर, पहली करवा चौथ, अति उमंगित मन उल्लासित हो हिलोरें भर रहा था। एक अलग सी सुखद अनुभूति महसूस तो रही थी। सम्पूर्ण नारीत्व का अहसास, मन मयूरा आनंदित हो पीहू-पीहू का गान गा रहा था। पुलकित मन पुरानी यादों में गोते लगा रहा था, कि फोन की घंटी से तंद्रा टूटी। फोन उठाया- स्वर सुनाई दिया, नीचे आ जाओ अस्पताल जाना है। आशंकित मन सहम गया। रास्ते में ज्ञात हुआ कि मेरे पति के दोस्त का परिचित परिवार कार दुर्घटना की त्रासदी का शिकार हो गए हैं। हम अस्पताल पहुँचे। अस्पताल का मंजर सारी कहानी बयां कर रहा था। भीड़ बहुत जमा हो गई थी, पर अपना कहने को कोई नहीं था।

एक-एक करके अस्पताल की सारी औपचारिकताएँ पूरी हो रही थीं। शाम भी ढल रही थी। पूजा का समय हो चला था। जीवनसाथी ने घर जाने का ईशारा किया, परन्तु कर्त्तव्य सामने था, मन घर जाने की गवाही नहीं दे रहा था। उहापोह में फँसी! आखिर वहीं हाथ जोड़कर मानसिक पूजा करने का निश्चय किया।

रात के 10 बजे दिल्ली से कुछ रिश्तेदार अस्पताल पहुँचे, तब हम वहाँ से निकले। घर पहुँचकर सादगी पूर्ण तरीके से मैंने पूजा अर्चना की एवं संतुष्टि के भाव 'पी' के हाथों से जल पीकर व्रत खोला। अपनी पहली करवा चौथ पर मैं सोलह-शृंगार तो नहीं कर पायी, परन्तु किसी का सुहाग व परिवार बचाने में थोड़ी सी मेरी हिस्सेदारी मुझे पूर्णतया संतुष्टि प्रदान कर रही थी।

## सुनहरे पल : सुनहरा पर्व

–रश्मि तापड़िया

साल 2010 की बात है। इस साल मेरा पहला करवा चौथ था। उस समय सोशल नेटवर्क में केवल टीवी सीरियल्स ही हुआ करते थे। और हर डेलीसोप में उस समय करवा चौथ सेलीब्रेशन ही चल रहा था। सभी में एक समानता थी- कि नयी बहू को पतिदेव से उपहार मिलता था। तो बस उपहार का बीज मेरे दिमाग में इन सीरियल्स ने बो दिया था। वैसे 10 महिने के वैवाहिक जीवन में मैं इतना तो समझ गई थी कि मेरे पतिदेव को उपहार देना और लेना पसंद नहीं था। करवा चौथ वाले दिन ये बहुत ज्यादा व्यस्त थे। शाम को फोन पर भी इन्होंने देरी से आने की ही बात कही। तब से दिमाग कह रहा था उपहार तो सिर्फ दिखावा है, पर दिल कह रहा था उपहार तो मिलना ही चाहिए। इसी उधेड़बुन में बैठी थी कि थोड़े बाद ये आए और हँसते हुए मेरे हाथ में एक गिफ्ट पैक पकड़ा दिया। उसमें एक सुनहरा पर्स था, जो सुनहरे पल लेकर आया था मेरी पहली करवा चौथ को यादगार बनाने के लिए।

## उत्सव प्रियः मानवाः

–गरिमा खटोड़

मानव समाज इन उत्सव व त्योहारों के बिना अधूरा है। जीवन के विभिन्न पहलुओं को छूते हुए ये उत्सव हमें शारीरिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ बनाते हैं। इसलिए शायद हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गए है, और इनसे जुड़ जाती है कई खट्टी-मीठी यादें।

एक नवविवाहित के जीवन में तीज-त्यौहारों की श्रृंखला थोड़ी और विस्तृत हो जाती है। उसमें जुड़ जाते हैं कुछ व्रत व त्यौहार जो विवाहित दंपत्ति के संबंधों को मधुर बनाने के लिए समाज में पिरोए गए हैं। और इसमें एक मुख्य व्रत आता है- करवा चौथ का।

लगभग 17 साल पहले की बात है। ऐसे तो मेरी शादी को एक वर्ष पूर्ण होने वाला था, लेकिन वो मेरी पहली करवा चौथ थी। दो महिने पहले ही पतिदेव का तबादला उदयपुर हो गया था। फिल्मों में विशेष महत्व दिए जाने का असर था या कॉलोनी की अन्य नवविवाहितों के साथ होने वाली चर्चा का, मेरा मन भी करवा चौथ को लेकर उत्साहित होने लगा था। इनसे बात करी तो इन्होंने काम की व्यस्तता का कारण बताते हुए छुट्टी ले पाने में असमर्थता जताई। करवा चौथ के दस दिन पहले ही मुझे मेरा करवा चौथ स्पेशल गिफ्ट भी दिला दिया। संयुक्त परिवार में रहने के कारण व्रत वाले दिन सभी के साथ व स्नेह ने इनकी अनुपस्थिति का अहसास भी नहीं होने दिया। शाम को तैयार होकर सबके साथ पूजन किया व चंद्रमा के दर्शन का इंतजार होने लगा। वैसे करवा चौथ का जो फिल्मी प्रदर्शन है, वैसा तो कुछ हमारे यहाँ नहीं होता था। लेकिन युगल जोड़ों को चांद का इंतजार करते देखा जा सकता था। आखिर चांद भी निकल आया, हम सबने अर्घ्य दिया व नीचे आ गए। परंतु, ये क्या!! जनाब नीचे बैठे हुए हैं। मेरे तो आश्चर्य का ठिकाना ही नहीं रहा। ये सरप्राइज देने के लिए बिना बताए आ गए थे, वो भी निराहार। इन्होंने भी व्रत किया था। मेरी सासू माँ ने हमें साथ बिठाकर खाना खिलाया। आज भी इस दिन की याद दिल में तरोताजा है। हालांकि ये कुछ समय और बाहर रहे, और त्यौहार आते रहे। हाँ, हर बार ये नहीं आ सकते थे, पर पहली करवा चौथ की ये सुमधुर याद हमेशा के लिए जीवन से जुड़ गई।

करवाचौथ के दिन सभी महिलाएं दिनभर शाम की तैयारी में लगी रहती हैं। तैयारी पूरी करके, करवाचौथ के दिन को अलग अंदाज में बिताना चाहती हैं, तो मनोरंजक खेल, खेल सकती हैं। इससे समय भी अच्छा बीतेगा और मजा भी आएगा।

# व्रत के साथ मनोरंजन भी है जरूरी...

करवाचौथ का व्रत काफी कठिन माना जाता है। बिना पानी पिए दिनभर गुजारना मुश्किल भरा होता है। लेकिन पूजा और शाम के खाने की तैयारी करने के बाद दोपहर के समय में बिताने के लिए कुछ मजेदार तरकीब हम लेकर आए हैं। ये तरकीब है ऑनलाइन गेम्स खेलने की, क्योंकि इस बार मिलकर पूजा-पाठ करना संभव नहीं है। ऐसे में अपने दोस्तों और आस-पड़ोस की महिलाओं के साथ ऑनलाइन और वीडियो कॉल के जरिए कुछ खेल खेले जा सकते हैं। इन्हें खेलना कैसे है, आइए जानते है

## नाम लिखो

**ये** खेल बड़ा मजेदार है। वीडियो कॉल के जरिए इसे खेल सकते हैं लेकिन ख़्याल रहे कि इसमें आठ लोगों से अधिक नहीं हो सकते, क्योंकि सोशल मीडिया के कॉल पर एक बार में आठ लोग ही वीडियो कॉल कर सकते हैं। इस खेल में करना बस इतना है कि खेल शरू करने से पहले सभी पेन और कॉपी लेकर आ जाएं। अब सभी को 30 सेकंड का समय दिया जाएगा। समय शुरू होते ही सभी को एक पेज पर अपने पति का लिखना है। जो महिला सबसे ज्यादा बार अपने पति का नाम लिख पाएगी वो होगी खेल की विजेता।

## सोलह श्रृंगार

ये खेल बहुत मजेदार है। इसे खेलने से पहले एक लिस्ट बनाएं। इसमें सोलह श्रृंगार का पूरा सामान लिखें, जैसे लिपस्टिक, सिंदूर, बिंदी आदि। सभी को ये सामान लेकर बैठना है। अब एक मिनट का समय दिया जाएगा। इसमें सभी महिलाओं को सोलह श्रृंगार करना है। हां, एक बात का ख्याल रहे कि सिर्फ जरा-सा या जल्दबाजी में नहीं लगाना है बल्कि अच्छी तरह से लगाना है। जो कम समय में पूरा श्रृंगार करेगी वो होगी खेल की विजेता। समय सीमा सुविधानुसार बढ़ा सकते हैं।

## चूड़ियों में पिन

**अक्सर** महिलाएं सेफ्टी पिन को चूड़ी में लगा लेती हैं, ताकि जरूरत पर काम में आ सके। ये खेल भी कुछ ऐसा ही है। इसे खेलने से पहले 10 सेफ्टी पिन्स को सामने रखें। अब सभी महिलाएं खेल शुरू होते ही अपनी चूड़ियों में सेफ्टी पिन्स लगाएंगी। जो 30 सेकंड में सबसे अधिक पिन्स लगाएगी, वो होगी विनर। सेफ्टी पिन्स की संख्या समय के अनुसार बढ़ा भी सकते हैं।

## चूड़ी जो खनकी

ये खेल मजेदार भी है और आसान भी। इसे खेलने के लिए सभी को 15 चूड़ियां और पांसा चाहिए। खेल खेलने वाली महिलाएं 15-15 चूडियां ले लें। अब एक डाइस या पांसा लें। खेल शरू होते ही सभी को पांसा फेंकना है और जितने अंक आएं उनकी चूड़ियां पहनते जाना है। जैसे पहले 2 अंक आया तो दो चूड़ी पहन ली फिर 5 आया तो पांच चूड़ियां पहन लीं। इसी तरह 2 मिनट की समय सीमा में जिसके हाथों में सबसे अधिक चूड़ियां होंगी वो होगी खेल की विजेता। इसे एक साथ नहीं बल्कि एक-एक करके खेलें ताकि खेल न्यायपूर्ण हो।

## मिस्ड कॉल

**ये** खेल ऐसा है जिसमें जीतने के लिए आपके पति आपकी मदद करेंगे। इसके लिए आपको परिवार के अन्य किसी सदस्य के फोन से कॉल करके खेलना होगा क्योंकि आपका फोन कॉल करने के काम आएगा। अब सभी महिलाओं को एक मिनट का समय दिया जाएगा। इस 1 मिनट में उन्हें अपने पति को मिस्ड कॉल देनी होगी। फिर जिसके भी पति का सबसे पहले कॉल बैक आएगा वो महिला होगी खेल की विजेता। अगर घर में आप अकेली हैं तो थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। इसमें लाइव रहते हुए अपने पति को 'कॉल मी' का मैसेज कर सकती हैं।

## मिसेज करवाचौथ बनिए

ये महिलाओं की पसंदीदा प्रतियोगिता है। इसमें भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों को एक फोन कॉलर ग्रुप बनाना होगा। अब सभी को तैयार होकर अपनी सेल्फी लेनी है। इस सेल्फी को इस ग्रुप में भेजना है। जिस भी सेल्फी को सबसे अधिक पसंद किया जाएगा वो होगी मिसेज करवाचौथ। जीतने पर मिसेज करवाचौथ का तोहफा बाकी सभी महिलाओं द्वारा मिलकर दिया जाएगा। चयन के लिए किसी बाहरी व्यक्ति को भी कहा जा सकता है।

ॐ कैटर्स
BY OM SODHANI

BY OM SODHANI
PRESIDENT
(JAIPUR CATERING DEALERS SAMITI REG.)

## !! दीपावली स्पेशल !!

| | |
|---|---|
| गुलाब सकरी | 650 प्रति थाली |
| काजू कतली | 650 प्रति किलो |
| केसर काजू कतली | 800 प्रति किलो |
| बादाम कतली | 800 प्रति किलो |
| डायमंड केक | 800 प्रति किलो |
| काजू रोल | 800 प्रति किलो |
| काजू कलश | 800 प्रति किलो |
| अंजीर किंग | 800 प्रति किलो |
| मूंग चक्की | 350 प्रति किलो |
| गुलाब जामुन | 320 प्रति किलो |
| मावा बर्फी | 340 प्रति किलो |
| चौगनी लड्डू | 340 प्रति किलो |
| दूध लड्डू | 360 प्रति किलो |
| मूँग दाल हलवा | 400 प्रति किलो |
| बादाम हलवा | 800 प्रति किलो |

| | |
|---|---|
| गलेप पेठा | 340 प्रति किलो |
| मिश्री मावा | 340 प्रति किलो |
| मलाई बर्फी | 340 प्रति किलो |
| रसगुल्ला | 220 प्रति किलो |
| शिरोमणी | 340 प्रति किलो |
| मलाई चाप | 340 प्रति किलो |
| फैन्सी बंगाली | 340 प्रति किलो |
| सोहन पपड़ी | 140 प्रति पैकेट |

| | |
|---|---|
| लौंग नमकीन | 200 प्रति किलो |
| मिक्स नमकीन | 200 प्रति किलो |
| फलाहारी नमकीन | 250 प्रति किलो |
| मलका मसूर | 300 प्रति किलो |
| समोसा | 15 प्रति नग |
| कचौरी | 15 प्रति नग |
| प्याज कचौरी | 20 प्रति नग |
| मिर्ची बड़ा | 20 प्रति नग |
| ब्रेड पकौड़ा | 20 प्रति नग |

**ORDER NOW**

**9680658815, 9414358815**

PhonePe paytm BHIM G Pay COD

**OM CATTERS**

D-2, NEAR SUN HOSPITAL, ,J.P. COLONY,
TONK PHATAK, JAIPUR, RAJASTHAN

करवा चौथ पर सजने-संवरने के लिए कुछ नयापन जरूरी है। आप भी इस मौके पर सबसे खास दिखना चाहती हैं, तो इन मेकअप टिप्स और ट्रिक्स को अपनाकर देखें।

# संवरें ऐसे कि निगाहें थम जाएं

**मेकअप** परिधान, जेवरों और केशसज्जा को निर्णायक रूप देता है। इस बार पार्लर जाने का अवसर नहीं मिल रहा है, ऐसे में मेकअप टिप्स की अहमियत समझी जा सकती है। आप अपनी पसंद के लुक का चयन करके ख़ुद मेकअप कर सकती हैं।

## नैचुरल लुक के लिए...

**यदि आपको भी ये लुक पसंद है तो आजमा कर देख लें।**

◗ **सबसे पहले स्पॉन्ज** को गीला करके मॉइश्चराइजर को चेहरे और गर्दन पर लगा लें। इसके बाद फाउंडेशन लगाने से वो चेहरे-गर्दन पर अच्छी तरह से फैल जाएगा और पैचेज नहीं दिखेंगे।

◗ **अब ब्लशर को** गालों पर लगाएं। इसके लिए नैचुरल शेड का ब्लशर चुनें या ब्राउन और पिंक लिपस्टिक का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसे हल्का ही लगाएं।

◗ **आंखों पर हल्का** आईलाइनर लगाएं और मस्कारे का सिर्फ एक कोट लगाएं। इससे आंखें नैचुरल दिखेंगी। आईशैडो हल्के रंग का इस्तेमाल करें।

## हैवी लुक के लिए...

त्योहार के मौकों पर कई लोगों को हैवी लुक पसंद आता है। आप भी इस बार कुछ इसी तरह का मेकअप करना चाहती हैं तो एक सुझाव हमारे पास है-

◗ **सबसे पहले चेहरे** को धोकर प्राइमर या कंसीलर लगा लें। इससे चेहरे के दाग-धब्बे नहीं दिखेंगे और मेकअप अच्छा होगा।

◗ **अब स्पॉन्ज की** मदद से फाउंडेशन लगाएं और एक-सा फैला लें।

◗ **ब्लशर लगाना चाहती** हैं तो ग्लिटर वाला लगा सकती हैं। ये चेहरे पर ग्लो लाता है।

◗ **आंखों के मेकअप** में विंग आईलाइनर लगा सकती हैं। मस्कारे के 2-3 कोट कर सकती हैं। इससे आंखें हैवी लगेंगी और परिधान के मैचिंग का आईशैडो लगा सकती हैं।

## अब कुछ ऐसे टिप्स भी नोट कीजिए, जिन्हें आप फटाफट आजमा सकती हैं...

◗ **आंखों के हाइलाइट** करना चाहती हैं तो डबल कलर का आईलाइनर लगा सकती हैं।

◗ **लाल या गुलाबी** लिपस्टिक लगाने के बजाय डार्क ब्राउन, चैरी या फिर बरगंडी रंग की लिपस्टिक लगाएं। ये आपको सबसे अलग दिखाएगी।

◗ **आजकल कलर्ड आईलाइनर** भी काफी ट्रेंड में हैं। इन्हें भी परिधान के मैचिंग का लगा सकती हैं।

◗ **काला काजल हमेशा** ही लगाती हैं तो इस बार सफेद काजल लगाकर देखें। इससे आंखें बड़ी लगती हैं और आकर्षक भी।

◗ **नेकलेस और झुमकी** दोनों ही हैवी हैं तो नोजरिंग छोटी पहनें। आजकल छोटी नोजरिंग काफी ट्रेंड में हैं।

◗ **हैवी झुमकी पहन** रही हैं तो गले में हल्का नेकलेस पहनें और मांगटीका भी छोटा लगाएं।

◗ **मेहंदी की ओर** ध्यान खींचना चाहती हैं तो ग्लिटर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा मेहंदी पर कलर्ड स्टोन्स वाली बिंदी भी लगा सकती हैं।

◗ **फाउंडेशन को सैट** करने के लिए बारबार टचअप करने के बजाय कॉम्पैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें। इसे बहुत अधिक नहीं लगाना है सिर्फ टचअप करना है।

◗ **अगर कुछ अलग** करना चाहती हैं तो हैवी मांग टीका लगाएं और बाकी जूलरी कम या छोटी रखें। इससे आप एकदम अलग और खूबसूरत लगेंगी।

जनहित कार्यों से बने समाज के
गौरव और राष्ट्र की प्रेरणा

# श्री आर.डी. बाहेती

को **86** वें जन्मदिवस की हार्दिक बधाई

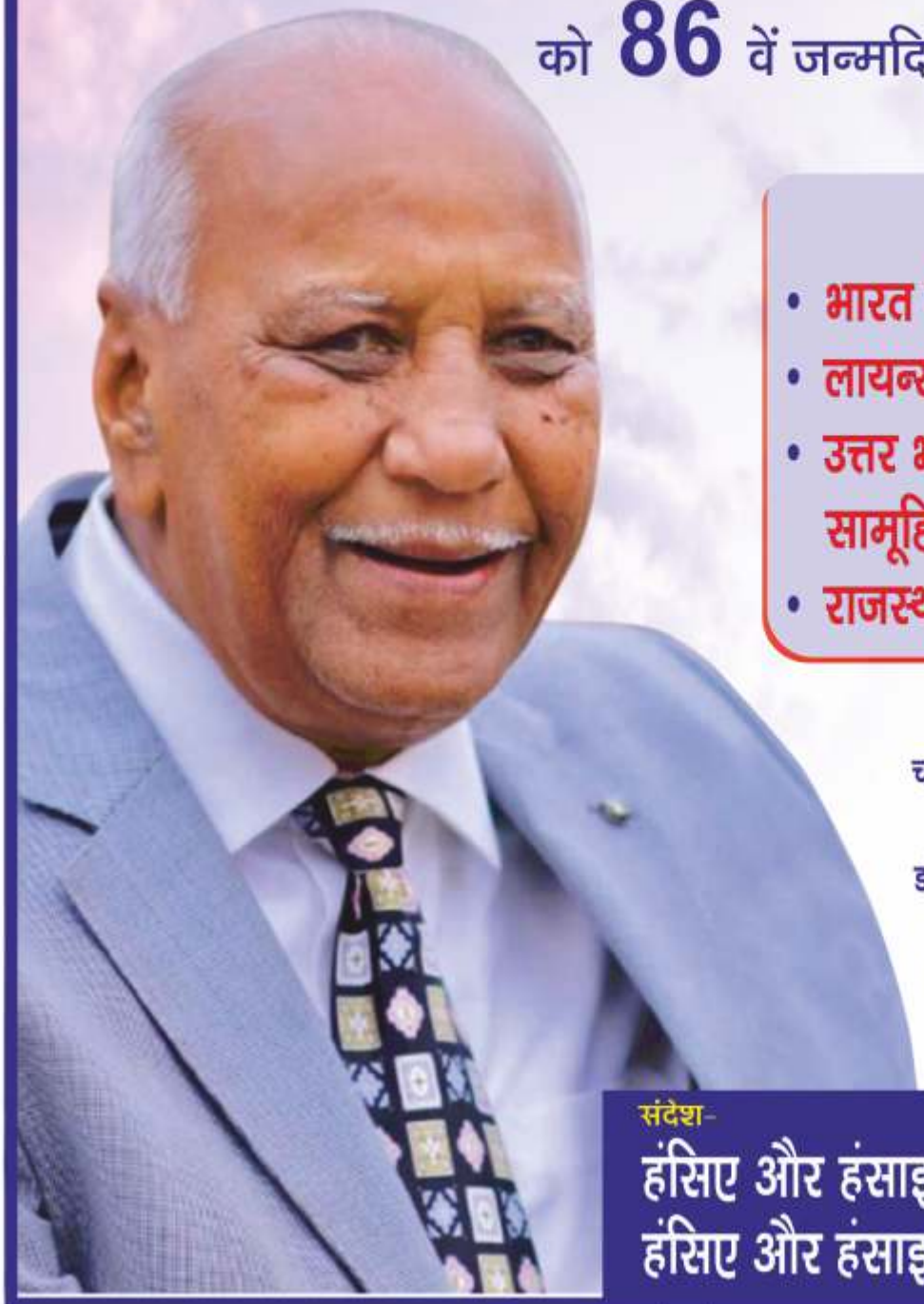

## संस्थापक

- भारत में प्रथम हास्य क्लब
- लायन्स क्लब, जयपुर
- उत्तर भारत में प्रथम सामूहिक विवाह के प्रणेता
- राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद

**शुभेच्छू :**

चन्द्रमोहन शारदा, ओमप्रकाश मोदी
सिराज अहमद 'ताकत'
डॉ. हरिसिंह सोलंकी, अनिता रुंगटा
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
रामकृष्ण बागला, डॉ. पूजा शर्मा
एवं हास्यम् परिवार

संदेश-

हंसिए और हंसाइए - कोरोना दूर भगाइए
हंसिए और हंसाइए - जीवन सुखी बनाइए

# सुख और सौभाग्य का पर्व धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना गया है। सदियों से यह कहावत हमारे देश में प्रचिलित है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया'। इसलिए निरोगी काया के पर्व धनतेरस को दिवाली से पहले मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। भगवान धनवंतरि को विष्ण का अंशावतार माना गया है। संसार में चिकित्सा विज्ञान के प्रसार के लिए भगवान विष्णु ने ही धनवंतरि के रूप में अवतार लिया था। भगवान धनवंतरि के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

## क्या करें धनतेरस के दिन

धनतेरस के दिन धन संपत्ति की प्राप्ति के लिए घर के पूजा स्थल पर कुबेर के लिए दीपदान किया जाता है। मृत्यु के देवता यमराज के लिए भी मुख्य द्वार पर दीपदान किया जाने की परंपरा है।

## धनतेरस से जुड़ी पौराणिक कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था और बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। शुक्राचार्य ने वामन अवतार में यज्ञ स्थल पर पहुंचे विष्णु को पहचान लिया। शुक्राचार्य ने बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें देने से इनकार कर देना। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। भगवान वामन द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि देने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प करने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलना बंद हो गया। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे कुश को कमंडल में इस तरह डाला कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई और वे तुरंत बाहर निकल गए। इस तरह बलि के भय से देवी-देवताओं को मुक्ति मिली और जो धन संपत्ति बलि ने उनसे छीनी थी वह भी वापस मिली।

धनतेरस पर्व दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। इस दिन लोग कई वस्तुओं की खरीददारी करते हैं। धनतेरस में खरीददारी करना बहुत ही शुभ माना जाता है। संसार में चिकित्सा विज्ञान के प्रसार के लिए भगवान विष्णु ने ही धनवंतरि के रूप में अवतार लिया था। भगवान धनवंतरि के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

## कौन हैं धनतेरस के देवता भगवान धनवंतरि

धनतेरस के मौके पर धनवंतरि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि धनवंतरि, अमृत यानी जीवन का वरदान लेकर प्रकट हुए थे और आयुर्वेद के जानकार भी थे, इसलिए भगवान धनवंतरि आयुर्वेद के प्रणेता और चिकित्सा शास्त्र के देवता माने जाते हैं। इनकी चौबीस अवतारों के अंतर्गत गणना होने के कारण भक्तजन भगवान विष्णु का अवतार, श्रीराम और श्रीकृष्ण के समान पूजा करते हैं। आदिकाल में आयुर्वेद की उत्पत्ति ब्रह्मा से ही मानते हैं और आदि काल के ग्रंथों में रामायण, महाभारत और विविध पुराणों की रचना हुई है, जिसमें सभी ग्रंथों ने आयुर्वेद अवतरण के प्रसंग में भगवान धनवंतरि का उल्लेख किया है।

महाभारत, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, श्रीमद भागवत महापुराण आदि में यह उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि देव और असुर एक ही पिता कश्यप ऋषि के संतान थे। लेकिन इनकी वंशवृद्धि अधिक हो गई थी इसलिए अधिकारों के लिए आपस में लड़ा करते थे। वे तीनों ही लोकों पर राज्याधिकार चाहते थे। असुरों या राक्षसों के गुरु शुक्राचार्य थे जो संजीवनी विद्या के बल से असुरों को जीवितकर देते थे। इसके अलावा दैत्य दानव मांसाहारी होने के कारण शक्तिशाली थे जिससे युद्ध में देवताओं को ज्यादा नुकसान होता था।

विष्णु पुराण के अनुसार धनवंतरि दीर्घतथा के पुत्र बताए गए हैं। इसमें बताया गया है वह धनवंतरि जरा (बुढ़ापे) विकारों से रहित देह, इंद्रियों वाला और सभी जन्मों में सर्वशास्त्र ज्ञाता हैं। भगवान नारायण ने उन्हें पूर्व जन्म में यह वरदान दिया था कि काशीराज के वंश में उत्पन्न होकर आयुर्वेद के आठ भाग करोगे और यज्ञ भाग के भोक्ता बनोगे।

ब्रह्म पुराण के अनुसार यह कथा मिलती है कि काशी के राजवंश में धन्व नाम के राजा ने अब्ज देवता की उपासना की और उनको प्रसन्न किया और उनसे वरदान मांगा कि हे भगवन आप हमारे घर पुत्र रूप में अवतरित हों। ब्रह्म पुराण की कथा के अनुसार भगवान ने उनकी उपासना से संतुष्ट होकर उनकी मनोकामना को पूरा किया, जो संभवत: यही देवोदास हुए और धन्व पुत्र और धनवंतरि अवतार होने के कारण धनवंतरि कहलाए।

SSC
SSC
fssai Licence No.
12220026001534
जय श्री श्याम
Shree Shyam Caterers
Quality and service that lingers in your taste buds
काजू कतली
₹ 600/- kg.
बादाम कतली
₹ 750/- kg.
काजू रोल
₹ 900/- kg.
पिस्ता लॉज
₹ 2500/- kg.
पिस्ता बॉल
₹ 2700/- kg.
मूंग का हलवा
₹ 400/- kg.
मूंग की चक्की
₹ 400/- kg.
मिश्री मावा
₹ 350/- kg.
Designer Packing Available
केसर पिस्ता गुलाबजामुन
₹ 350/- kg.
BOOK YOUR ORDER NOW
Shyam Das Mantri 99291 04619
Nikhil Mantri 93525 07701

# धनतेरस पर किन वस्तुओं की खरीदारी है शुभ-अशुभ

इस वर्ष धनतेरस का पर्व 2 नवंबर मंगलवार को है। इस दिन देवताओं के वैद्य और औषधि के देवता धनवंतरि की जंयती भी है। इस दिन धनवंतरि जी की पूजा की जाती है। धनतेरस के दिन शुभ मुहूर्त में लोग सोना, चांदी, बर्तन, विभिन्न आभूषण आदि खरीदते हैं। हर वर्ष धनतेरस पर आप कई वस्तुएं खरीदते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कौन सी वस्तुएं शुभ और अशुभ होती हैं। आज हम आपको बता रहे हैं कि आपको धनतेरस पर क्या खरीदना चाहिए और किन वस्तुओं को नहीं खरीदना चाहिए।

## धनतेरस पर क्या खरीदें?

### 1. लक्ष्मी माता तथा गणेश जी की मूर्ति

धनतेरस के दिन आपको दिवाली के दिन होनी वाली लक्ष्मी पूजा के लिए माता लक्ष्मी तथा गणेश जी की मूर्ति खरीदनी चाहिए। यह आपके लिए सौभाग्य, सुखदायक और शुभता प्रदान करने वाला होगा। माता लक्ष्मी की धन वर्षा करती हुई मूर्ति दिवाली के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

### 2. चांदी

धनतेरस के दिन चांदी के सिक्के, आभूषण आदि की खरीदारी करना शुभ होता है। लक्ष्मी पूजा के दिन चांदी की इन वस्तुओं की पूजा करें।

### 3. पीतल

समुद्र मंथन के समय जब भगवान . धनवंतरि प्रकट हुए थे तब उनके हाथों में पीतल के कलश में अमृत था। ऐसी मान्यता है कि धनवंतरि को पीतल बहुत प्रिय है, इसलिए धनतेरस के दिन पीतल की वस्तुएं खरीदना शुभ होता है।

### 4. झाड़ू

धनतेरस के दिन झाड़ू जरूर खरीदें। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इससे दरिद्रता का नाश होता है। घर में सकारात्मकता का संचार होता है।

### 5. मिट्टी के दीपक

दिवाली प्रकाश का पर्व है। ऐसे में धनतेरस के दिन मिट्टी के दीपक खरीदें। इसके बिना आपकी दिवाली पूरी नहीं होगी। बाजार में मिट्टी के दीपक में भी कई गुणवत्ता वाले दीपक हैं, जो आपकी जेब के अनुरूप होए वे खरीदें।

## धनतेरस पर क्या नहीं खरीदें?

1. **लोहे की वस्तुएं :** धनतेरस के दिन लोहे की वस्तुएं खरीदना वर्जित होता है। यह शनिदेव का प्रतीक है।
2. **स्टील या एल्युमिनियम के बर्तन:** धनतेरस के दिन भूलकर भी स्टील या एल्युमिनियम के बर्तन न खरीदें। इनको अशुभ माना जाता है क्योंकि यह राहु का प्रतीक होता है। राहु दुर्भाग्य का सूचक होता है।
3. **प्लास्टिक, कांच या चीनी मिट्टी की वस्तुएं :** धनतेरस के दिन लोग भूल से कांच, प्लास्टिक या चीनी मिट्टी की वस्तुएं खरीद लेते हैं। ऐसा न करें। ये वस्तु शुभता का प्रतीक नहीं होती हैं।

4. **काले रंग की वस्तुएं :** धनतेरस की खरीदारी में रंगों का भी बहुत महत्व होता है। काले रंग की वस्तुओं की खरीदारी सर्वथा वर्जित है। इस दिन गहरे नीले रंग से भी परहेज करें।
5. **धनतेरस को मिलावटी वस्तुओं** की खरीदारी न करें। इस दिन शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

# DP Supariwala

The Mukhwas Shop

स्नेह और प्यार, खुशियों की बौछार,
बढ़े आपका कारोबार, ऐसा हो आपका ये त्योहार।

## शुभ दीपावली

**OUR STORES:**

4032, MSB Ka Rasta, Johri Bazar,
Pink City, Jaipur, Rajasthan 302003

Shop No- 42, Opposite Jaipur Hospital,
Near Gopalpura Bypass, Tonk Road,
Jaipur - 302018

**CONTACT:**

9829124126, 7849979200

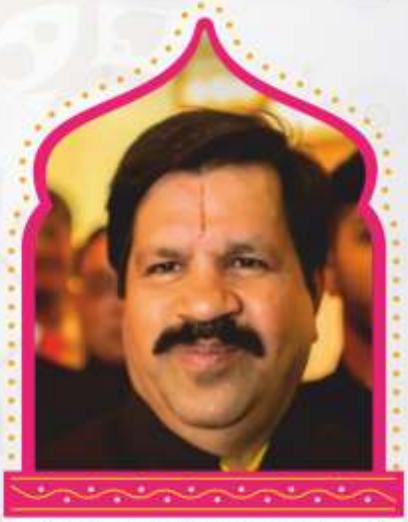

**HARI PRAKASH KABRA**

कांचीपुरम

# मां कामाक्षी 8 वर्ष की कन्या के रूप में विराजित, दीपावली पर घर-घर जाकर भक्तों को दर्शन देंगी

**76 किलोसोने से बना है मंदिर का मुख्य गुम्बद, मां कामाक्षी के पास। हजार करोड़ के बेशकीमती गहने हैं**

## सिंदूर लगाकर होती है लक्ष्मी रूप की पूजा

यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां मां लक्ष्मी की पूजा सिंदूर लगाकर की जाती है। इसके पीछे मान्यता है कि किसी विवाद के चलते विष्णु ने लक्ष्मी को कुरूप होने का श्राप दिया था। मां कामाक्षी की पूजा कर उन्होंने श्राप से मुक्ति पाई थी। उसी समय मां कामाक्षी ने कहा था कि वह यहां लक्ष्मी के साथ विराजेंगी। उन्हें चढ़ने वाले प्रसाद से लक्ष्मी की भी पूजा होगी, मगर लक्ष्मी को यहां आने वालों की मनोकामना पूरी करनी होगी। कामाक्षी को प्रसाद में सिंदूर चढ़ता है जो लक्ष्मी को चरणों से शीश तक लगाया जाता है।

मंदिरों के शहर कांचीपुरम में श्री कांची कामाक्षी अम्मन मंदिर में दीपावली उत्सव बहुत खास है। रोशनी, शंखनाद, फूलों की महक, नादस्वरम जैसे दक्षिण भारतीय साजों के स्वर के बीच मंत्रों के उच्चारण का माहौल देवलोक सा अहसास करवाता है। यह एकमात्र ऐसी शक्तिपीठ है जिसमें कामाक्षी मां की एक आंख में लक्ष्मी और दूसरी में सरस्वती का वास है। एक प्रतिमा की पूजा लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के रूप में की जाती है। आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित श्रीचक्रम सिर्फ यहीं हैं। मंदिर के प्रमुख श्रीकार्यम शास्त्री चेल्ला विश्वनाथ बताते हैं कि अयोध्या के राजा दशरथ महर्षि वशिष्ठ के कहने पर संतान प्राप्ति के लिए कामाक्षी की पूजा करने आए थे। यहां के 24 खंभों में से एक की पूजा के समय उन्हें मां की आवाज सुनाई दी कि एक वर्ष के भीतर उन्हें संतान प्राप्ति होगी। इस खंभे को संतान स्तंभ के तौर पर आज भी पूजा जाता है।

दीपावली पर यहां की परंपरा अन्य लक्ष्मी मंदिरों से अलग है। परंपरा के मुताबिक अगर किसी के माता-पिता या दोनों में से किसी एक की मौत हो जाए तो वो सालभर मां कामाक्षी के दर्शन करने नहीं आ सकता है। इसलिए दीपावली पर उत्सव कामाक्षी की पालकी गली-गली में परिक्रमा करती है। उनके दर्शन के लिए लोग घर के बाहर खड़े रहते हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी बताते हैं कि मां के पास 1000 करोड़ रुपए से अधिक के बेशकीमती गहने हैं। शृंगार में इस्तेमाल होने वाली मालाएं भी केसर, बादाम, काजू, कमल, चमेली, ऑर्किड, गुलाब से बनी होती हैं। 15-20 किलो की ये मालाएं 5 लाख रुपए में तैयार होती हैं।

यहां मंदिर का वैभव देखते ही बनता है। मंदिर का मुख्य गुंबद 76 किलो सोने से बना है, जबकि नवरात्रि व कई अन्य अवसरों पर जिस रथ पर कामाक्षी सवार होती हैं वह 20 किलो सोने से बनाया गया है। हर साल मंदिर में भक्त 50 करोड़ रुपए का चढ़ावा चढ़ाते हैं। एक दिन में करीब दस हजार श्रद्धालु आते हैं। कामाक्षी का यह रूप आठ साल की कन्या का रूप है। अविवाहित पंडित मां की मूर्ति को नहीं छू सकते हैं। यहां केवल विश्वामित्र और भारद्वाज गोत्र के पंडितों को ही पूजा करने की आज्ञा है। इन्हीं के वंशज वर्षों से यहां पूजा करते आए हैं। यहां पूजा महर्षि दुर्वासा के लिखे ग्रंथ सौभाग्यचिंतामणि के अनुसार होती है।

## कामाक्षी मंदिर के गर्भगृह में ही है आदि शंकराचार्य का स्थापित किया श्रीचक्रम

मां कामाक्षी की मूल प्रतिमा के सामने श्रीचक्रम है, जिसे आदि शंकराचार्य ने स्थापित किया था। यह पूजा अर्चना की तांत्रिक विधि है। शास्त्री रामानंद के अनुसार इसे देवी के घर का ब्लूप्रिंट कहा जा सकता है। श्रीचक्रम में नीचे की ओर मुंह वाले पांच त्रिकोण हैं और चार ऊपर की ओर मुंह वाले त्रिकोण हैं। इसमें 44 कोने हैं। इसमें फूलों की पत्तियां बनी हैं और नौ स्तर हैं। बिंदु में कामाक्षी विराजमान हैं। इसे देवी का सूक्ष्म शरीर कहा जाता है। इसकी पूजा श्रद्धालुओं के सामने नहीं होती। नवरात्र, ब्रह्मोत्सव और पूर्णिमा को होने वाली नवआवरण पूजा में सिर्फ शास्त्री ही होते हैं।

# MIDAS™
## THAI SPA

**Feel the Magic Touch**



**Relax and Allow your senses to be enlivened by the ancient healing art of massage.**

D-235 A, Hanuman Nagar, Amrapali Marg, Near Kotak Mahindra Bank
Vaishali Nagar, Jaipur-302021 (Raj.)
Ph.: 0141-5106663 • M.: + 91-98281 88021
Website : www.midasthaispa.com
E-mail : jaipurmidasthaispa@hotmail.com

/midasthaispa /midasthaispa

**Special Discount**
50%Discount for Maheshwari Ladies
and 25% Discount for Gent's

**COME AND SEEK HARMONY**

Inspired by ancient Indian healing wisdom, Midas believes that a spa unfolds a holistic path of life that opens out channels to nurture ones' life force. Midas Spas embrace a deep understanding of mind, body and spirit : their individual needs and interdependence.

Utmost in relaxation and pampering, we invite you to explore indulge, Our beautiful spa inspired by the distinctive look of Thailand, Full range of therapeutic massage treatments, and you'll be able your favorites for a truly relaxing experience. Also the spa is full time of world-class products, in keeping with the indulge spa focus on nature.

विज्ञापन

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# फैन्सी मुकुटवाला
# मालपानी मूर्तिवाला & पोशाक वाला

**सभी प्रकार की मार्बल मूर्तियाँ, बस्ट, स्टेच्यू,**
**भगवान की पोशाक एवं मुकुट श्रृंगार के विक्रेता**

खजाने वालों का रास्ता, दूसरा चौराहा, चाँदपोल बाजार, जयपुर-302002
अरविन्द मालपानी (मोनू) फोन : 9828213861 / 9887929660 ई-मेल : arvind.malpani2209@gmail.com

# दीपोत्सव : अप्प दीप भव :

■ विपश्यनाचार्य सत्य नारायण गोयनका

पर्व उत्सव की महानता को कभी भूलें नहीं, समाज में रहना है तो पर्व उत्सव सब मिलकर मनाने ही चाहिए। एक दीपावली का उत्सव होता है, अमावस्या की रात है, कहीं प्रकाश का नामोनिशान नहीं, काली अंधेरी रात चारों ओर और हमदीपक जलाते हैं, दीपक की माला खड़ी करते है यह बताने के लिए कि कितना ही अंधकार क्यों ना हो हम मनुष्य हैं, हमको अंधकार पर विजय प्राप्त करनी है, प्रकाश को सामने लाना है। क्या अंधकार है? गरीबी एक बहुत बड़ा अंधकार है। जिस समाज में जितने गरीब हैं उस समाज में उतना ही अंधकार है, जिस देश में जितने गरीब हैं उस देश में उतना ही अंधकार है। प्रकाश जागे! लक्ष्मी जी प्रकाश का ही स्वरूप है। पुराने जमाने में उन्हें लक्ष्मी जी भी कहते थे, श्री भी कहते थे!

पुरातन साहित्य में लिखा है कि श्री वैभव की देवी वैभव जागे, गरीबी दूर हो वैभव जागे, समृद्धि जागे, पर्व मनाने का यही महत्व है। पर वैभव ऐसा ना जागे कि तिजोरी में बंद हो जाए। लक्ष्मी कुछ लोगों की तिजोरी में बंद हो जाएगी तो समाज में गरीबी फैलेगी। दरवाजे खुले रहें, बहती गंगा निर्मला, बहता पानी निर्मला। एक ओर हम मेहनत, परिश्रम और ईमानदारी से धन कमाए, देश का धन बढ़ाएं। एक और वह बटे, लोगों में जाए, थोड़े से लोगों तक सीमित नहीं, केवल परिश्रम करने वाले के पास में नहीं, सभी लोगों में बटे तो गरीबी दूर हो। केवल दीपावली को लक्ष्मी जी की पूजा धूपबत्ती जला कर हम यह सोचे कि अब लक्ष्मी माता खुश हो जाएंगी, हमारे घर में उजाला ही उजाला कर देगी, धन-संपत्ति भर देगी। धन-संपत्ति कर्म के बल पर आती है यह नहीं भूलना चाहिए हम यह सोचे कि हमारे ऊपर किसी गुरुदेव की कृपा हो गई या किसी देवी की कृपा हो गई या हमारे संप्रदाय के पूज्य की कृपा हो गई, इसलिए हमारे घर में धन की वर्षा हो गई और जो मानते नहीं हैं उनके यहां गरीबी आ गई, यह पागलपन की बात है। अपने अनेक गुणों के प्रताप से घर में धन आता है और पुण्य हीन है तो गरीबी आती है तो पुण्य के बीज बोते जाइये अपने आप धन आएगा। धन बांटने से आता है जितना हम देते हैं वह बढ़ चढ़कर वापिस आता है, यह प्रकृति का नियम है और संग्रह करने से वह बढ़ जाए, ये पागलपन है। यह लक्ष्मी माता की अवमानना हैं, सम्मान नहीं करते हैं लक्ष्मी जी का सम्मान है, जो गरीब है तो धन का सम विभाग होता रहे, धन आना चाहिए बल्कि गृहस्थ के लिए बहुत आवश्यक है, लेकिन उसका सही उपयोग होना चाहिए।

एक पुरानी कथा के अनुसार एक धनी व्यक्ति जिसका व्यापार पूरे भारत व भारत के पड़ोस-पड़ोस के देशों में फैला हुआ है और उसके पास बहुत धन आता है, वह खुले हाथों से धन को बांटता भी है जहां-जहां उसका व्यापार है वहां उसका नियम है कि कोई भी भूखा ना सोए सभी को भोजन मिले तभी मेरे पास धन आना सार्थक हुआ। इसीलिए वह व्यापारी अनाथ पिंड कहलाया वह व्यक्ति भगवान के संपर्क में आया और उसे एक अनमोल धन प्राप्त हुआ मुक्ति का धन प्राप्त हुआ। मन की सभी चिंताओं को हर लेने वाली शीतलता शांति प्राप्त हुई, तो वह भगवान को अपने यहां निमंत्रण देता है, उनके लिए बहुत बड़े-बड़े महंगे पकवान बन माता है, धरती को करोड़ो की अशर्फियों से ढक देता है, उनकी देखभाल के लिए अनेकों को लगाता है इतना बड़ा दान क्यों? भारत की बड़ी नगरी श्रावस्ती मैं जब लोग देखेंगे, सभी तपेंगे तब कितना पुण्य प्राप्त होगा। धन का सार्थक प्रयोग हुआ तो किसी भी परिस्थिति में उतार-चढ़ाव में पुण्य का धन हमेशा उसके साथ रहेगा। भगवान ने ऐसे गृहस्थ को अग्र की उपाधि दी, वह अग्रपाल कहलाए। इसी प्रकार उनके वंशजों ने भी इसी परंपरा को कायम रखने के लिए दान पुण्य किए।

सदियों बाद सातवाहन वाले राजा के वंश में एक गरीब युवती का जन्म हुआ जो मेहनत करके कम वेतन में अपना गुजारा करती है लेकिन क्योंकि वह अग्रवंशी बेटी तो वह आधा रखती है आधा दान करती है यह बात जब राजा को पता लगती है तब वह आश्चर्यचकित होता है और वह उसे बुलाता है उसका तेज देखकर उसका धर्म देखकर वह इतना प्रभावित होता है कि वह उसे राजमहिषि बनाता है, उसे रानी बनाता है। इतिहास की घटना है दीया हुआ दान कहीं नहीं जाता है, अपने आप उसका फल भी आता है तो यह जो दीपोत्सव होता है यह केवल धन संग्रह करने का नहीं, बल्कि धन बांटने का भी हो और जो यह हम दीप जलाते हैं, जो अंधकार दूर होता है उसके साथ मन का अंधकार भी दूर हो। जो हम प्रार्थना करते हैं कि मन का अंधकार दूर हो और प्रकाश जागे तो अंधकार दूर करने के लिए खुद ही जागना होगा, मन का अंधकार दूर होते ही पूरी दुनिया प्रकाश ही प्रकाश दिखाई देगा !

## जिसने मन का दीप जलाया, उसने जग को उजला पाया

प्रकाश से अंधकार की ओर जाने वाले और अंधकार के अंधकार की ओर जाने वाले मूर्ख है और जो प्रकाश की ओर जा रहे हैं वह आर्य बन रहे हैं। यह बात समझने की है कि अंधकार से अंधकार की ओर जाने वाला अपने जीवन में दुख व्याकुलता और परेशानियों के होते हुए भी अपने आगे के समय के लिए और अंधकार पैदा कर रहा है। अपने पूर्व कर्मों का आंकलन करने के बजाय दूसरों को दोष देता है और प्रकाश से अंधकार की ओर जाने वाले लोग अपने वर्तमान समय में प्राप्त सभी उपलब्धियों का घमंड करते हैं और दूसरे लोगों को हीन भावना से देखते हैं, घृणा करते हैं और अंधकार से प्रकाश की ओर जाने वाले अपने दोषों को, अपनी गलतियों को सजग होकर दूसरों को दोष देने के बजाय अपने आपको दोषी मानकर आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं और प्रकाश से प्रकाश की ओर जाने वाले लोग समझते हैं कि जो भी उपलब्ध किया है वह पुण्य कर्मों से पाया और मुझे अभी भी और पुण्य कमाना है और अच्छे काम करने हैं ताकि मेरे आगे वाले समय में भी प्रकाश बना रहे, जो भी प्राप्त किया उसे संग्रह करने के बजाए मैं बाटता चलूं, औरों का भला भी करूं, तो मन में प्रज्ञा का भाव जागता है।

हमें जैसे कर्म करनी चाहिए जिससे जीवन में प्रकाश बना रहे। भगवान बुद्ध के अंदर प्रकाश जागा। पहले उन्हें धर्म का ज्ञान नहीं था, पर जब अपने पुण्य कर्मों से उनके अंदर प्रकाश जागने लगा तब उन्होंने सही में धर्म को पाया, उनके भीतर प्रज्ञा का भाव जागाए आलोक जागा। परिश्रम और कड़ी मेहनत से ही मन में प्रकाश जागता है, किसी की कृपा से नहीं जागता। अगर किसी की कृपा से जागता तो वह व्यक्ति सामर्थ्यवान नहीं है, कारुणिक नहीं है, अपने उत्तरदायित्व को पूरा करके ही मन में प्रकाश जागता है।

प्रकाश का यह पर्व मनाते मनाते हमें एक और चीज का ध्यान रखना है कि प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण जिससे वातावरण को नुकसान पहुंचता है, बच्चों में घबराहट होती है, पशु पक्षियों में घबराहट होती है, जिससे दूसरों को दुख पहुंचता है, ऐसा हमें नहीं करना है। हमने सभी में प्रसन्नता फैलानी है और इन सभी विकारों को दूर करना है, तभी सबका मंगल होगा, कल्याण हो स्वस्थ होगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया,
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुख भागभवेत।

# शुभ दीपावली

**गिरिराज प्रसाद मोदानी**
(उपाध्यक्ष जनोपयोगी भवन 'अभिनन्दन')
गत् 40 वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय
9460003699

मोदानी परिवार की ओर से

# दशहरा एवं दीपावली

## की हार्दिक शुभकामनाएँ

एम-82, महेश कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

# ससुराल जनकपुर में दूल्हा राम के रूप में पूजे जाते हैं श्रीराम...जमाई जैसा सत्कार

**60 वर्षों से जारी है अखंड सीताराम महायज्ञ, 16 लोगों की मंडली करती है अखंड जाप**

पूरी दुनिया में श्रीराम को राजा राम की तरह पूजा जाता है...मगर उनके ससुराल जनकपुर धाम में उनकी पूजा दूल्हा राम के रूप में होती है। मिथिला के राजा जनक की पुत्री सीता से जब श्रीराम का विवाह हुआ था तब वह अयोध्या के युवराज थे। अत: यहां मंदिर में विराजमान श्रीराम 18 वर्ष के और सीता 16 वर्ष की हैं। चूंकि राम मिथिला के जमाई (स्थानीय भाषा में पाहुन) हैं अत: मिथिला की प्रसिद्ध आतिथ्य सत्कार की परंपरा का पालन करते हुए आज भी यहां श्रीराम को दिन में 5 बार भोग लगता है। जनकधाम में सिर्फ राम के चारों पहर के भोजन के लिए 6 पुजारियों और 8 रसोइयों की टीम लगी हुई है। यह भोग प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को दिया जाता है। साधु-संतों और गरीबों के लिए भंडारा भी लगाया जाता है, जिसमें हर रोज 200 लोग भोजन करते हैं। मुख्य महंत राम तपेश्वर दास बताते हैं कि प्रात: दामाद के उठते ही खीर का भोग लगता है। इसके बाद सुबह के नाश्ते को बाल भोग कहा जाता है। इसमें दही, चूड़ा, मिठाई परोसी जाती है। इसके बाद दोपहर में पाहुन को मुख्यत: 56 या 106 प्रकार के व्यंजन तैयार कर परोसे जाते हैं। इसे राज भोग कहते हैं। संध्या के समय फल भोग परोसा जाता है। फिर रात्रि में राज भोग परोसा जाता है। मंदिर के मुख्य रसोइया राम नगेंद्र मिश्रा ने बताया कि विभिन्न भोग में 3 लाख रु. प्रति माह खर्च होता है। मंदिर में हर वर्ष दीपावली पर विशेष सजावट की परंपरा रही है। 2019 में यहां 1.25 लाख दीपों से सजावट की गई थी। इस

बार कोरोना महामारी के चलते नेपाल में श्रद्धालुओं की संख्या कम है, मगर मंदिर को इस बार भी सजाया गया है।

1961 में जनकपुर में अकाल की स्थिति बन गई थी। उस समय जनकधाम में अखंड श्री सीताराम महायज्ञ की शुरुआत की गई थी। यह महायज्ञ आज भी लगातार जारी है। कोरोना जैसी महामारी में भी यह महायज्ञ जारी रहा। कुल 16 व्यक्तियों की मंडली अलग-अलग शिफ्ट में सीताराम महायज्ञ जारी रखती है। इन्हें मंदिर प्रबंधन भोजन, घर, वस्त्र और मासिक मानदेय देता है।

## दीपावली पर केले के पेडों से सजाते हैं घर-दुकान....

जनकपुर में दीप उत्सव के दिन सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के आगे केले के पेड़ की सजावट करते हैं। स्थानीय इम्पोरियम संचालक निरंजन केडिया बताते हैं कि यहां 12 हजार से अधिक दुकानें हैं। लोग दुकानों पर 6 से 8 पेड़ से सजावट करते हैं। दीपावली पर एक पेड़ 500 से 1000 रुपए का बिकता है। हर साल इस मौके पर 5 से 8 करोड़ रुपए के केले के पेड़ बिक जाते हैं।

## गर्भगृह में राम-सीता की 3 जोड़ी मूर्तियां, राम विवाह की झांकी अलग

मुख्य पुजारी के मुताबिक गर्भगृह में राम-सीता के तीन जोड़ी विग्रह हैं। एक जोड़ी विग्रह स्वयं प्रकट हुई थी। दूसरी जोड़ी मंदिर बनवाने वाली टीकमगढ़ की महारानी और तीसरी जनकपुर के राजा माणिकसेन ने विराजित करवाई। मंदिर परिसर में राम-सीता विवाह मंडप भी है।

# दीपावली

## की हार्दिक शुभकामनाएँ

महावीर प्रसाद नोवाल (माहेश्वरी)

## हर परिवार के लिए हमारा सपना
## सिर पर हो छत अपना

Flats

Farm House

House/Villa

Shop

केता, विकेता एवं कमीशन एजेंट

# श्री बजरंग प्रोपर्टीज

दुकान नं. 21, ग्रीन पार्क के सामने, राजेश कोच, आगरा रोड़ , जयपुर

फोन नं. 9314922472, 9414322472

इस दीपावली

# मन की सफाई विपश्यना से

## सजातीय बन्धुओं द्वारा विपश्यना ध्यान के अनुभव

जगत के आध्यात्मिक गुरु भारतवर्ष में अनेक महान संत, ग्रंथ व पंथ हुए हैं। सभी एक दूसरे से पृथक रहते हुए भी प्रभावित रहे। कारण कि शाश्वत सत्य व मूलभूत सिद्धांत एक ही है। फिर कौन किस की छाया में है, कहना कठिन है।

श्रीमद्भागवत गीता भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन के माध्यम से जीव मात्र को जीवन जीने की कला सिखाने का महान ग्रंथ है। जड़ -चेतन की भिन्नता, शरीर व संसार (जड़) की समानता, शरीरी व परमात्मा (चेतन) की अभिन्नता के पाठ के साथ राग-द्वेष छोड़ते हुए चेतन स्वरूप की ओर चलने व परमात्मा को प्राप्त करने का पाठ हमें गीता सिखाती है। श्री कृष्ण के अमर उपदेश को विपश्यना आत्मसात करती है और सुखद-दुखद संवेदनाओं में सम रहने की शिक्षा देती है। आना-पान के माध्यम से सांसों को देखते हुए एकाग्रता का आह्वान करती है।

स्थितप्रज्ञ व आत्मकेंद्रित बनने की इससे अच्छी विधि भला और क्या हो सकती है? अत: गीता के सार्वजनीन उपदेश विपश्यना के माध्यम से व्यावहारिक रूप में क्रियान्वित करने की विधि हैं। इसका लाभ हमें स्वयं को खोजने व मानव जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य प्राप्त करने में मिलता है। वर्ष 2018 में पुष्कर केंद्र पर 10 दिवसीय शिविर में विपश्यना का अभ्यास करके मुझे तो यही अनुभूति हुई है।

**दीपक माहेश्वरी,**

पूर्व न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय

* * *

### भगवद्गीता - विपश्यना की छाया में

भगवद्गीता के नाम से अनायास मानस पटल पर भगवन श्री कृष्ण के श्री मुख से बोले वचन याद आ जाते हैं तुम क्या साथ लाये थे और क्या साथ ले जाओगे! तुम तो निमित्त मात्र हो तो क्यों व्यर्थ ही चिंता करते हो! भगवान ने स्वयं कहा है की जो योगी दु:ख-सुख, हर्ष-शोक, और लाभ-हानि में सम रहता है स्वयं राग-द्वेष से परे है वह मुझे अतिप्रिय है। लेकिन इस संसार में रहते हुए सब कुछ जानते हुए भी हम परिस्थितियों वश विचलित हो जाते है। समता भाव व साक्षी भाव में रहने की कला को जीवन में उतार सके इसके लिए विपश्यना पद्धति को मैंने बिलकुल उपयुक्त पाया है।

यह पद्धति लगभग 50 वर्ष पूर्व पूज्य गोयनका जी बर्मा से लाये थे। जागरूक रहकर यथावत सत्य को देखना ही विपश्यना है। यह पूर्णत वैज्ञानिक विधि है जिसमे साक्षी भाव से स्वयं की श्वास को देखते-देखते मनुष्य भलीभांति जान जाता है कि हर क्षण परिवर्तनशील है और परिवर्तन ही संसार का नियम है। इसके नियमित अभ्यास से हम दैनिक जीवन में एकाग्रता से काम कर सकते हैं एवं विषम से विषम परिस्थितियों को भी अपने मानसिक संतुलन से संभाल सकते है।

**प्रीति बाहेती**

पूर्व अध्यक्ष एवं चेयरपर्सन, नोर्थ जोन
एकल वन बंधु परिषद

## सुखी जीवन जीने की कला
## विपश्यना साधना :

विपश्यना आध्यात्म की एक ऊँची साधना है एवं भारत की एक अति प्राचीन एवं सार्वजानिक ध्यान साधना विधि है। यह आत्मनिरीक्षण द्वारा आत्मशुद्धि करने की अनमोल विधा है साथ ही जीवन के तनावों से संत्रस्त चित्त को शांति प्रदान करती है! विपश्यनाचार्य श्री सत्यनारायण गोयनका तथा उनके सहायक आचार्यों के मार्गदर्शन द्वारा भारत एवं विश्व के अनेक देशों के विपश्यना केन्द्रों पर विपश्यना साधना सिखने का लिए दस दिनों के मौन आवासीय ध्यान शिविरों का आयोजन वर्षभर किया जाता है।

यह साधना विधि मन के मैल को दूर करती है। क्रोध, द्वेष, घृणा, अहंकार, लोभ आदि विकारों के कारण लोग दु:खी रहते हैं, विपश्यना इन्हें दूर करके मैत्री, करुणा, सद्भावना, और परस्पर भाईचारे का स्वभाव जगाती है जिससे आदमी सुख और शांति का जीवन जीने लगता है। यह लाभ इसलिए होता है क्योंकि साधक प्रकृति के नियमों का (सच्चे अर्थ में शुद्ध धर्म का) निज अनुभव से सीधा परिचय कर पता है। आचार-व्यवहार में परिवर्तन लाने, मानसिक तनाव से मुक्ति पाने और अपने कर्त्तव्यों और दायित्वों का निर्वाह करते हुए करूणा, समता, सत्यनिष्ठा तथा चरित्र निर्माण सरीखे सद्गुणों को बढ़ाने के लिये यह विधि अत्यन्त कारगर पाई गई हैं।

इस पावन वैज्ञानिक विधि का किसी भी संप्रदाय से कुछ लेना देना नहीं हैं। इसका अभ्यास हर कोई कर सकता हैं, भले ही वह किसी भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय या राष्ट्र का हो। इस विधि से हर प्रकार के लाखों लोगों को लाभ हुआ है। वर्तमान में यह पूरे विश्व के 110 देशों के 350 से अधिक विपश्यना केन्द्रों पर 90 भाषाओ में नि:शुल्क सिखलाई जा रही है, जिसमें प्रतिवर्ष 4 लाख से अधिक लोग लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

10 दिवसीय शिविर अपने अन्तर्मन की गहराईयों तक जाकर विकारों से मुक्त होने की कला सीखने का एक दुर्लभ अवसर हैं। जहाँ साधक-साधिकाओं के रहने, खाने-पीने और साधना सिखने के लिए कोई मूल्य नहीं देना पड़ता! शिविरों का एवं सभी अन्य कार्यक्रमों की व्यवस्था पुराने साधकों के कृतज्ञ सेवाभाव एवं सहयोग से की जाती है।

**आवेदन व अन्य जानकारी के लिए :**

ग्लोबल वेबसाइट : www.dhamma.org
विपश्यना केंद्र जयपुर : www.thali.dhamma.org
संपर्क: 9829165666

QR Code

विपश्यना का अभिप्राय है कि जीवन में जो भी मिला उसे सहज रूप में स्वीकार करना है लेकिन यह कैसे हो? जब हम विपश्यना मैडिटेशन कोर्स करे तो यह संभव है।

मुझे अपने विपश्यना के 10 दिन के कोर्स में हर दिन लगा जैसे आम जिंदगी में हम दूसरों की कमजोरियों या बुराइयों को देखने में समय नष्ट कर देते हैं, हमे विपश्यना से सकारात्मक सोच व ईमानदारी के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है, जब हम सकारात्मक हो जाते हैं तब हमारे चारों ओर वातावरण भी सकारात्मक बन जाता है। हम आज तक जीवन के हर पहलू को ऊपर से देख रहे थे, इस विधि ने अब हमें अंतरआत्मा की गहराई देखना सीखा दिया ।

जब हम 10 दिन मौन रहकर दिन भर आती-जाती साँसों को महसूस करने लगते हैं तब हमारा मन हमारा अच्छा मार्गदर्शक हो जाता है। पहले जो क्रोध बहुत आता था, धीरे-धीरे कम होने लगता है। आपको अपनी गलतियों का तुरंत अहसास होने लग जाता है और जो जैसे है वैसे ही स्वीकार करने की भावना आने लगती है।

**मधु मालू**

समन्वय माहेश्वरी महिला क्लब

* * *

विपश्यना एक ध्यान साधना जिसमें मैंने खोया है- क्रोध, चिंता, अफसोस, असुरक्षा, बुढ़ापे का डर और मृत्यु जो निश्चित है। घर परिवार की जिम्मेदारियों के बीच रहकर 10 दिन का एक अविस्मरणीय अनुभव रहा जिसमें मन को बहुत सुख-शान्ति और सुकून प्राप्त हुआ।

हमने सीखा अपने अंदर कि शक्ति से उजागर होना, जहां शुरू के चार दिनों तक मन बहुत विचलित और घबराया हुआ सा था, पर जब हमने हमारे प्रेरणा स्रोत गोयनका जी के रोज के प्रवचन सुने- तब उन्होंने अच्छे से समझाया कि इस मन का काम हैं भटकना, किसी ना किसी बात में उलझाये रखना- साथ ही हम एकांत में मौन रहकर अपने आप को जानने का विधिवत अभ्यास करते हैं और हमारा मन अपने आप शांत होता चला जाता हैं।

विपश्यना सभी सम्प्रदायों से परे एक ऐसा सच्चा धर्म हैं जिसमें अपने आप से परिचित होकर, नियति के अनुसार सुख और दु:ख को सहने की शक्ति, भटके हुए मन को सकारात्मक दिशा मार्ग और हर परिस्थिति में अपने आत्मबल को मजबूत करने की निरंतर प्रेरणा मिलती है।

अंत में विपश्यना का उद्देश्य- हम सभी को अपने कर्म संस्कारों के अनुसार जीवन व्यतीत करना होता है, अत: जितना हम कुदरत के नियमों को अनुभव कर अपना आचरण सुधारते रहते हैं, वही बंधें-बंधाये नियमों के अनुसार हमारे जीवन को पहले से अधिक सुखी और सकारात्मक बनाता हैं। सबका मंगल हो!

**इन्द्रा माहेश्वरी**

माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर

दिसंबर, 2019 में मुझे अपने पुत्र, पुत्रवधू व पिताजी के साथ पहली बार मुम्बई के बोरीवली स्थित ग्लोबल पगोडा के एक्जीक्यूटिव सेन्टर में विपश्यना करने का अवसर मिला। वह 10 दिन का समय मेरे लिए अनमोल था, उन 10 दिनों की मेडिटेशन ट्रेनिगं से मुझ में बहुत परिवर्तन आया। कोर्स खत्म करने के बाद बाहर निकली तो सभी ने मुझे कहा कि मेरे चेहरे पर एक अलग चमक आई है और मैं पहले से यंग दिख रही हूँ। सच ही कहा हैं कि चेहरा हमारे मन का दर्पण हैं। मेरे मन में बहुत शांति आई। मेरा सारा डर निकल गया और शरीर में जो भी छोटी-मोटी तकलीफें थीं वह भी सब ठीक हो गई स मैं पहले से ज्यादा एनर्जेटिक और एक्टिव हो गई। मेरे काम करने की क्षमता बढ़ गई और लोगों से मेरे बहुत मधुर संबंध हो गए। मेरा गुस्सा बिलकुल खत्म हो गया।

मेरे शरीर और मन में बहुत परिवर्तन आ रहा है जिसे मैं साफ अनुभव कर पा रही हूँ। विपश्यना साधना विधि के प्रति कृतज्ञ भावों के साथ मेरा सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि कम से कम एक बार जीवन के 10 बहुमूल्य दिन निकाल कर विपश्यना शिविर ज्वाइन करें। मैं अपने अनुभव के आधार पर कह सकती हूँ कि इससे आपके भी जीवन में बहुत ही सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

**सुनीता माहेश्वरी साबू,** हैदराबाद
टीचर ऑफ स्पिरिचुअल हीलिंग और टैरो रीडिंग

* * *

## युवाओं के उद्गार

विपश्यना का अनुभव मेरे लिए बहुत ही स्वतंत्र और मुक्त करने वाला अनुभव था। मैंने विपश्यना के दो 10 दिवसीय शिविर किए है और इसके बाद मुझे जिंदगी और अधिक स्पष्ट महसूस होती है। विपश्यना को अपने मन पर काबू पाने का सबसे परिष्कृत तरीका माना जा सकता है। विपश्यना में जब हम अपने मन को अपने सांसों पर और बाद में अपने शरीर पर महसूस होने वाली संवेदनाओ पर स्थिर रखते हैं, तब हमें एहसास होता है की मन कितना चंचल है और किस तरह हम पूरी तरह से अपने मन के वश में है। जैसे जैसे हम विपश्यना में आगे बढ़ते हैं, हमे एहसास होता है की हम अपने मन से अलग है और जिंदगी में प्रगति करने के लिए अपने मन पर काबू पाना कितना आवश्यक है। मन और खुद में थोड़ी दूरी बनाने से चीजे और साफ-साफसमझ आती है और जिंदगी जीने के मायने बदलने लगता है। विपश्यना का सबसे बड़ा लाभ जो मुझे मिला है वो यह है कि मेरा गुस्सा और चिंता का स्वभाव पहले से बहुत कम हुआ है। सबका मंगल हो।

**केशव सारडा,**
वाइस प्रेसिडेंट, ओरिएंट टैक्सटाइल मिल्स, जयपुर

* * *

सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री में एक कहावत है ''जो आप नाप नहीं सकते, उसे आप सुधार नहीं सकते। हमारे जीवन पर भी यही कहावत लागू है'' जो हम देख या अनुभव नहीं कर सकते, वह हम बदल नहीं सकते।

हमारे पूरे जीवन को हमारा मन ही चलता है, और हमें इसका एहसास भी नहीं होता। ऐसा कितनी ही बार होता है कि हम नहीं चाहते हुए भी अनायास ही कुछ कर बैठते हैं। भगवत गीता के छटे अध्याय में श्री कृष्ण कहते हैं : जिसने अपने मन को जीत लिया, उसके मन से बड़ा उसका कोई मित्र नहीं, और जिसका मन उसके वश में नहीं, उसके मन से बड़ा उसका कोई शत्रु नहीं।

विपश्यना एक ऐसी विद्या है जो हमारे अंतस् पर बंधी पट्टी को खोल देती है ताकि हम जागृत होकर जीवन जी पाएं।

**आदित्य सोमानी,** भीलवाड़ा
सॉफ्टवेयर इंजीनियर

* * *

"Bhagwat Gita talks about Dharm. And not many people understand what Dharm means. Even if they do, there is no practical way that they can use and establish themselves on the path of Dharm, on the path of truth.

This is what my Vipassana experience taught me a significant concept. There is no way for me to put myself on the path of Truth, until I really know what's happening inside me much more than what's happening outside me.

It taught me that I have the ability and the power to observe my own feelings, my thoughts, my sensations. This is immensely empowering and I truly believe each one of us must give ourselves the opportunity to experience our inner truth and only after that, we can follow the path of Dharma."

**Nivedan Rathi,**
Real Estate Consultant, Jaipur

* * *

I was 19 years old when I attended my first vipassana session, which was one of the best decisions of my life.

Benefits of vipassana were not limited to increasing concentration in studies but I got to learn much more than that and has completely changed my perception about life. This technique really helped me to learn to be in present and not just wandering about future or cribbing about past.

Also, most of us tend to think that meditation stuff is only for old and outdated people. However, let me just draw your attention to some of the famous personalities who practise vipassana: Jack Dorsey (Twitter CEO), Yuval Noah Harari (Author of the Sapiens fame ), Kiran Bedi, Arvind Kejriwal, Priyanka Gandhi and the list goes on. I know taking out time from your busy schedule to attend this session is not that easy, however I can assure you that this will be worth it and would change your lives positively, please give it a try.

**Swati Sarda,**
Chartered Accountant

■■

# ECMS की पहल सभी शिक्षण संस्थाओं में विपश्यना की पहली कड़ी आनापान ध्यान के अभ्यास की होगी शुरुआत

### राजस्थान की निजी शिक्षण संस्थाओं के इतिहास में इस अनूठी पहल से करीब 23 हजार विद्यार्थी और नौ सौ से अधिक शिक्षक होंगे लाभान्वित

ईसीएमएस और सदसंस्कार समिति के संयुक्त तत्वावधान में विपश्यना ध्यान के महत्व पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एमपीएस, जवाहर नगर में आयोजित इस कार्यक्रम का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण किया गया, जिसे हजारों लोगों ने देखा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी श्रीमती रेखा गुप्ता थीं।

ईसीएमएस के चेयरमैन प्रदीप बाहेती ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से शिक्षकों, अभिभावकों के लिए इस उद्देश्य से आयोजित किया गया है कि वे पहले स्वयं विपश्यना के अभ्यास की पहली कड़ी आनापान के बारे में जाने और बाद में बच्चों को इस इस पद्धती का अभ्यास करवाएं। बाहेती ने कहा कि इससे बच्चों में एकाग्रता बढ़ेगी और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की सभी शिक्षण संस्थाओं में शीघ्र ही सुबह की प्रार्थना के समय प्रतिदिन दस-दस मिनट इसका अभ्यास कराया जाएगा।

प्रदीप बाहेती ने शिक्षकों को विपश्यना के दस दिवसीय कोर्स में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वे स्वेच्छा से इसमें भाग ले सकते हैं, इसके लिए उनका कोई वेतन नहीं काटा जाएगा। उन्होंने कहा कि आनापान के प्रारंभ होने पर शिक्षण संस्थाओं के करीब 23 हजार विद्यार्थी और नौ सौ से अधिक शिक्षकगण इससे लाभान्वित हो सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान विपश्यना पद्धति के प्रमुख आचार्य एस.एन. गोयनका की वीडियो रिकार्डिंग का भी प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि आज सभी को कोई न कोई दु:ख है, अभाव वाले भी दु:खी हैं और सुख समृद्धि वाले भी दु:खी हैं। विपश्यना उन्हे दु:खों से मुक्ति दिलाने में सहायक सिद्ध होती है। विपश्यना के निरंतर अभ्यास से सुख शांति की प्राप्ति होती है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि बच्चों को संस्कारित करने की जिम्मेदारी माता-पिता व शिक्षकों पर होती है। इसलिए उन्हें चाहिए कि पहले वे खुद विपश्यना का अभ्यास करे और बाद में बच्चों को संस्कारित करें। उन्होंने कहा कि इससे तनाव से मुक्ति मिलती है, क्रोध पर नियत्रंण होता है, श्रीमती गुप्ता ने विपश्यना कोर्स में भाग लेने के अपने अनुभव भी सुनाए।

कार्यक्रम के संयोजक दिनेश मालपानी ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में विपश्यना की बहुत ही जरुरत है। इसके अभ्यास और अनुभव से माहेश्वरी समाज की सभी स्कूलों में सभी विद्यार्थी एवं शिक्षकगण संतुलित जीवन जी सकेंगे। मालपानी ने बताया कि भारत ही नहीं विश्व के सभी केन्द्रों पर विपश्यना के सभी शिवरों में रहने खाने और इस अनमोल विद्या का कोर्स पूर्णत: नि:शुल्क है। सभी शिवरों का संचालन पुराने साधकों के स्वेच्छा सहयोग से होता है। कार्यक्रम में विपश्यना के सह-आचार्य सुरेश खन्ना, ईसीएमएस के महासचिव नटवरलाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष नटवर सारडा, माहेश्वरी समाज के महामंत्री गोपाल लाल मालपानी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

**दिवाली** में व्यस्तता के कारण अनियमित खानपान और व्यायाम न करने का असर हमारी सेहत पर पड़ता है। क्योंकि दिवाली पर न चाहते हुए भी मिठाई अधिक और दिनचर्या अनियमित हो जाती है। जानते हैं किन बातों का ध्यान रखें तो हैप्पी और हैल्दी दीपावली होगी।

## इन बातों का ध्यान रखकर

# मनाइए हैल्दी दीपावली

### फ्रूट्स आइटम सर्व करें

**अधिक** मीठा न हो इससे बचने के लिए फ्रूट्स का इस्तेमाल ज्यादा करें। इससे ब्लड में शुगर लेवल संतुलित रहता है। नेचुरल शुगर मिलती है। ग्लाइसिमिक इंडेक्स बढ़ता नहीं है। इसमें फाइबर अधिक होता है। फाइबर अधिक होने से पाचन अच्छा रहता है। इसके अलावा इस त्योहार पर स्वीट्स की जगह फ्रूट्स गिफ्ट करें। इससे कई आइटम्स भी बना सकते हैं।

### पानी अधिक पीएं

**लिक्विड** अधिक लेने से यूरिक एसिड का लेवल बैलेंस रहता है। टॉक्सिक तत्व बाहर निकलते हैं। पानी, छाछ, नींबू या नारियल पानी खूब लेना चाहिए। विटामिन सी वाली चीजें भी लें। यूरिक एसिड बढ़ने के कारण मीठा खाने की इच्छा अधिक होती है।

### अल्टरनेटिव पर फोकस

**दिवाली** पर पहले लोग मिठाइयों की जगह सूखे मेवों का इस्तेमाल करते थे लेकिन कुछ सालों में मिठाइयों का चलन बढ़ा है जो सेहत के लिए ठीक नहीं है। इसलिए अधिक से अधिक मौसमी फलों और घर पर बनी मिठाइयों का प्रयोग कर सकते हैं।

### होम मेड फूड ही खाएं

**फेस्टिव** सीजन में बाहर की चीजें खाने से बचें। इनमें न केवल मिलावट बल्कि स्वाद बढ़ाने के लिए ज्यादा फैट और शुगर मिलाया जाता है। सिंथेटिक मावा और मिल्क भी नुकसादायक है।

### सूखे मेवे की मिठाइयां

**गुड़** के पाग में काजू, बादाम, अखरोट या फिर दूसरे मेवों को डालकर बना सकते हैं। इसे अच्छे से सर्व करें। यह स्वादिष्ट व सेहतमंद भी होगा। शहद में ड्रायफ्रूट्स को लपेट का फ्रिज में रख दें। इसे हैल्दी कैंडी के रूप में भी सर्व कर सकते हैं।

### भरपूर मात्रा में लें दही

**दही** खाना फायदेमंद होता है। इसे योगर्ट, फ्लेवर्ड दही, रायता, श्रीखंड, फ्रूट्स के साथ स्मूदी भी बना सकते हैं। दीपावली पर मेहमानों को सर्व करें। दही नेचुरल प्रोबायोटिक्स है। जीआई फ्लोरा ठीक रहने से पाचन अच्छा रहेगा। एसिडिटी नहीं होगी।

### बॉडी सिस्टम ठीक रखें

**ज्यादा** व्यस्तता और थकान के कारण लोग एक्सरसाइज छोड़ देते हैं जिससे इस दौरान वजन बढ़ जाता है। आप ऐसा न करें। अगर जिम नहीं जा सकते हैं तो कम से कम 20-30 मिनट की वॉक जरूर करें। इससे बॉडी सिस्टम सही रहता है।

### ओवर इटिंग से बचें

**फेस्टिव** सीजन में हर कोई खाने के लिए रिक्वेस्ट यानी मनुहार करता है। सबको मना करना संभव नहीं होता है। ऐसे में कम खाएं। अच्छा होगा कि घर से खाकर निकलें। पेट भरा रहता है तो बाहर खाने की इच्छा नहीं होती है। इससे ओवर इटिंग नहीं होगी।

### सब्जियों का सूप लें

**फेस्टिव** सीजन में सब्जियां कम खा पाते हैं। इससे मिलने वाले विटामिंस और मिनरल्स नहीं मिलते हैं। इसलिए सब्जियों का सूप बनाकर सर्व करें। इस मौसम में खूब हरी सब्जियां आती हैं। सूप एक हैल्दी ऑप्शन है। इसके लिए ब्रोकली, लाल, पीली सब्जियां शामिल कर सकते हैं। ब्रोकली-अल्मंड सूप बना सकते हैं। मिक्स सूप में रेग्युलर मसाले की जगह दालचीनी का फ्लेवरिंग दे सकते हैं। दालचीनी से ब्लड प्रेशर और डायबिटीज कंट्रोल रहता है। नियमित सूप लेने से शरीर को डिटॉक्स भी करता है। कई तरह के सूप बनाकर सर्व कर सकते हैं।

### इनका जी रखें ध्यान

**खाने** की चीजें जैसे पनीर, दूध, खोया आदि खरीदते हैं तो पैकेट वाले ही लें। साधारण की जगह जौ, बाजरे, मक्के के आटे को गेहूं के आटे के साथ मिक्स कर लें।

# "जीवन बीमा एजेन्सी-एक सुनहरा व्यवसाय"

- यदि आप अपने बॉस स्वयं बनना चाहते हैं।
- यदि आप पार्ट टाइम/फुल टाइम जॉब करना चाहते हैं।
- यदि आप अधिक धन, कम्प्यूटर, मकान, गाड़ी आदि चाहते हैं।

**तो LIC के अभिकर्ता (Agent/Advisor) बनकर भारत के सबसे बड़े बीमा संस्थान के साथ जुड़िए**

## उत्साही एवं ऊर्जावान युवक-युवतियों के लिए अपने सपने साकार करने का सुनहरा अवसर

## C A PROFESSION के व्यक्तियों हेतु विशेष अवसर

**योग्यता**
न्यूनतम आयु - 18 वर्ष
10वीं (X) कक्षा उत्तीर्ण

अब LIC अभिकर्ता बनना बहुत ही आसान

- LIC की पॉलिसियों पर अत्यन्त आकर्षक कमीशन को प्राप्ति
- काम एक बार, कमीशन बार-बार
- LIC Agents का Exam Pass करना अत्यन्त आसान

**LIC की एजेंसी के लिए आवश्यक दस्तावेज (Documents)**
1. 10वीं कक्षा की मार्कशीट
2. Pan Card
3. आधार कार्ड
4. Cancelled चैक/ Passbook Copy
5. 3 Photo
6. Fees

**LIC Agency लेने की सुगम प्रक्रिया**

Form भरना → 1 घण्टे का Online Exam. → तुरन्त LIC Agency

Online Exam में 50 वस्तुनिष्ठ प्रकार (Objective Type) के प्रश्न आएंगे।
उनमें से केवल 17 प्रश्न सही होने चाहिए।
नेगेटिव मार्किंग (Negative Marking) नहीं है।
तैयारी के लिए 250 प्रश्नों की एक पुस्तक (Booklet) पढ़ने के लिए दी जाएगी।

## LIC अभिकर्ता बनने के लिए सम्पर्क करें

जयपुर शहर में कार्यरत एकमात्र माहेश्वरी बंधु विकास अधिकारी (DO, LIC) से


**कमल कान्त माहेश्वरी**
विकास अधिकारी (Dev. Officer) LIC OF INDIA
**M. 9166218465**


LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA


ऑफिस-A-11, SSO, गणपति पैराडाइज, सेन्ट्रल स्पाइन, विद्याधर नगर, जयपुर
Unit-III, भवानी सिंह रोड़, नियर विधानसभा, जयपुर


**नोट - आप अपना नाम व पता SMS या Whatsapp भी कर सकते हैं।**

इंडोनेशिया

# दीपावली पर 30 दिन का व्रत रखा जाता है

मंदिर में भगवान के दर्शन से शुरुआत, 20 हजार मंदिरों में दीपावली अनुष्ठान

भले ही मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया में हिंदुओं की आबादी 2% से कम है। लेकिन राम और शिव यहां की संस्कृति में रचे-बसे हुए हैं। यहां हर तीज-त्योहार वैसे ही मनते हैं, जैसे भारत में मनाए जाते हैं। यहां बाली, सुमात्रा और सुलावेसी, पश्चिम पापुआ में दीपावली प्रमुख पर्व है। दीपावली के लिए अनुष्ठान 30 दिन पहले शुरू हो जाते हैं। लोग 30 दिनों तक व्रत रखते हैं। हालांकि अब इस परंपरा को कुछ ही लोग निभाते हैं। सुमात्रा के मेदान में रहने वाले डी. सुरेश कुमार बताते हैं कि 30 दिनों का यह व्रत आत्म नियंत्रण, खुद की खोज, अपनी कमियों को सुधारने और दीपावली से नई शुरुआत के रास्ते खोलता है। इन 30 दिनों में हम घरों को सजाते हैं। रंग-रोगन करते हैं। दीये जलाते हैं। दीपावली की सुबह स्नान करके सपरिवार मंदिर जाते हैं। परिचितों और दोस्तों के घर जाते हैं। रात्रि पूजन के बाद माता-पिता और बुजुर्गों के पैर छूते हैं। अहम् को दूर करने के लिए क्षमा मांगते हैं। आतिशबाजी का भी चलन है। इटली के घुमक्कड़ लेखक वर्थीमा ने 1502 से 1508 के बीच दक्षिण एशिया का दौरा किया था। उन्होंने यात्रा वृत्तांत में भारत के विजयनगर की तरह सुमात्रा द्वीप में भी आतिशबाजी का उल्लेख किया है। यहां कुछ जगहों पर दीपावली अधर्म पर धर्म की जीत के तौर पर मनाया जाता है। स्थानीय भाषा में इसे गलुंगन कहते हैं। यह पर्व हर 210 दिन पर पड़ता है। यहां हिंदुओं का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र जावा के योगाकार्ता शहर स्थित प्रम्बनन मंदिर है। 850 ईस्वी में बना यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में है। यहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश के मंदिर हैं। इसे संजय वंश के शासक रकाई पिकातन ने बनवाया था। इसी मंदिर का पुराविष्ट एंफीथियेटर रोजाना होने वाले रामायण मंचन के लिए मशहूर है। 1976 से यहां हर रोज रामायण का मंचन होता है। यह दुनिया का सबसे लंबे समय से चलने वाला स्टेज शो भी है। प्रतिभागी से लेकर दर्शक तक में बड़ी तादाद में मुस्लिम समुदाय भी हिस्सा लेता है। सीता के पिता जनक का किरदार करने वाले अली नूर बताते हैं, 'हम लोग सिर्फ मुस्लिम नहीं, जावानीज भी हैं। यहां हम हिंदू-बौद्ध कहानियां सुनकर बड़े हुए हैं।' 20 हजार से ज्यादा मंदिर वाले बाली में 80% हिंदू आबादी है। इंडोनेशिया के ज्यादातर लोग रामायण पर विश्वास करते हैं। हिंदुओं की धार्मिक शिक्षा में रामायण को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है।

# लक्ष्मी रचनाशील, दानवीर, हर वक्त खुश रहने वाले लोगों के पास रहती हैं

शंकरा विजयेन्द्र सरस्वती
कांचीकामकोटि पीठ के शंकराचार्य

दीपावली पर पूरे देश में मां लक्ष्मी की पूजा का अलग-अलग विधान है। जैसे कहीं लक्ष्मी के साथ काली की पूजा होती है। कहीं लक्ष्मी के साथ सरस्वती की पूजा होती है। कुछ जगहों पर कुबेर के साथ पूजा होती है। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी और सरस्वती की पूजा धन और ज्ञान दोनों का एक साथ होना है। इसे सामान्य शब्दों में समझें कि यदि धन आएगा तो उसे संभालने के लिए ज्ञान और विवेक की भी जरूरत पड़ेगी। बुद्धि के इस्तेमाल से धन को सही तरीके से खर्च करना भी आना चाहिए। दीपावली के दिन मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, गंगा और समस्त देवी-देवताओं की पूजा सबसे पवित्र मानी जाती है। इस दिन सुबह तेल से मालिश के बाद स्नान करने पर मां लक्ष्मी सारे दुख दर्द दूर कर देती हैं। दरअसल नरगासुर नाम के दानव ने देवलोक में देवताओं का जीना मुश्किल कर दिया था। मां लक्ष्मी ने इस राक्षस से बचने के लिए खुद को तिल के पौधे में छिपा लिया था। नरगासुर के वध के बाद ही मां लक्ष्मी इस पौधे से बाहर निकलीं और उन्होंने इस पौधे को वरदान दिया कि जो कोई भी दीपावली के दिन तिल के तेल से मालिश कर स्नान करेगा, उसके समस्त दुख-दर्द दूर होंगे। ऋषि व्यास ने 'व्यास विष्णु रूप:' स्तुति में मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने की वैज्ञानिक विधि बताई है। इसके मुताबिक कुशल कर्मी, उत्तम व्यक्तित्व, मेहनती, हमेशा खुश रहने वाले और जो मुश्किल वक्त में दूसरों द्वारा की गई मदद को कभी नहीं भूलता है, शांत और रचनाशील जैसे गुणों से संपन्न लोगों के पास ही लक्ष्मी रहती हैं। ब्रह्म सूक्त में भी कहा गया है कि लक्ष्मी दानवीर, बुजुर्गों से परामर्श लेने वाले, अपने समय को बर्बाद नहीं करने वाले और अपने निर्णय में अडिग रहने वाले, घरों को साफ रखने वाले, अनाज की बर्बादी नहीं करने वाले लोगों के पास ठहरती हैं। ऋषि व्यास ने इस बात का भी उल्लेख किया है, जहां लक्ष्मी नहीं ठहरतीं। जैसे जो व्यक्ति काम नहीं करता, जो अनुशासित नहीं है, जो अनैतिक काम करता है, जो दूसरे से ईर्ष्या रखते हैं, आलसी और जो हर स्थिति में उत्साह विहीन बने रहते हैं। ऐसे लोग मां लक्ष्मी की कृपा के पात्र कभी नहीं बनते हैं।

## दीपावली : लक्ष्मी पूजन विधि और मंत्रोच्चार

मां लक्ष्मी का ध्यान करें और मूल मंत्र पढ़ें

*ॐ श्री महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णुपत्य च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ॐ ॥*

**अब हाथ में अक्षत लेकर बोलें**

*ॐ भूर्भुव: स्व: महालक्ष्मी, इहागच्छ इह तिष्ठ, एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयए पुनराचमनीयम्।*

**स्नान कराएं और वस्त्र अर्पित करें**

प्रतिष्ठा के बाद स्नान कराएं, चंदन लगाएं। पुष्प चढ़ाएं और माला पहनाएं। दूध, शकर और सूखे मेवों का भोग लगाएं। इदं रक्त वस्त्र समर्पयामि कहकर लाल वस्त्र पहनाएं। फिर मां लक्ष्मी को प्रसाद अर्पित करें। पान, सुपारी चढ़ाएं। मां। लक्ष्मी श्रीसूक्त के 16 मंत्रों का पाठ करें।

**मां सरस्वती का ध्यान करें और यह मूल मंत्र पढ़ें**

*ॐ ब्रह्म पत्नीच विद्महे महावाण्यैच धीमहि तन्न: सरस्वती प्रचोदयात्।।*

**फिर पुष्प अर्पित करते हुए मंत्र पढ़ें :**

*ॐ महालक्ष्म्यै नम:*

लक्ष्मी पूजन के बाद भगवान विष्णु का ध्यान करें।

*ॐ नमो ब्रह्मण्य देवाय गो ब्राह्मण हिताय च, जगदिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नम:।*

अब पूजन के बाद क्षमा प्रार्थना और आरती करें।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# J B Jewellers

**The Name of Divine Jewellery**

**D.P. Biyani**
(M) 9414042208

**Deals in :** Mfg. & Wholesaler of
Hallmark & Certified
Diamond Jewellery.
Available Certified Diamonds
& Certified Precious Stones.

***Note:- Also Deals in***
***Kundan Meena Jewellery***

SIDDHI

329. F-5, Lalaniyon Ka Chowk, Gopal Ji Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur- 302003
(O) 0141-2560108,(M) 9309073839 E-Mail : jbjewellersjaipur@gmail.com

# संस्कारों के बिना अधूरी है शिक्षा परिवार में संतुलन बनाए रखना जरुरी

–पं. विजय शंकर मेहता

''हमें हर कीमत पर अपने परिवार को बचाना होगा, क्योंकि आजकल जो चल रहा है, यदि यह इसी तरह चलता रहा, तो डेढ़-दो दशक बाद हमारे पास सब कुछ होगा, लेकिन परिवार नहीं होगा।'' यह कहना है जीवन प्रबंधन गुरु पंडित विजयशंकर मेहता का। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा आयोजित ''शिक्षा और हमारी जिंदगी'' विषयक व्याख्यान में उन्होंने यह कहा। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिकन कल्चर अपना लिया है। अमेरिका में आज सब कुछ है, भौतिक सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है। रिश्ते-नाते, परिवार वहाँ के भौतिकवाद में खो गए हैं। उसी रास्ते पर हम चल रहे हैं, जो हम सबके लिए घातक सिद्ध होगा।

पं. मेहता ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि शिक्षा हमें संस्कारित करती है, हमारे विकास के रास्ते खोलती है। पर इसी शिक्षा के कारण कोरोना काल में घरों में तनाव हो गया। यह सब ऑन लाइन एजुकेशन के कारण हुआ। ऑनलाइन क्लासेज के कारण घरों की व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न हो गया। बच्चे और उसके माता-पिता तनाव में रहने लगे। बच्चों पर पढ़ाई का बोझ था, तो माता-पिता इस चिंता में थे कि बच्चा कहीं पढ़ाई के बहाने कोई अवांछित वेबसाइट तो नहीं देख रहा, यानी शिक्षा ने घर में अशांति और तनाव का वातावरण बना दिया था।

उन्होंने कहा कि 50-60 साल पहले परिवारों में कम पढ़े-लिखे लोग थे, लेकिन घर में शांति रहती थी। आज के समय में हर घर में पढ़े-लिखे लोग हैं, लेकिन शांति नहीं है। पं. मेहता ने कहा कि इसका अर्थ यह नहीं कि शिक्षा में कमियाँ हैं, वह अच्छी चीज नहीं है। ऐसी बात नहीं है। शिक्षा हम सबके लिए उपयोगी है, शिक्षा यानी ज्ञान से बढ़कर दुनिया में कुछ भी नहीं। पर हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल किताबी ज्ञान शिक्षा नहीं कहलाता। संस्कार के बिना शिक्षा व्यर्थ है। इसलिए शिक्षित व्यक्ति को खुद को पूरी तरह बदलना पड़ेगा। हमें दिखावे से दूर रहना होगा। व्यक्ति जैसा है, उसे उसी रूप में खुद को दूसरों के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। उसे अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए।

शिक्षित व्यक्ति की भाषा विनम्र होनी चाहिए। दूसरे से दिल से बोलें, दिमाग से नहीं।

महाभारत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि दुर्योधन बहुत विद्वान था, लेकिन उसकी भाषा में कटुता थी, इसलिए महाभारत हुआ। दूसरी ओर अर्जुन की भाषा विनम्र थी, इसलिए उसे भगवान श्रीकृष्ण का साथ मिला। इसलिए अपनी भाषा को विनम्र बनाएं। घर के सब सदस्यों से विनम्रता का व्यवहार करें, मधुर शब्दों में बोलें, तभी परिवार जुड़ा रहेगा, सुरक्षित रहेगा।


कोरोना के अंधियारे को,
दूर रखे हम सबसे जो,
दीप जलें आनंद के,
आंगन आपके ऐसे ही,
रौशन रहें स्वास्थ्य–प्रेम–खुशहाली से।

करवा चौथ एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु :-

ज्योति तोतला

उपाध्यक्ष

श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर

9414844444

# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 • फोन : 0141-2230511, 6376409567

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से सायं 3 बजे तक (रविवार)

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

सोनोग्राफी प्रातः 9:30 से दोपहर 1 बजे तक

सोनोग्राफी के लिए रजिस्ट्रेशन सुबह 8 बजे से शुरु हो जाता है।

SONOGRAPHY 400/- • DIGITAL X-RAY 150/- • 2D-EHCO 1000/-

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट व्हाट्सएप नं. 9649044777 से भेजी जाती हैं।

नोट : सैम्पल कलैक्शन की सुविधा भी उपलब्ध है (शुल्क अतिरिक्त)

**कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध**

## PREVENTIVE HEALTH CHECKUP (खाली पेट)

Special Price / ₹2500/-

- CBC
- Lipid Profile
- Fasting Blood Sugar
- Post Prandial Blood Sugar
- Blood Urea
- Creatinine
- Vitamin D-3
- Vitamin B-12
- T3, T4, TSH
- Lever Function Test
- HbA1C
- ESR
- Calcium
- Urine Routine
- PSA (Male) PRL (Female)

## CARDIO DIABETES PACKAGE (खाली पेट)

Special Price / ₹700/-

- CBC
- FASTING BLOOD SUGAR
- POST PARANDIAL BLOOD SUGAR
- CREATININE
- SGOT
- SGPT
- HbA1C
- LIPID PROFILE
- URINE ROUTINE

## THYROID CHECKUP

Special Price / ₹270/-

- Complete Blood Counts
- Thyroid Function Test

| | |
|---|---|
| Blood Sugar 30/- | PSA 220/- |
| Urine R/E 40/- | Calcium 50/- |
| CRP 100/- | CBC 100/- |
| Uric Acid 50/- | Hb A1C 200/- |
| E.C.G. 60/- | Creatinine 40/- |
| Thyroid Profile 200/- | D-Dimer 500/- |
| Liver Function 200/- | RFT 400/- |
| Lipid Profile 250/- | Vitamin D-3 750/- |

BLACK SHADOW #9571604949

# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर (ब्लड कलेक्शन सेन्टर)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

स्थान : 87, सरतीनगर, जनपथ, डेयरी के पास, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 9414074134

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार) प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

## एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

### सितम्बर–थीम, कलर, शेप, सीन

सितम्बर माह की थीम 'हमारे सहायक' रंग–'केसरिया', शेप–'ओवल', सीजन–'ऑटम', थी।

हम अपने जीवन मे विभिन्न पेशे वाले व्यक्तियों से मिलते हैं जो अपने व्यवसाय कौशल के माध्यम से एक-दूसरे की सहायता करते हैं। बच्चों को सभी सहायकों से अवगत करने के लिए सितम्बर माह की थीम हमारे सहायक रखी गई। बच्चों से विभिन्न सहायकों से संबन्धित क्राफ्ट गतिविधियाँ कारवाई गई। बच्चों से इस माह स्थेटेस्कोप, फाइर-फाइटर जैसी क्राफ्ट गतिविधियां कारवाई गईं।

### कृष्ण जन्म महोत्सव

स्कूल परिसर मे जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी बच्चे ऑनलाइन कक्षा में राधा कृष्ण के वेश में कक्षा मे उपस्थित रहे। स्कूल की टीचर्स द्वारा बच्चों को कृष्ण के जन्म परिचय, उनकी लीलाएं तथा भजन से अवगत कराया गया। इस अवसर पर ECMS चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, संस्कृति सचिव श्री संजय काबरा, भवन सचिव श्री गिरधर झंवर, संस्कृति कमेटी सदस्य श्री नवनीत आगीवाल, श्री मनीष गगरानी उपस्थित थे। श्री मनीष

गगरानी ने इस अवसर पर एक मधुर भजन की प्रस्तुति कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापिका द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी गई तथा सभी का अभिवादन किया।

### शिक्षक दिवस समारोह

*गुरु से नाता शिष्य का, श्रद्धा भाव अनन्य*
*शिष्य सीखकर धन्य हो, गुरु भी होते धन्य।*

शिक्षक दिवस हम देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान मे मनाते हैं। उनका कहना था कि यदि सही तरीके से शिक्षा दी जाए तो समाज की बुराइयों को मिटाया जा सकता है। यह समारोह mps, जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में मनाया गया। इसमें पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री अमीन कागजी थे। इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान मे पुरस्कार समारोह रखा गया। जिसमें संस्कृति, बनीपार्क की शिक्षिका शेफाली माहेश्वरी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

### गणेश महोत्सव

प्रथम पूज्य गणेश जी का जन्मोत्सव धूमधाम से संस्कृति परिसर में मनाया गया।

इस उपलक्ष्य में गणेश जी के जन्म की कहानी सुनाई गई। इस अवसर पर संस्कृति परिसर में सामूहिक पूजा अर्चना की गई। बच्चों ने भी अपने घर पर इस वर्चुअल उत्सव में भगवान गणेश की आरती कर इस पर्व को मनाया। बच्चों से इकोफ्रेंडली गणेश जी की प्रतिमा बनवाई गई।

### ग्रांड पैरेंटस डे

#### दादा-दादी व नाना-नानी का सम्मान दिवस

दादा-दादी व नाना-नानी का नाम आते ही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए ग्रांड पैरेंटस डे मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने ग्रांड पैरेंटस के साथ कई पुराने गाने गाकर बच्चों के साथ इस कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया।

### हिन्दी दिवस

हिन्दी हमारी मातृभाषा है। हमारी मातृभाषा के सम्मान मे यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर बच्चों के लिए हिन्दी कविता प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें बच्चों को अपने पाठ्यक्रम से अलग कविता पठन करके प्रतियोगिता में भाग लिया।

### Role Play Day On Community Helpers

विभिन्न सहायकों के पेशों से अवगत कराने के लिए 'Role Play Day On Helpers', रखा गया। जिसमें बच्चों ने विभिन्न सहायकों के पात्र अभिनय करके उनके कार्य से अवगत कराया। बच्चों के लिए इस अवसर पर प्रतियोगिता रखी गई। बच्चों ने प्रत्येक किरदार के बारे में पंक्तियाँ बोलीं।

इस तरह सितम्बर माह शिक्षक दिवस, गणेश चतुर्थी, ग्रांडपैरेंटस डे, हिन्दी दिवस, हेलपर्स डे' मनाते हुए बीता।

## हिंदी दिवस का आयोजन

कॉलेज में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी साहित्य क्लब के तत्वावधान में हिन्दी भाषा और साहित्य प्रश्नोत्तरी एवं निबंध लेखन का आयोजन किया गया। हिंदी भाषा, व्याकरण और साहित्य के सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी में चार दल यथा राष्ट्रभाषा, मातृभाषा, राजभाषा और जनभाषा बनाए गए। इस प्रश्नोत्तरी में 'बूझो तो जाने', 'रचना और रचनाकार', 'हिंदी में गिनती', 'बस एक घड़ी' एवं 'चुनो, पढ़ो और बताओ' पाँच आकर्षक चरण रखे गए। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों स्तर पर आयोजित इस प्रश्नोत्तरी का प्रथम पुरस्कार मातृभाषा टीम की ज्योति महावर बी.ए. तृतीय वर्ष व पलक मोदी बीबीए द्वितीय वर्ष को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार जनभाषा टीम की टीना बैरवा बी.ए. तृतीय वर्ष व सोनिका कंवर बी.ए. तृतीय वर्ष को दिया गया। तृतीय पुरस्कार राजभाषा टीम की टीना बैरवा बी.ए. तृतीय व रेखा बैरवा बी.ए. तृतीय वर्ष को दिया गया। सांत्वना पुरस्कार राष्ट्र भाषा टीम की नीरू यादव बी.ए. तृतीय व शिवानी नागर बी.ए. तृतीय वर्ष को दिया गया।

इस अवसर पर 'संस्कृत से संस्कृति हमारी, हिंदी से हिंदुस्तान' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में **प्रथम पुरस्कार**– साक्षी शर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष, **द्वितीय पुरस्कार**– नीरू यादव बी.ए. तृतीय वर्ष, **तृतीय पुरस्कार**– मोनिका यादव एन. टी. टी. को दिया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) शुभा शर्मा ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव श्री नटवरलाल अजमेरा, मानद सचिव कैलाश चंद अजमेरा, भवनमंत्री श्री सुनील मालपानी और छात्रावास समन्वयक सांवरमल परवाल ने छात्राओं को ऑनलाइन बधाई संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी साहित्य क्लब की संयोजिका डॉ. मधुगुप्ता ने किया।

## माहेश्वरी कॉलेज में सम्पन्न हुआ ओरिएन्टेशन प्रोग्राम

17 सितंबर को कॉलेज में नवीन प्रवेशार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि डॉ. नरेश दत्त माथुर, प्रो. एवं डायरेक्टर इकनॉमिकस डिपार्टमेंट तथा हैड ऑफ स्कूल ऑफ साइंसेज, मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर रहे। प्राचार्या प्रो. शुभा शर्मा ने उनका स्वागत करते हुए, माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। डॉ. पूजा शर्मा सह आचार्या, संगीत ने अपनी टीम के साथ सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री एन. डी. माथुर ने नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए, गर्ल एजुकेशन की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही नवीन तकनीक का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्त्व बताते हुए, डिजिटल संवाद के उज्ज्वल भविष्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवीन शिक्षा नीति-2020 के उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों को रेखांकित करते हुए, इनोवेटिव, सृजनात्मक एवं रचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए छात्राओं और महाविद्यालय के शिक्षकों को उद्बोधित किया तथा अपने अमूल्य सुझावों से अवगत करवाया। उन्होंने छात्राओं को प्रायोगिक गतिविधि करवाकर, उनका अपनी अभिरुचियों के अनुरूप परिवर्तनों का खुले दिल से स्वागत करने का आह्वान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शुभा शर्मा ने नवागत छात्राओं का अभिनंदन करते हुए, उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मीडिया प्रभारी डॉ. मधु गुप्ता ने बताया कि समस्त नव प्रवेशार्थियों के लिए 'Describe Yourself' और 'Most Impressive Personality Of The Day' दो इवेंट आयोजित की गईं। 'Describe Yourself' की प्रथम विजेता– अनुष्का चौधरी बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय विजेता सिया नामा बी.ए. प्रथम वर्ष, तृतीय विजेता अंशिका यादव बी.ए. प्रथम वर्ष रही, 'Most Impressive Personality Of The Day' की प्रथम विजेता पूजा गुर्जर रही, द्वितीय विजेता फलक हुसैन रंगरेज रही, तृतीय विजेता छावी सिंघल बीबीए प्रथम वर्ष रही। विजित छात्राओं को महाविद्यालय की ओर से गिफ्ट हैंपर और प्रमाणपत्र दिये गए। महाविद्यालय की छात्राओं रेशा और अंजलि ने मधुर संगीतमय प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया, तत्पश्चात समस्त शिक्षकगण ने अपना परिचय देकर छात्राओं से संवाद स्थापित किया।

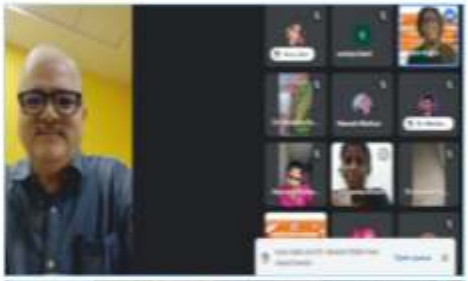

इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव श्री नटवरलाल अजमेरा, मानद सचिव कैलाश चंद अजमेरा, भवनमंत्री श्री सुनील मालपानी और छात्रावास समन्वयक सांवरमल परवाल ने छात्राओं का ऑनलाइन स्वागत करते हुए, उन्हें बधाई संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा शेखावत व डॉ. मधु गुप्ता के द्वारा किया गया।

## जन्माष्टमी पर गतिविधियाँ आयोजित

भारत ही नहीं पूरे विश्व में भगवान कृष्ण के जन्म को धूमधाम से मनाया गया और इसकी भव्यता विद्यालय में देखी गई जब विद्यालय परिसर में भगवान कृष्ण की झाँकी के भी दर्शन हुए तथा जन्माष्टमी गतिविधि का आयोजन भी किया गया। कक्षा एक से पाँच तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भगवान कृष्ण के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया और भगवान कृष्ण के मनोहारी रूप के दर्शन उस समय हुए, जब छोटे- छोटे नन्हें-मुन्हों ने कृष्ण की वेशभूषा में हाथ में मुरली लेकर दधि और माखन खाते हुए प्रस्तुतियाँ दीं।

## गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में गतिविधियाँ

विद्यालय में विघ्नहर्ता गणेश भगवान का जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी के रूप में पूर्ण आस्था एवं निष्ठा के साथ मनाया गया। कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक इन गतिविधियों में भाग लिया। कक्षा 1 व 2 के छात्रों ने फूल पत्तियों से, कक्षा 3 के छात्रों ने बीजों, दालों एवं सूखे मेवों से गणपति को साकार किया। कक्षा 4 के छात्रों ने मॉडर्न आर्ट से गजानन का स्वरूप बनाया एवं कक्षा 5 के छात्रों ने पर्यावरण को संरक्षण प्रदान करते हुए मिट्टी से गणनायक की मूर्ति को आकार दिया।

## विद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

विद्यालय में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अनेक रोचक व ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा एक से दस तक के विद्यार्थियों ने इस पावन भाषा पर्व में अपनी भावाभिव्यक्ति व हिन्दी के प्रति अगाध श्रद्धा चार्ट बनाकर, काव्य पाठ का वीडियो बनाकर, विचित्र वेशभूषा, कबीर और रहीम के दोहों व तुलसी की चौपाइयों का गायन,हिंदी के महत्त्व के बारे में महापुरुषों के वचन, भक्ति रस के कवि सूर और मीरा के पदों पर नृत्य, एकल अभिनय आदि विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेकर व्यक्त की। इसके साथ ही हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी ज्ञान सरिता राष्ट्र स्तरीय ई- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2021 का भी आयोजन किया गया, जिसमें एक प्रतियोगिता छात्रों के लिए तथा दूसरी शिक्षकों, शोध छात्रों, स्नातक, परास्नातक हिंदी प्रेमियों के लिए रखी गई। इसमें 40% तथा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले हरेक प्रतिभागी को ई-

प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। हर्ष की बात यह है कि इस प्रतियोगिता में देश-विदेश से कुल 5000 शिक्षकों व छात्रों ने प्रतिभागिता ग्रहण की। ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए इसके सफल आयोजन हेतु बधाई दी एवं छात्रों को हिंदी के प्रति सम्मान और हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया।

## पूर्वछात्र शुभम गोयल ने फहराया परचम

विद्यालय के लिए निरंतर मिलती उपलब्धियों में से एक और उपलब्धि यह रही कि विद्यालय के 2016- 17 बैच के पूर्व छात्र शुभम गोयल ने सी ए फाइनल के परीक्षा परिणाम में पूरे जयपुर में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय, परिवार, समाज और देश का नाम रोशन किया है।

## विपश्यना ध्यान पद्धति पर व्याख्यानमाला

ईसीएमएस व सद्संस्कार समिति के संयुक्त तत्वावधान में विपश्यना ध्यान पद्धति द्वारा छात्रों में नैतिकता और बुद्धि का विकास करने हेतु विद्यालय के तक्षशिला सभागार में एक व्याख्यानमाला व परिचर्चा का भव्य आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा गुप्ता,आईएएस (से.नि.), ईसीएमएस के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती,महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, कार्यक्रम के संयोजक श्री दिनेश मालपानी, विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी एवं भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ एवं माहेश्वरी समाज व शिक्षा समिति के अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। ई सी एम एस द्वारा संचालित सभी विद्यालयों के शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया। यूट्यूब के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव

टेलीकास्ट किया गया जिसमें सभी विद्यालयों के हजारों छात्रों ने लाभ लिया। विपश्यना पद्धति के प्रणेता श्रद्धेय श्री सत्यनारायण गोयनका जी गुरुजी के अद्भुत उद्बोधन से सभी यह जान पाए कि अत्यंत प्राचीन विपश्यना ध्यान पद्धति शुद्ध श्वास पर आधारित मन को एकाग्र, शांत व नियंत्रित करने की सरल प्रक्रिया है। अध्यक्ष महोदय ने यह घोषणा की कि प्रत्येक विद्यालय से कुछ चयनित शिक्षक 10 दिन के कोर्स के लिए विपश्यना ध्यान के कार्यक्रम में जाकर, इस पद्धति को सीख कर हमारे प्रत्येक छात्र तक पहुँचाएं जिससे हमारे छात्रों में एकाग्रता बढ़े और इस पद्धति से सभी लाभ उठाएँ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस श्रीमती रेखा गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए ध्यान पद्धति का महत्त्व बताया। महासचिव शिक्षा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि छात्रों के चरित्र निर्माण में विपश्यना पद्धति को जोड़ने के लिए शिक्षक अपनी महती भूमिका निभाएँ, जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम का संचालन सद्संस्कार समिति के संयोजक श्री दिनेश मालपानी ने किया।

## नवरात्र-दशहरा गतिविधि

विद्यालय में नवरात्रि और दशहरा के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा एक में माँ दुर्गा के मुखारविंद का शृंगार,कक्षा दो में माँ की चरण पादुकाओं का शृंगार, कक्षा 3 में कलश शृंगार,कक्षा चार में डांडिया निर्माण व सज्जा तथा कक्षा पाँच में दुर्गा स्तोत्र के पाठ की गतिविधि का आयोजन किया गया।बच्चों ने अपनी आस्था के अनुरूप रुचि लेते हुए बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया।

## एमपीएस स्टाफ स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ स्टाफ स्पोर्ट्स मीट के माध्यम से आयोजित की गईं, जिसमें प्रत्येक शिक्षक ने प्रतियोगिता में भाग लिया।विभिन्न खेलों में जैसे- बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्क्वैश ,कैरम एवं चैस में भाग लेकर शिक्षकों ने प्रमाणित किया कि पढ़ाने के साथ-साथ उनकी जो रुचि है,उसमें भी वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। सभी शिक्षकों को प्रोत्साहित करने वाले विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद ने स्वयं प्रत्येक प्रतियोगिता में भाग लेकर शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ ने जब शिक्षकों को सोत्साह प्रतियोगिता में भाग लेते हुए देखा तो उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। मानद सचिव ने कहा कि शिक्षकों के लिए ऐसे अभिरुचि कार्यक्रम समय-समय आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे शिक्षक तनाव मुक्त रहकर कार्य करते रहें।

## अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रची अपनी जीत की कहानी

*तुम पंख तो दो, परवाज हम बन जाएँगे,*
*अपने आँगन के आसमां पर हीं क्यों,*
*हम पूरे फलक पर छा जाएँगे।।*

यही उड़ान भरी mgps की छात्राओं ने, जब उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कथा पर्व प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। यह प्रतियोगिता Act universal, अजमान UAE द्वारा आयोजित की गई थी। इसका विषय 'प्रेमचंद कथा पर्व' रखा गया था, जिसके अंतर्गत प्रेमचंद की किसी कहानी को 4 मिनट में भाव के साथ प्रस्तुत करना था। इस प्रतियोगिता में पूरे विश्व से 80 विद्यालयों के 160 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रारंभ में इसे तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया था।

mgps की कक्षा 8 की छात्रा श्रिया बियानी ने अपने क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया वही कक्षा 5 की छात्रा वंशिका माहेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे और अंतिम चरण में तीनों क्षेत्रों के विजेताओं के मध्य प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें श्रिया बियानी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

## दो पहियों से रची सफलता की कहानी

mgps कक्षा 5 की छात्रा ने 28 सितंबर को विश्व हृदय दिवस पर आयोजित 12 km की cyclothon प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर अपने मजबूत इरादों को साबित कर दिया। यह प्रतियोगिता मणिपाल अस्पताल और टाइगर राइडर्स ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई थी।

## अर्जुन की तरह भेदा लक्ष्य को

यदि इरादें मजबूत हों तो समय और कठिनाइयों की आँधी लक्ष्य को आँखों से ओझल नहीं कर सकती और यह साबित किया mgps की छात्राओं ने JEE Mains की परीक्षा में अपना स्थान सुनिश्चित करके। विद्यालय की छात्राओं ईशिता जैन, गिरिशा मालपानी, सपना बुरड़क एव सेजल अग्रवाल ने परीक्षा को उत्तीर्ण किया।

## प्रतियोगिताओं के हर पदक को किया अपने नाम

mgps की छात्राएँ हर क्षेत्र में अपने हुनर के बल पर अपनी काबिलियत को साबित कर विद्यालय के नाम को शिखर पर स्वर्ण अक्षरों में लिख देती हैं। नीरजा मोदी विद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिता में हर पदक को अपने नाम किया।

रायना सैनी ने गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान व अन्वेक्षा सीलक ने प्रथम रनर का खिताब जीता। कक्षा 1 की छात्रा सोनाक्षी शेखावत ने रोल प्ले में प्रथम स्थान व ब्रोशर मैकिंग प्रतियोगिता में कक्षा 5 की छात्रा पेरिवाल ने 2nd रनर का स्थान प्राप्त किया।

कक्षा-8 की छात्रा जैना खान ने आशुभाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा 11 की छात्रा अनुभा माहेश्वरी ने प्रथम और कक्षा 9 की छात्रा भव्या लाहोटी ने 2nd रनर के स्थान पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

कक्षा 10 की छात्रा भावना राठोर ने पिछवाई आर्ट प्रतियोगिता में 2nd रनर का स्थान अपने नाम किया। सारा खण्डेलवाल ने स्टैन्डअप कविता प्रतियोगिता में 2nd रनर बनकर विद्यालय को गौरवान्वित होने के क्षण गढ़े।

## कहानी में बुने ताने-बाने

mgps इंटरनेशनल द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिता में mgps की कक्षा 4 की छात्रा नव्या अस्थाना ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में अपने भावों को कहानी के माध्यम से प्रस्तुत कर 2nd रनर का स्थान सुनिश्चित किया।

## उभरती लेखिका के तौर पर अपनी पहचान को साबित किया

mgps की कक्षा 10 की छात्रा रेयान्शी जोशी ने स्वयं को नवोदित लेखिकाओं की श्रेणी में खड़ा कर अपनी प्रतिभा से सबको चमत्कृत कर दिया। उसके द्वारा लिखित लेख संकलन 'Apricus' में प्रकाशित करने हेतु चुना गया। रेयान्शी विश्वभर से चुने गए श्रेष्ठ 51 नवोदित लेखकों में से एक रहीं। उनके कार्य को प्रशस्ति प्रमाणपत्र द्वारा भी प्रोत्साहित किया गया।

## Valediction Ceremony

On 18th September, 2021, Maheshwari Public School, Pratap Nagar organised its valediction ceremony 'Sayonara' at 'Rudraksh auditorium' to bid adieu to the outgoing students of class 12. The Chief Guest, revered Shri Ashok Maheshwari, S&T Engineer, North West Railway, JPR and esteemed Ms. Shalini Bajaj, RPS, the Guest of Honour, adorned the occasion with their amiable presence. The programme commenced with the invocation of Lord Ganesha. The exuberant students of mpspn unveiled mesmerizing cultural bonanza, adding vibrant hues to the evening. The icing on the cake was when the 12th class students were conferred with various coveted titles.

The Chief Guest envisioned the bright future that lay ahead for the outgoing students. Shri Pradeep Baheti, President, ECMS, urged students to be good ambassadors for the school and bring glory to their Alma mater. The inspiring and enthralling words of wisdom and prudence by revered General Secretary, Education, Shri NatwarLal Ajmera and Honorary Secretary, Shri Mukesh Rathi rejuvenated the students with a new energy for future endeavours. The Principal, Ms. Reeta Bhargava, accentuated the rewards of 'being optimistic despite adversities' in life.

A vote of thanks was extended to everyone.

## Hindi Diwas

'A country that does not take pride in its language, can never progress.'

Disseminating the essence of this idea, MPS, Pratap Nagar, observed 'Hindi Diwas' celebration on 25th September, 2021 with an objective to promote Hindi language and to acquaint the students with its cultural heritage and values. To mark the significance of this day, a gamut of activities viz. story telling, poem recitation, quatrain singing, ghazal singing, speech were organised. The distinguished Chief Guest, Shri Naved Zaidi, Deputy Commissioner, GST Department and Smt. Meenakshi Sethi Zaidi, Deputy Commissioner, GST, urged students to acquire a deep insight into the nuances of Hindi. The esteemed guest, Shri Akhilesh Maheshwari, from volunteer organization, Naya Savera, eulogized the presentations by the students. Honorary Secretary, Shri Mukesh Rathi, expounded the richness of Hindi language and its role in connecting us to roots.

The benign presence of revered Building Secretary, Shri Ashok Ajmera and respected Members of Management, Shri Ram Chitlangya and Shri Manish Modani enthused everyone.

## Glorious Accolades

It was a moment of élan and pride for MPS, Pratap Nagar when gifted students of Class 12- Ashi Veerman, Tejas Khandelwal, Vaibhav Jain, Harsh Sharma, Arpit Pancholi, Aditya Nama, Divyanshi Agarwal, Kanishka Sahu and Pragya Sharma cracked prestigious IEE Mains

The erudite alumni of MPS Pratap Nagar, Nishtha Maheshwari, Parag Somani, Radhika Maheshwari, Siddharth Jain, Varun Maheshwari, Vidula Sharda and Vijit Jain added one more feather to its colourful and proud cap by passing CA Final Exam.

Warmest Greetings on this remarkable achievement !

## Praise worthy Accomplishments in Inter School Competition

Bhavya Jain, Class 10 student of MPS Pratap Nagar brought laurels to the institution by bagging second position in an Inter School Essay Writing Competition, organized by MGPS.

Best compliments on this tremendous work!

## शिक्षक सम्मान समारोह

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) द्वारा 5 सितंबर, 2021 को शिक्षक दिवस माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के 'तक्षशिला' ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री अमीन कागजी, विशिष्ट अतिथि इंडोनेशिया के प्रसिद्ध व्यवसायी श्री वीरेंद्र सारड़ा, वक्ता के रूप में पं. विजय शंकर मेहता, समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप जी बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल जी अजमेरा, महामंत्री (समाज) श्री गोपाल लाल मालपानी, कोषाध्यक्ष श्री नटवर कुमार सारड़ा, एम. पी. एस. कालवाड़ रोड के मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा भवनमंत्री श्री मनीष सोमानी मंच पर विराजमान रहे। आतिथेय के रूप में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड़ रोड ने सक्रिय भूमिका निभाई। माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् जी को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के शिक्षकों ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। परंपरा का निर्वाह करते हुए इस वर्ष भी दी ECMS ने अपने द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। चयनित शिक्षकों को उनके द्वारा किए गए श्रेष्ठ प्रयासों हेतु पुरस्कृत किया गया।

## विपश्यना प्रशिक्षण कार्यशाला

ECMS के सौजन्य से सद्संस्कार समिति द्वारा 23 सितंबर, 2021 को विपश्यना केंद्र की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री दिनेश मालपानी ने अपने शब्दों द्वारा शिक्षा में नैतिकता का महत्व बताया। श्री एस. एन. गोयनका ने विपश्यना का परिचय दिया तथा धर्म की वास्तविक परिभाषा बताई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सेवानिवृत आई.ए.एस. श्रीमती रेखा गुप्ता रहीं। ईसीएमएस अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने शिक्षकों को विपश्यना ध्यान योग प्रशिक्षण के लिए भेजने की इच्छा जताई। महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा ने सद्संस्कार समिति तथा विपश्यना केंद्र का आभार व्यक्त किया।

## रोल प्ले एक्टिविटी

30 सितंबर, 2021 को संस्कृति के विद्यार्थियों के लिए 'हमारे सहयोगी' विषय आधारित गतिविधि रखी गई। विद्यार्थियों ने शिक्षक, चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी आदि की वेशभूषा धारण कर गतिविधि में भाग लिया। संस्कृति सचिव श्री संजय काबरा व प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने विद्यार्थियों के उत्साह की प्रशंसा की। 15 सितंबर, 2021 को ग्रांड पैरेंटस डे मनाया गया। विद्यार्थी अपने दादा-दादी, नाना-नानी के साथ ऑनलाइन कक्षा में उपस्थित हुए तथा गतिविधि में भाग लिया।

## चतुर्थ स्थापना दिवस

23 सितंबर, 2021 को विद्यालय का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया। प्रथम वर्ष में 1300 विद्यार्थियों के साथ आरंभ होने वाले इस विद्यालय में वर्तमान में लगभग 3000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इस अवसर पर अभिभावकों ने वीडियो के माध्यम से विद्यालय के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा, मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी तथा विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

## शिक्षक दिवस समारोह

04 सितंबर 2021 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड में भारत के यशस्वी पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती एवं शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस शुभावसर पर विद्यालय सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर, उप प्रधानाचार्य आदि प्रबुद्धजनों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस पावन पर्व पर जीवन का निर्माण करने वाले, हमारे बौद्धिकता में प्राण भरने वाले, हमारे जीवन पथ का उन्मान करने वाले हमारे गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता प्रेषित करते हुए उनका वंदन किया और फिर शिक्षकों को तिलक लगाकर एवं कलम भेंट कर उनका स्वागत करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया।

## ग्रांड पेरेन्टस् डे

पारिवारिक संबंधों की प्रगाढ़ता की सुरम्य झाँकी प्रस्तुत करने के लिए 13 सितंबर 2021 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, बगरु में ऑनलाइन माध्यम से 'ग्रांड पेरेन्टस डे' बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्री- प्राइमरी के सभी विद्यार्थियों के दादा-दादी व नाना-नानी को ससम्मान आमंत्रित किया गया।

## गणेश चतुर्थी महोत्सव

09 सितंबर 2021 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, बगरु में ऑनलाइन माध्यम से 'गणेश

चतुर्थी महोत्सव' बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने गणेश वंदना कर शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में पेड़ के पत्तों से भव्यतम गणेश बनाए।

## कम्युनिटी हेल्पर गतिविधि

प्री प्राइमरी कक्षाओं में 06 सितंबर 2021 को विद्यार्थियों को हमारे कम्युनिटी हेल्पर्स के बारे में बताकर उनके द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया गया तथा डॉक्टर्स के स्टेथोस्कोप की जानकारी देकर बच्चों से स्टेथोस्कोप क्राफ्ट एक्टिविटी करवाई गई जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और इसका प्रयोग भी किया।

## टीचर्स डे सेलिब्रेशन कार्ड मेकिंग गतिविधि

03 सितंबर 2021 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, बगरु में शिक्षक दिवस के शुभावसर पर कार्ड मेकिंग एक्टिविटी में हैंडप्रिंट कार्ड बनवाए गए, जिसमें बच्चों ने अपने नन्हें-नन्हें हाथों की छाप लेकर तरह-तरह के रंग-बिरंगे डिजायनों के कार्ड बनाकर अपनी शिक्षिकाओं के प्रति अपना आभार एवं प्रेम व्यक्त किया। यह क्रियाकलाप करते समय विद्यार्थियों को अपार आनंद की अनुभूति हो रही थी। शिक्षक दिवस के अवसर पर बच्चों ने शिक्षिकाओं के लिए कविताएँ प्रस्तुत कर वंदन किया।

## हिंदी दिवस सप्ताह

हमारी मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा आदि सभी उपमाओं से अलंकरित देवभाषा संस्कृत की सुकुमारी अतुलनीय भाषा हिंदी के चरण वंदन हेतु माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड, बगरु में 06 सितंबर से 14 सितंबर 2021 तक हिंदी दिवस सप्ताह के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिंदी के महत्व को बताने के लिए 'हिंदी सप्ताह' के अंतर्गत कक्षाक्रमानुसार अनेक रोचक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।

इन आयोजित गतिविधियों में विजेता विद्यार्थियों को एवं सम्मिलित प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर एवं उप-प्रधानाचार्य श्री पवन माहेश्वरी ने भी हिंदी को नमन करते हुए अपनी प्रेरणादायी वाणी में हिंदुस्तान की धड़कन हिंदी का महत्व बताया।

## रक्तदान शिविर के रक्तदाताओं का किया सम्मान

विद्यालय में 15 अगस्त को माहेश्वरी नवयुवक मंडल तथा श्री माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में वैश्विक महामारी कोरोना में स्वजनों एवं प्रियजनों को श्रद्धांजलि देने तथा जरूरतमंदों को स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए रक्तदान करने वाले विद्यालय के शिक्षकों, सहायक कर्मचारियों को विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

## हिंदी दिवस पर राजभाषा का किया सम्मान

विद्यालय में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाकर हिंदी भाषा के महत्त्व और भारतीय संस्कृति में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा ग्यारहवीं के छात्र शगुन सांखला तथा छात्रा अमीषा राठौर ने हिंदी भाषा की महत्ता पर अपने विचार प्रकट किए। विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य ने बताया कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान और संवाहक है तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमें गौरवान्वित करने वाली और देश को एकता के सूत्र में बाँधने वाली भाषा है। हमें हिंदी के विकास के लिए हर संभव प्रयास हुए इसे संपूर्ण विश्व की भाषा के रूप में स्थापित करना होगा। हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों हेतु गूगल फॉर्म के माध्यम से हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें 70 प्रतिशत तथा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

## उपचारात्मक एवं अभिवृद्धि शिक्षण हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन

विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक अभिवृद्धि कर सकें एवं परीक्षा में श्रेष्ठ सफलता अर्जित कर सकें इसके लिए विद्यालय के शिक्षक निरंतर प्रयासरत हैं। इस हेतु 20 सितम्बर से विद्यालय में उपचारात्मक एवं अभिवृद्धि कक्षाओं का नियमित संचालन किया गया। इन विशेष कक्षाओं में विद्यार्थी पूर्ण उत्साह से अध्ययन कर रहे हैं तथा अपने ज्ञान में अभिवृद्धि के साथ-साथ विभिन्न विषयों से संबंधित अपनी समस्याओं का समाधान भी प्राप्त कर रहे हैं।

## वुशु चैम्पियनशिप में छात्र का राज्य स्तर पर स्वर्णिम सफलता के साथ राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

कक्षा 10वीं के छात्र वैभव शर्मा ने 15वीं राजस्थान जूनियर वुशु चैम्पियनशिप में राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया तथा 20 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक जालंधर, पंजाब में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया। 23 सितम्बर से 26 सितम्बर तक ओसियां, जोधपुर, राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय 15वीं राजस्थान जूनियर वुशु चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में वैभन शर्मा ने 45 किलो भार से कम वाले वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर यह सफलता अपने नाम की।

## Feedback about VIPASSANA meditation

VIPASSANA gives you power to get detached from material things and reduce your uncontrolled cravings to certain things which you do want to indulge into but can not control yourself. On non-materialistic side, VIPASSANA gives you the joy to be happy and equanimous all the times. VIPASSANA teaches you how to live a moral life and makes you discover yourself with self observation at experiential level in a scientific way.

VIPASSANA is a method of controlling the mind at one point by meditation. Through this meditation we can increase our concentration. This meditation provides the energy of consciousness to our unconscious mind and we come to know aboutourselves.

## Helper Competition

MPS Sanskriti Tilak Nagar organised a Community Helper Competition for the students on 30th September'2021. The entire month of September focussed on the different Community helpers that we come across in our daily life. The importance of these helpers, without whom survival would be extremely difficult and the job they perform was the main agenda. Also, children were taught "no job is too big or too small". Children also learnt to respect every profession and every community helper. Children participated in full swing and portrayed different community helpers. Dressed up in the related attire and also spoke a few lines. Since, competition is all about winning, importance of participation was also focussed. All the participants were rewarded with Participation certificates. Competition is all about learning and children proved this. The main focus of Sanskriti is to inculcate traditions and values in the children, respect for all keeping in view the modern aspect of education.

## माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा फार्म

सत्र 2021-22 की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती को नमन करते हुए शुभमुहूर्त में कक्षा X व XII के बोर्ड परीक्षा फार्म भरे गए। मानद् सचिव एडवोकेट श्री द्वारका दास मालू तथा कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने छात्राओं को परीक्षा के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ दीं।

## छात्राओं ने थामी नेतृत्व की बागड़ोर

15 सितम्बर 2021 को विद्यालय के मैत्रेयी सभागार में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट श्री द्वारका दास मालू व भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया ने छात्राओं को शपथ दिलवाकर उनके हौसलों की उड़ान को गति प्रदान की। मानद् सचिव ने अपने उद्बोधन में छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा साथ ही अनुशासन, कर्त्तव्यनिष्ठा, सहयोग व नेतृत्व जैसे गुणों का महत्त्व बताते हुए नैतिक मूल्यों की सीख दी।

## हौसलों की उड़ान

हौसलों की कुछ ऐसी ही उडान लिए कक्षा XI-A5 की छात्रा पूर्ति शर्मा ने Wushu Championship में Gold Medal जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इसी क्रम में कक्षा IX-A2 की छात्रा रेणुका शर्मा ने जूनियर Wushu Championship में Gold व Bronze Medal जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

## एक कदम कल्पना से कारवां तक

सितम्बर मास में विविध सह-शैक्षणिक गतिविधियों के तहत छात्राओं ने सृजन-कौशल का परिचय देते हुए कल्पना के इन्द्रधनुष में नवीन रंग भरे। 'Save Water for Better Future' विषय के अन्तर्गत पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता एवं 'आरक्षण प्रणाली खत्म कर देनी चाहिये' विषय पर हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## शिक्षक दिवस पर छात्राओं द्वारा शिक्षकों का सम्मान व भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ

5 सितम्बर को विद्यालय परिसर में शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती व पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिभा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मानद् सचिव, एडवोकेट श्री द्वारका दास मालू ने अपने उद्बोधन में बताया कि शिक्षक का जीवन दीपक की भाँति होता है, जो स्वयं जलकर सम्पूर्ण समाज व राष्ट्र को रोशन करता है। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में शिक्षकों की भूमिका की सराहना की।

## स्कूल चले हम

लम्बे अंतराल के बाद 1 सितम्बर 2021 से एक बार फिर कक्षा IX से XII तक की ऑफलाइन कक्षाएँ शुरू हुई। इसी क्रम में 20 सितम्बर 2021 से कक्षा VI से VIII की ऑफलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ हुई। विद्यालय प्रबन्धन द्वारा छात्राओं को महामारी के इस विपरीत दौर में सुरक्षा के पूर्ण इंतजाम व गाइड लाइन की पालना हेतु निर्देशित किया गया।

## स्वास्थ्य की दिशा में एक कदम

स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है महामारी ने आज प्रत्यक्षत: सिखाया कि हम सभी को एक बार फिर से हमारी प्राचीन परम्पराओं, योग-ध्यान प्राणायाम से जुड़ने की महती आवश्यकता है। इस महत्तर उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सोसायटी द्वारा 'विपश्यना' कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य की दिशा में कदम बढ़ाया गया। श्री एस. एन. गोयनका ने अपने अमृत वचनों से धर्म का सही अर्थ मानवता बताया तथा उन्होंने धर्म को जीवन में उतारने की बात कही।

## हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए कविता वाचन, कल्पना के पंख, कहानी सुनाओ, संवाद वाचन, रेडियो उद्घोषक, दोहों का सस्वर वाचन, हिंदी प्रश्नोत्तरी व काव्य-पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी विभाग द्वारा मनमोहक गीत 'हिंदी से शान हमारी' भी प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने सभी को हिंदी दिवस की बधाई दी। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया।

## शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़, एम.एम.सी. मेंबर्स अभिषेक मालपानी और अतुल लोहिया, प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह और उप-प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने अध्यापकों को शुभकामनाएँ दीं। सचिव महोदय ने कहा कि विद्यार्थी के जीवन में उन्नति की नई राह दिखाता हुआ शिक्षक मोमबत्ती के समान स्वयं जलकर रोशनी करता है।

प्राचार्या द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले अध्यापकों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या ने टीचर्स श्रीमती सोनिया बत्रा, अलका भार्गव व सविता जैन के साथ मिलकर केक काटकर टीचर्स डे सेलिब्रेट किया।

## विदाई समारोह का आयोजन

11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12 वीं के विद्यार्थियों को उत्साह के साथ विदाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इन्वेंटरी प्लानर एयरटेल, श्री सतीश कालानी व विशिष्ट अतिथि चीफ मैनेजर एस.बी.आई. रुचि बियानी के साथ ई.सी.एम.एस. अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा व अन्य पदाधिकारीगण ने छात्रों को भावी जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें अध्यापकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन का पालन करने और सही राह पर चलने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने सभी को धन्यवाद देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## 'अटल टिंकरिंग लैब' का उद्घाटन व सम्मान समारोह

30 सितंबर को 'अटल टिंकरिंग लैब' के उद्घाटन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात व्यवसायी व समाज सेवी

श्री सत्यनारायण हिंगर, विशिष्ट अतिथि सी.आई.एस.टी. प्रोफेसर वाय.के. विजय ने लैब का उद्घाटन करते हुए कहा कि अटल लैब द्वारा स्टूडेंट्स के बीच इनोवेशन, क्रिएटिविटी और वैज्ञानिक सोच को साकार करने व बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर ई.सी.एम.एस. उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा व ई.सी.एम.एस. के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए व वर्षभर आयोजित की गईं विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ ने सभी को धन्यवाद देते हुए विज्ञान विभाग के अध्यापक संकेत व्यास को अटल लैब को योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्थित करने में सहयोग देने के लिए पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के संचालन हेतु विद्यालय सचिव व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने श्रीमती सुनीता माहेश्वरी व रेनू सिंह की प्रशंसा की।

## सपनों की दुनिया को किया साकार

कक्षा 1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन इन्टरस्कूल प्रतियोगिताओं 'परसेप्टम 2021' का आयोजन किया गया। इसमें शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के लगभग 70-80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें नृत्य, काव्य-पाठ, ड्रॉइंग, अभिनय, कहानी लेखन जैसी विविधि प्रतियोगिताएँ रखी गईं। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की कल्पनाशीलता, शारीरिक व मानसिक विकास हेतु इस तरह की गतिविधियाँ आवश्यक होती हैं।

## विशेष उपलब्धियाँ

### बेस्ट टीचर अवॉर्ड से सम्मानित

शिक्षक दिवस के अवसर पर दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज जयपुर की ओर से विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती मनोरमा मुकीम को 'बेस्ट टीचर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने मनोरमा मुकीम को इस सफलता के लिए बधाई दी।

### रोटरी क्लब द्वारा ग्लोबल टीचर अवॉर्ड

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय की हिंदी अध्यापिका श्रीमती सुनीता माहेश्वरी को रोटरी क्लब द्वारा ग्लोबल टीचर अवॉर्ड 2021 से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड शिक्षा में नवाचार व विद्यार्थियों के उत्थान के लिए किए जाने वाले सतत प्रयासों के लिए दिया गया। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने सुनीता माहेश्वरी को बधाई दी।

### कृतिका बंग ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

हिंदी दिवस के अवसर पर एम.जी.पी.एस. द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं की छात्रा कृतिका बंग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने कृतिका बंग को बधाई दी।

### गार्गी चंदेल ने प्राप्त किए सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल

विद्यालय की कक्षा 10 की छात्रा गार्गी चंदेल ने ओपन स्टेट ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2021 में ब्रॉन्ज मेडल और वैट केटेगरी 45 किलो में जूनियर केटेगरी में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। साथ ही वीमन्स स्पोर्ट्स वीक में ताइक्वांडो में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

### विशेष अवसरों पर शुभकामनाएँ

इंटरनेशनल लिटरेसी डे, रामदेव जयंती, वर्ल्ड टूरिज्म डे, ग्रैंड पैरेंट्स डे' पर शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों ने समूह चर्चा व वार्तालाप के माध्यम से विद्यार्थियों को इन अवसरों के महत्व से अवगत कराया।

# श्रीकिशन अजमेरा, जयपुर

## मंत्री, ऑल इण्डिया वूल एण्ड नमदा (फैल्ट) एसोसिएशन के निर्विरोध निर्वाचित

लब्ध प्रतिष्ठित, सरल, सौम्य, मृदुभाषी, मिलनसार, दृढ़प्रतिज्ञ, वचनबद्ध, सामाजिक -सांस्कृतिक कार्यकर्त्ता, उद्यमी-व्यापारी, बहुआयामी व्यक्तिव के धन-यही है श्रीकिशन अजमेरा की पहचान। समर्पित एवं सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले श्रीकिशन अजमेरा, जयपुर में हुए द्विवार्षिक अधिवेशन में ऑल इण्डिया वूल एण्ड नमदा एण्ड ( फैल्ट ) एसोसियेशन ( रजिस्टर्ड ) के निर्विरोध मंत्री 20वीं बार चुने गये हैं।

गत् 52 वर्षों ( सन् 1970 से निरंतर ) से समाज के विभिन्न दायित्वों का अजमेरा जी निर्वहन कर रहे हैं। आप सन् 1970 से 1984 तक श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर में 4 बार कोषाध्यक्ष व 2 बार अध्यक्ष पद पर सन् 1973 व 1979 से आसीन रहे, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की कार्यकारिणी के 5 बार सदस्य रहे, राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष सन् 1984 से 1989 तक रहे, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यसमिति के सन् 1976 से 1984 तक सदस्य, सन् 1985 से 1989 तक महामंत्री, सन् 1990 से सन् 1993 तक उपाध्यक्ष व 1994 में मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सन् 1982 से कार्यकारी मण्डल सदस्य है तथा वर्तमान में इसके आजीवन कार्यकारी मण्डल सदस्य है। जयपुर जिला माहेश्वरी सभा के सन् 1994 से 2013 तक प्रचार एवं संगठन मंत्री, संयुक्त मंत्री, मंत्री व सन् 2014 से 2017 तक अध्यक्ष रहे है। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के परिचय सम्मेलन सन् 2007 में संयोजक रहे, विवाह प्रकोष्ठ ( महेश मैरिज ब्यूरो ) द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह-2013 के भी संयोजक रहे। राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के 1994 से 2005 तक संयुक्त मंत्री एवं सन् 2006 से 2009 तक संगठन मंत्री रहे हैं। लायन्स क्लब, जयपुर शिवम के पदाधिकारी टैमर व टेलकिवस्टर रहे है। कई वर्ष तक श्री पिंजरापोल गौशाला के कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। माहेश्वरी कॉलेज ऑव् कॉमर्स एण्ड आर्ट्स के कार्यकारिणी सदस्य सन् 2010 से 2014 तक रहे हैं। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के संगठन मंत्री थे। राजस्थान डोरमेंट एण्ड मेटिंग एसोसियेशन के सन् 2004 से लगातार अध्यक्ष हैं। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के गत् 20 वर्षों से निरन्तर कार्यकारिणी समिति सदस्य है, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक सभा के कार्यसमिति सदस्य भी हैं। चौड़ा रास्ता निवासी विकास समिति के 2018 से उपाध्यक्ष है, पूर्वोत्तर राजस्थान महेश सेवा निधि प्रन्यास के सन् 2018 से अध्यक्ष है।

आप वरिष्ठ नागरिक संस्थान, राजस्थान ( रजिस्टर्ड ) के कार्यकारिणी सदस्य, कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान के अतिरिक्त महामंत्री, ( विगत 15 वर्षों से ) श्री धुश्मेश्वर द्वादशं ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट शिवालय, शिवाड के आजीवन ट्रस्टी सदस्य, माहश्वेरी वंशोत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम के श्री माहेश्वरी भवन, लोहार्गल के आजीवन एवं श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन ''अभिनन्दन'' के प्रमुख दानदाता सदस्य है। इसके अलावा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर जनोपयोगी भवन ''उत्सव'' के आजीवन सदस्य, ''कृष्णधाम'' वृद्धाश्रम एवं श्री पिंजरापोल गौशाला के विशिष्ट दानदाता सदस्य है एवं महेश अस्पताल, जयपुर के आजीवन सदस्य है। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन, परकोटा क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के आजीवन कार्यकारी मण्डल सदस्य है। आप विज्ञापन समन्वयक, जयपुर माहेश्वरी पत्रिका ( मासिक ) के विगत सन् 2018 से सन् 2022 तक है, कार्यसमिति सदस्य श्री पिंजरापोल गौशाला के है, इसके अलावा जौहरी बाजार व्यापार मण्डल, श्री पुष्टीमार्गीय वैष्णव मण्डल के भी कार्यकारिणी समिति सदस्य व फोर्टी (FORTI) के विशेष आमंत्रित सदस्य है।

जयपुर के समीप दिल्ली बाईपास पर स्थित अचरोल गाँव में अपने पिताजी स्वर्गीय रामगोपाल जी अजमेरा की याद में सन् 1972 में राजकीय अजमेरा अस्पताल बनवाने पर दिनांक 30.04.2016 को भारत सरकार व राजस्थान सरकार द्वारा ''भामाशाह अवार्ड'' से नवाजा ( सम्मानित ) गया।

महावीर इंटरनेशनल के ''आजीवन वीर'' की उपाधि से भी सुशोभित है। आपकी एक और विशेषता है आपकी सांस्कृतिक चेतना, आप सबसे सह मुस्कुराहट के साथ मिलते है।


1930 से आपकी सेवा में कार्यरत विशाल वातानुकूलित शोरूम

''आकर्षक रंगों व मनमोहक डिजाइनों में उपलब्ध''

डोरमैट्स, बॉथमैट्स, रजाई, कम्बल, जूट-मैटिंग, टाट-पट्टी, कोयर-मैटिंग, प्लास्टिक, रैग्जीन, प्लास्टिक-चटाई, वुडन फ्लोरिंग, फ्लोरिंग टाईल्स, कारपेट्स, वॉल-पेपर, ब्रुश, वाईपर्स, टेबिल-कवर, टी.वी. कवर, सोफा कवर, दरी, करटेन, टेपस्ट्री, कुशन, पिलो, ब्लोस्टर, बैड-शीट, मैट्रेसेस कार-मैटिंग, वूलन-नमदा, ग्रीन शेड-नेट, ब्लाईन्डस, डस्टर एवं अन्य फर्निशिंग आईटम्स

P.V.C. Flooring

Non Wooven Carpets

Artificial Grass

Mats

रामनिवास रामगोपाल
शोरूम: 131, जौहरी बाजार, जयपुर
फोन : 0141-2576396 ( शोरूम )

E-mail: rnrgjaipur@yahoo.com
Shri Kishan Ajmera 94140-61254, 79764-30867
Vikas Ajmera 98290-53772, 94686-50992
Atul Ajmera 70738-61846, 94144-97870

विज्ञापन

## मोहनदास से महात्मा

### मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया चंद्रप्रकाश गुप्ता ( खटोड़ ) की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

जयपुर के जाने-माने चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता की महात्मा गांधी के जीवन चरित्र व संघर्ष पर बनाई गई चित्र शृंखला मोहनदास से महात्मा 'अहिंसा के दूत की संघर्ष यात्रा' का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जवाहर कला केंद्र स्थित सुदर्शन कला दीर्घा में 4 अक्टूबर को किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री परसादी लाल मीणा, राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक महेश जोशी, शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, पुष्पेंद्र भारद्वाज विधायक प्रशांत बैरवा सहित अनेक राजनेता, कला प्रेमी व पत्रकार उपस्थित थे।

## कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन

मुझे याद आता है बीता जमाना
वो कागज की कश्ती और मौसम सुहाना।
सुबह-सवेरे देर से उठना
दूध, नाश्ता, टिफिन देते मां को भगाना
जाते हुऐ मां का रिक्शे तक
भागते-भागते काजल लगाना
मां की प्रिंसेज बन इतराना
मां से बाय-बाय कर सखियों से हाथ मिलाना।
वो सखियों संग मेले में जाना
बर्फ का गोला चटखारे ले खाना।
मुझे याद आता है बीता जमाना.....
रंग-बिरंगी पतंगों के कन्ने बांधना
सवेरे से छत पर उड़ाने लग जाना।
न नहाने का होश, न खाने का ध्यान
छत पर डेरा डाल मजे में पगलाना।
वो गिल्ली कड़का कर डंडे से, खेल में जीत जाना।
कंचे, सितोलिए, गढ़ और
आंगन में बनाकर अंग-बंग-चौक-चंग।
वो छुट्टी के दिन, वो रूठना- मनाना।
मुझे याद आता है बीता जमाना.....
'चाचा चौधरी' की हो किताब
या फिर 'राजन-इकबाल' के जासूसी किरदार।
'चंदा मामा' की दुनिया में चांद को पकड़ लाना।
'चंपक', 'नंदन' हो या 'पराग', किराए से ला मजे से पढ़ना-पढ़ाना।
मुझे याद आता है बीता जमाना.....।

—मन्जु माहेश्वरी

# माहेश्वरी इन्टरनेशनल मैरिज ब्यूरो, जयपुर

( अन्तर्गत श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर )

### चतुर्थ डिजिटल बायोडाटा (PDF) का प्रकाशन

मार्च 2021 में युवक व युवतियों के लिए अलग-अलग डिजिटल बायोडाटा (PDF) का प्रकाशन किया गया था। इसी क्रम में मैरिज ब्यूरो द्वारा युवक व युवतियों की अलग-अलग शैक्षिक योग्यतानुसार वर्गीकृत कर, यह डिजिटल बायोडाटा (PDF) सर्च ऑप्शन सहित 30 सितम्बर 2021 को निःशुल्क प्रकाशित की गई, जिसमें 250 बायोडाटा युवक व 155 बायोडाटा युवतियों के संकलित हुए।

समाज बन्धु मैरिज ब्यूरो के माध्यम से अधिकाधिक लाभान्वित हों तथा युवक-युवतियों के लिए समुचित वर/वधू का चयन कर सकें। यह जानकारी विवाह प्रकोष्ठ के वाइस चेयरमैन श्री रमेश चन्द परवाल, मंत्री श्री विष्णु लढ्ढा एवं समन्वयक श्री घनश्याम भण्डारी ने दी।

### दो दिवसीय परिचय सम्मेलन

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो द्वारा दो दिवसीय अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य-युवती परिचय सम्मेलन शनिवार, दिनांक 15 जनवरी 2022 एवं रविवार, 16 जनवरी 2022 को इस परिचय सम्मेलन के संयोजक की जिम्मेदारी श्री देवेंद्र झंवर को दी गई है। इसके कोषाध्यक्ष श्री रामदास कोठ्यारी होंगे।

**परिचय सम्मेलन स्थल, आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था**

**उत्सव जनोपयोगी भवन, सेक्टर-2, विद्याधर नगर, जयपुर**

## ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के विशेषज्ञ हैं डॉ. अरुण परतानी

डॉक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है। वे अनेक लोगों को जीवन दान देते हैं। असहाय को समर्थ बनाते हैं। वर्तमान में जोड़ों की समस्या आम हो गई है। आज हर तीसरा बुजुर्ग इससे सम्बन्धित समस्या से ग्रस्त नजर आता है। अनेक बुजुर्ग ऐसे देखने में आते हैं, जो जोड़ों में दर्द की समस्या के कारण दो कदम भी नहीं चल पाते, सीढ़ियां नहीं चढ़ पाते। जयपुर के डॉ. अरुण परतानी ऐसे बुजुर्गों के लिए किसी भगवान से कम नहीं हैं। सीके बिरला हॉस्पिटल के सीनियर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एंड आर्थोस्कोपी सर्जन डॉ. परतानी अनेक जटिल ऑपरेशन कर चुके हैं।

हाल ही में उन्होंने एक ऐसे ग्रामीण बुजुर्ग के जोड़ों का ऑपरेशन किया, जो बिल्कुल भी नहीं चल पाते थे। डॉ. परतानी ने बताया कि बुजुर्ग की हालत इतनी गंभीर थी कि यदि विलंब किया जाता तो विकलांग होने का खतरा था। उन्होंने बिना विलंब किए उसका इलाज शुरू कर दिया। ऑपरेशन के बाद बुजुर्ग चलने लायक हो गए। डॉ. अरुण परतानी ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के भी विशेषज्ञ हैं।

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Event & Decorators

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Caterers

*Your Trust & Safety is Our Responsibility*

Rahul Jajoo
+91-9828112085

Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's

**Off. Add. :-** 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur
**Workshop Add. :-** 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur

1000/- के ऑर्डर पर
डिलीवरी फ्री

**Place Your Order**
**(Before One Day):**

Paytm
9024643576 or
Cash on Delivery

EXIDE POWER BRIGADE

PLATINUM HIT DISTRUBUTOR
HEAMANT MACHHAR - 9928789449
HARI OM BATTERY

EXIDE POWER BRIGADE
HARI KISHAN MACHHAR - 9414073249
HIND MOTORS
SINCE 1965

OPP. AGARWAL COLLEGE, AGRA ROAD, JAIPUR 302004
EXIDE BATTERY - TWO WHEELER, FOUR WHEELER & HEAVY VEHICLES
EXIDE INVERTORS & INVERTOR BATTERY
UPS BATTERY & SMF BATTERY

NEW OUTLET

Mohit Mandhani
+91 9830164220

Payal Mandhani
+91-9331164220

Balaji's
Jewels & Supari

Deals in :

JDC J.D. Supari Products

Dry Fruits | Imitation Jewellery | Roasted Namkeen & Seeds

Shop No. B-3, Basement Floor, Jagdamba Tower,
Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur-302021

## ओमप्रकाश गग्गड़

### बने लायंस क्लब के सह प्रांतपाल

### - समाजसेवा में रहते हैं सदा आगे

व्यवसाय हमारी जरूरत होती है। हमें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए धन कमाना पड़ता है, कमाना भी चाहिए। पर इसके साथ यदि समाज सेवा पर भी ध्यान दिया जाए तो सोने में सुहागा हो जाता है। जयपुर के प्रमुख व्यवसायी ओमप्रकाश गग्गड़ व्यवसाय के क्षेत्र में तो शीर्ष पर हैं ही, समाजसेवा के क्षेत्र में भी पीछे नहीं हैं। वे लायंस क्लब अंतर्राष्ट्रीय प्रांत-3233-ई-1 के सहप्रांतपाल हैं। यह पद उन्होंने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के बीच जीता था। गग्गड़ लायंस क्लब के माध्यम से तो समाजसेवा करते ही हैं, इसके अलावा वे व्यक्तिगत रूप से भी लोगों की मदद करने में पीछे नहीं रहते।

गग्गड़ के परिचितों का कहना है कि वे हमेशा सकारात्मकता को महत्व देते हैं। निराशा को वे अपने ऊपर हावी नहीं होने देते। वे बड़ी शिद्दत से रिश्तों को निभाते हैं। लायंस प्रान्त प्रशासनिक मण्डल के सर्वोच्च पद को दो बार सुशोभित करने वाले ओमप्रकाश गग्गड़ बचपन से ही संस्कारी और धार्मिक प्रवृत्ति के रहे हैं। परिवार से मिले संस्कार और अनुशासन ने उन्हें एक मेधावी छात्र बना दिया। उसके बाद उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए उनकी पहचान आज एक सफल व्यक्ति के रूप में है।

## कृष्णधाम

1. श्री जगदीश प्रसाद-श्री रमेश पचीसिया ने 08.09.2021 को आश्रम में लंच के लिए सहयोग दिया।
2. श्री कमल बांगड़ सुपुत्र श्री रतन लाल जी ने 11.09.2021 को अपने 61वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को खाद्य सामग्री भेंट की।
3. श्रीमती अरुणा मोहता धर्मपत्नी श्री समीर मोहता ने 13.09.2021 को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में लंच के लिए सहयोग दिया। प्रेरक-श्री नवीन मूंदड़ा (टोंक फाटक)।
4. श्रीमती उमा माहेश्वरी सुपुत्री श्री राजेश प्रसाद माहेश्वरी ने 16.09.2021 को आश्रम में लंच के लिए सहयोग दिया। प्रेरक - श्री श्याम रतन पटवारी।
5. श्री घनश्याम दास लोहिया सुपुत्र श्री विट्ठल दास जी ने 24.09.2021 को आश्रम में एक माह के उपयोग हेतु दाले भेंट की।
6. श्री सुरेश चंद मंडोवरा, रंगोली गार्डन ने 25.09.2021 को आश्रम में लंच के लिए सहयोग किया। सहयोग- श्री पंकज मंडोवरा।

सभी सहयोगियों और दानदातओं को आभार एवं अभिनन्दन।

**मालचन्द बाहेती**

वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री, संपर्क : 9829461340

## हार्दिक बधाई एवं आभार

सुश्री गरिमा सुपौत्री श्री आनन्द राम कोठ्यारी एवं सुपुत्री सीए. रमेश-उषा कोठ्यारी द्वारा ICAI की फाइनल परीक्षा में 8वीं रैंक (AIR) प्राप्त करने पर।

## नवदम्पत्ति को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ

| दिनांक | वर | वर के पिता | वधू | वधू के पिता |
|---|---|---|---|---|
| 14.10.2021 | वरूण | श्री प्रमोद माहेश्वरी | रचिता | श्री अतुल जी |

पुस्तक समीक्षा

## पड़ाव दर पड़ाव

### जीवन संघर्ष की अनुपम गाथा

लेखक : ज्योति कुमार माहेश्वरी

(समाज संरक्षक)

एक कवि या लेखक अपनी रचनाओं या कथानकों में कई अति सूक्ष्म सन्देश भी दे जाता है। जरूरत है उन्हें खोजने की, समझने की और फिर विचार सागर मन्थन करने की। जो जितनी गहराई में उतर सकता है, वह उतने ही दुर्लभ मुक्तकों की प्राप्ति का हकदार भी बनता है।

'पड़ाव दर पड़ाव' ऐसी ही एक पुस्तक है। ज्योति माहेश्वरी की जीवन यात्रा को दर्शाती यह पुस्तक उनकी जीवन यात्रा की कहानी नहीं बल्कि उनका पूरा संसार है। मित्रों, परिजनों, परिवार के सदस्यों के लिये यह सिर्फ एक धारा प्रवाह कथानक मात्र हो सकता है, जिसे ज्योति माहेश्वरी ने अपनी सशक्त कलम से पेश करने का प्रयास किया है। लेकिन उसके आगे भी इसमें बहुत कुछ है। अपने मेधावी बालकों को, अपने परिजनों को, जो जीवन के प्रति सही नजरिया जानने के इच्छुक हैं, एक उपहार देने योग्य पुस्तक है। यह पुस्तक उन्हें जीवन में कई सुनहरे नियम प्रतिपादित करने में सहायक हो सकती है।

मैंने उनके प्रत्येक क्रमों को बखूबी पढ़ा है। प्रत्येक क्रम में कुछ सारगर्भित पंक्तियां बहुत ही मूल्यवान और शिक्षाप्रद है। इस सत्यता को नकारा नहीं जा सकता कि जीवन में 'अपनों' का साथ बड़ा आवश्यक है। असली शांति और सुख अपनों के बीच, अपनों के साथ ही मिलती है। लेकिन वह अपना कौन है? समय की कसौटी पर जो खरा उतरे, विपत्ति के समय जो काम आये, अन्धकार में जो रोशनी बनकर राह दिखाने का काम करे, वही अपना है।

ज्योति माहेश्वरी के उपक्रम में चार सौ से ज्यादा कार्यरत कर्मचारियों में कोई भी गांववाला या दूर का रिश्तेदार तक नहीं था। उनके अधिकांश परिचित एक ही लकीर बांचते थे कि बिना अपनों के व्यवसाय को बढ़ाना बुद्धिमता नहीं है।

ज्योतिजी कभी भी इस लकीर के गुलाम नहीं रहे और अपने सोचे समझे निर्णय पर अडिग रहे। उन्हें अपने इस निर्णय पर जीवन पर्यन्त कभी भी पछताना नहीं पड़ा। उन्होंने स्वयं को 'साधारण से असाधारण' बनाने की भूमिका का श्रेय उन 'अपनों' को देकर उन्हें भी गौरवान्वित किया है।

कुल मिलाकर यह संस्मरण जीवन यात्रा का सुन्दर परिचय देते हैं। भाषा पर बहुत ही अच्छी पकड़ है और रोचकता में कहीं कोई कमी नहीं है। लेकिन अब उन्हें यहीं नहीं रुकना चाहिये। भावी पीढ़ी को प्रेरणा से अभिभूत करने के लिये आगे कई बिन्दुओं को स्पर्श कर सकते हैं।

**- उमाशंकर बिहानी**


## MHS, स्कूल, तिलक नगर में कलैक्शन सेन्टर

श्री माहेश्वरी डायलिसिस डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर द्वारा खून की जाँच, ई.सी.जी. की सुविधा, माहेश्वरी स्कूल, तिलक नगर स्थित कलैक्शन सेन्टर में उपलब्ध होने के साथ ही आमजन के घर से सैम्पल लेने की सुविधा भी है। अधिक जानकारी के लिए फोन नम्बर 0141- 2948761, 2948760 मो.न. 8306300304 पर सम्पर्क कर सकते है।

31 दिसम्बर, 2021 के बाद प्राप्त जनगणना फार्म भरने वाले सदस्यों को आगामी चुनाव में मतदान का अधिकार नहीं होगा।

## अपील

# अपने परिवार का जनगणना फार्म भरकर 31 दिसम्बर तक अवश्य जमा करायें

समाज के विधान अनुसार अन्तिम तिथि के बाद पुरानी सदस्यता स्वत: ही निरस्त हो जायेगी।

समाज विधानानुसार नई जनगणना का कार्य आनलाईन के साथ–साथ मैन्यूवली द्रुत गति से चल रहा है। जनगणना फार्म ऑनलाइन एवं मैन्यूवली प्राप्त हो रहे हैं। जिन परिवारों को ऑनलाईन फॉर्म भरने में परेशानियां आ रही थीं, उन्हें मेन्यूअल जनगणना फार्म भी भिजवाने की व्यवस्था समाज के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के माध्यम से चल रही है। सभी परिवारों के सदस्यों जिनकी आयु 31 दिसम्बर 2021 तक 18 वर्ष या अधिक हो उनकी आई.डी (आधार कार्ड/नवीन वोटर कार्ड/नवीनतम पासपोर्ट) तीनों में से किसी एक की छायाप्रति मय हस्ताक्षर (फोटो पर नहीं) एवं पासपोर्ट साईज फोटो जहां स्थान मिले वहा चिपकाना अनिवार्य है। जनगणना फार्म प्राप्त होने पर उसकी पूर्ण जाँच कर लेवें। फार्म में जिन परिवार के सदस्यों के नाम नहीं हो तो उनके नाम जोड़ देवे एवं कोई नाम हटाना हो तो हटा देवें तत्पश्चात् चाही गई आई.डी. संलग्न कर एवं जनगणना फार्म पर हस्ताक्षर कर आप समाजसेवी कार्यकर्ता के साथ अथवा स्वयं समाज कार्यालय में जमा करवा सकते है। अपूर्ण प्रपत्र स्वीकार नही किया जायेगा एवं अपूर्ण की जानकारी फार्म चेक होने पर यथा संम्भव फोन पर बता दी जायेगी। **सदस्य की आई.डी. पर अकिंत पते पर ही जोन एवं चौकडी का निर्धारण किया जायेगा।**

**यदि किसी भी परिवार के पास जनगणना लिंक अथवा प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ हो तो उनकी सुविधा के लिए इस पत्रिका में जनगणना एवं सदस्यता प्रपत्र का प्रारूप पुनः प्रकाशित किया जा रहा है।** जिसकी फोटो कॉपी करवाकर अथवा इसी प्रारूप को पत्रिका में से लेकर चाही गई सूचना के साथ दस्तावेज संलग्न कर इस फार्म को भर सकते है।

समाजसेवी कार्यकर्ता अपने अमूल्य समय में से आपकी सहूलियत के लिए सेवारत है। हम सभी का दायित्व है कि चाही गई सूचना/दस्तावेज तैयार रखें और मुखिया के हस्ताक्षर करवाकर उक्त फार्म आप समाजसेवी कार्यकर्ता के माध्यम से अथवा आप स्वयं समाज कार्यालय में जमा करवा सकते है। मेरा सभी समाज बन्धुओं से पुनः आग्रह है कि कार्यकर्ता समाज सेवा की भावना से आपके पास आ रहे है उन्हें एक ही बार में उपरोक्त फार्म मय दस्तावेज उपलब्ध करवाने का कष्ट करें।

**विधान अनुसार नई जनगणना की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर, 2021 है। इसके बाद प्राप्त होने वाले जनगणना फार्म के सदस्य को आगामी समाज कार्यकारिणी के चुनावों में मतदान करने का अधिकार नहीं होगा। अन्तिम तिथि के बाद पुराने सदस्यता प्रपत्र निरस्त समझे जाएंगे एवं नई जनगणना के आधार पर ही नवीन मतदाता सूची फोटो सहित तैयार होगी एवं इसी के आधार पर चुनाव सम्पन्न करवाये जायेगें।**

अतः आपसे अनुरोध है कि शीघ्रताशीघ्र अपने परिवार का जनगणना फार्म भरकर निर्धारित दस्तावेजों सहित समाज कार्यालय में अथवा कार्यकर्ताओं को जमा करवा सकते हैं। यदि फार्म भरने में किसी भी तरह की कठिनाई आ रही हो तो समाज के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के नाम एवं मोबाईल नम्बर चौकड़ी अनुसार पुनः प्रकाशित किये जा रहे है, आप उनसे सम्पर्क कर सकते हैं। आपसे पूर्ण सहयोग की अपेक्षा के साथ...

जनगणना फार्म पत्रिका के
पृष्ठ 52 पर उपलब्ध है

रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री) 9784449950

## जनगणना टीम

| सुनील अजमेरा | बृजमोहन बाहेती | सत्यनारायण काबरा (श्रीमाधोपुर) | सुमन लढ्ढा | गोविन्द मालपानी |
|---|---|---|---|---|
| संयोजक, 9414049441 | उप–संयोजक, 8696934095 | उप संयोजक, 9829019451 | उप संयोजक, 9314501973 | उप संयोजक, 9829014308 |

### जोन–1

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आशीष चौधरी 9414046602 | अनिल कचौलिया 9414052160 | अमित मालपानी 9829429666 | मनीष सोमानी 9414071782 | मुकेश कालानी 9982240743 | हितेश चांडक 9413752539 | अतुल लोहिया 9829213701 |
| सुनील मालपानी 9829069494 | अजीत बियानी 9414816927 | दीपक भूतड़ा 9829014913 | के. के. सारडा 9829330666 | प्रदीप सोमानी 7014233599 | राजेश बिडला 9414715054 | कृष्ण कुमार मालपानी 9828021738 |
| अजय सोनी 9406653512 | संजय बाहेती 9887070884 | जितेन्द्र मालानी 9414605771 | सत्यनारायण कासट 7737477130 | अनिल अत्तार 9414077165 | लोकेश झंवर 9414249663 | अंकित सोढानी 9460870881 |
| गोपेश भण्डारी 7665460046 | संजय फोफलिया 9414784743 | राघव मनिहार 7877724003 | मनोज कचोलिया 9414054122 | रोहित मंत्री 7821980107 | विनोद बिहानी 9829051540 | राजरूप मालू 9828165663 |
| राधामोहन कचोलिया 9829067808 | महावीर नोवाल 9414322472 | रविन्द्र झंवर 9829050637 | आशुतोष काबरा 8952883130 | अजय नोवाल 9314012380 | अक्षय झंवर 9461325238 | श्रीकिशन अजमेरा 9414061254 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अशोक जाखोटिया 9929177384 | सतीश सारडा 9414446117 | द्वारकादास मालू 9829153028 | परशुराम बागड़ी 9351157609 | महेन्द्र लढ्ढा 8107547985 | कमल किशोर साबू 9314482755 | मनमोहन अजमेरा 8952920100 | विष्णु फलोड़ 9680435001 | महेश मूंदड़ा 9887220463 |

## जोन–2

| रमेश परवाल | मुरारी लाल बिड़ला | संजय काबरा | मुरारी सोमानी | द्वारका प्रसाद मूंदड़ा | संदीप लढ्ढ़ा | श्यामदास मंत्री |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9314870491 | 9829054202 | 9829011963 | 9314510631 | 9829188330 | 6350533266 | 9929104619 |

| प्रकाश मालानी | दीपक तोतला | श्याम मालपानी | स्नेहलता साबू | ज्योति तोतला | राजीव बागड़ी |
|---|---|---|---|---|---|
| 9829056624 | 9829068241 | 9829012067 | 9828785881 | मों.नं. 9414844444 | मों.नं. 7877792007 |

## जोन–3

| मालचन्द बाहेती | महेश भुराड़िया | सोनू लढ्ढ़ा | अश्विनी जैथलिया | मनीष गगरानी | विष्णु लढ्ढ़ा | पवन खटोड |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9829461340 | 9829019522 | 9252413207 | 931452652 | 9460633892 | 9829017635 | 9828075876 |

| अमित मूंदड़ा | विजय सारड़ा | माधव भूतड़ा | अभिषेक मालपानी | राजेन्द्र मांधना | राजेन्द्र राठी | गिर्राज राठी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9829019715 | 9828112198 | 9461373706 | 8766111634 | 9829181444 | 9784959619 | 9251071805 |

| रवि पेडीवाल | दीपांशु बाहेती | नमन भूतडा | रामअवतार आगीवाल | नवीन मूंदडा | बालकृष्ण जाजू (बालक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 9829066819 | 9828777322 | 8003037716 | 9413341614 | 9829549999 | 9829722633 |

## जोन–4

| मनीष मांधना | अशोक अजमेरा | प्रवीण परवाल | श्री सुरेन्द्र काबरा | हरीश भराड़िया | ब्रजेश भराडिया | नवल किशोर नोवाल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9414055412 | 9314503752 | 9660045272 | 9414129672 | 94142071295 | 7976873635 | 9928651925 |

| विनोद ईनाणी | अंकुर चितलाग्या | सुनील अजमेरा | गिरिराज लढ्ढ़ा | हरीश मालू | दीपक राठी | राधेश्याम लाहोटी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9887772623 | 9414047215 | 94113902331 | 9828062736 | 9829013030 | 9653823692 | 9928515285 |

| विमल सारडा | द्वारका प्रसाद तापडिया | महेश परवाल | ब्रजमोहन बजाज | श्रीकान्त आगीवाल | विनोद अजमेरा | ब्रजमोहन बजाज |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9829152240 | 9460274412 | 9829018922 | 9950614111 | 9351347740 | 9314503097 | 9414887930 |

| प्रमोद मालपानी | विकास मोहता | विक्रम सोमानी | अरविन्द्र आगीवाल | अमित सोढानी | मंजु सोढानी | मयंक मोहता |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9829014770 | 9928082094 | 9799491616 | 9351365068 | 9829118370 | 9352850227 | 9672999228 |

| राजकुमार अजमेरा | अरविन्द मान्धनिया | अंकुश शारदा | सुभाष काबरा | अनिल सारड़ा (सीए.) | अमित सोढाणी | हरिकिशन बाहेती | विष्णु चितलांग्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9414788095 | 9460071000 | 9928028099 | 9352042057 | 9829013486 | 9829118370 | 9314658078 | 9414066318 |

## जोन–5

| लक्ष्मीनारायण मोदानी | निर्मल दरगड़ | गौरव गट्टानी | प्रमोद हुरकट | अनिल नवाल | महेश अजमेरा | विष्णु असावा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9460069917 | 9829092828 | 9950149315 | 9413841762 | 9414063289 | 9414071279 | 9829559500 |

| राजेश नोवाल | अरूण सिंघी | चन्दशेखर मालपानी | बसंत जाजू | विकास मंत्री | सौरभ नोगजा | सतीश तोषनीवाल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9460071324 | 9414225345 | 9829496599 | 9929872247 | 9829063396 | 7411176677 | 9829927716 |

| अजय झंवर (पत्रकार कॉलोनी) | कैलाश चन्द हेडा | गिरिजेश खटोड (विक्की) | गिरधारी लाल अजमेरा | सत्यनारायण मोदानी |
|---|---|---|---|---|
| 9351356328 | 9829054170 | 9828010981 | 9829013717 | 9414074134 |

| मुकेश राठी | श्याम सारड़ा | शशि लखोटिया | सत्यरानायण भण्डारी | वरूण धूत | संजय राठी | विमल नोवाल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9829065845 | 8696924232 | 9314248403 | 9414388622 | 9928009774 | 9672202222 | 9680158060 |

| शुभम मंत्री | शिवरतन भुराड़िया | राजेन्द्र चौधरी | राजेन्द्र बेली (मंत्री) | नटवर सोमानी | चन्द्रप्रकाश धूत | मनीष जाजू |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9024341732 | 9929026800 | 8696948895 | 9461769714 | 9462042251 | 9829050167 | 9414058504 |

| निर्मला राठी | रेखा धूत | पूजा राठी |
|---|---|---|
| 9314969622 | 8107378363 | 9928465845 |

## जोन–6

| पूनम चन्द भाला | पवन लखोटिया (सीए.) | अनिल कोठ्यारी | अशोक अजमेरा | नवरतन झंवर | दीपक सारड़ा | सीए. शरद काबरा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9828019871 | 8329041167 | 8946803021 | 9414060906 | 9414066231 | 9928330444 | 9314501320 |

| कपूर चन्द तोतला | तुलसी दास जाजू | राकेश तोषनीवाल | सांवरमल परवाल | रामप्रसाद कांकाणी | पवन आगीवाल | सीए. अमित गट्टानी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9828262860 | 9414043160 | 9001295992 | 9829081160 | 9828813201 | 9829503535 | 9414070608 |

| चन्द्रप्रकाश लखोटिया | केशव सोनी | सूर्य प्रकाश गगरानी | पूजा राठी | सुमित काबरा | सी.ए. नटवर सारडा | दीपक सारडा | सीए. गणेश बांगड़ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9928010922 | 7727867709 | 9214682000 | 9929620003 | 9829050219 | 9414053388 | 9829013656 | 9829053156 |

परिवार क्रमांक

## कार्यालय उपयोग हेतु

फॉर्म प्राप्ति की तारीख .....

फॉर्म प्राप्ति रजिस्टर क्रमांक .....

हस्ताक्षर .....

॥ श्री महेश्वराय नमः ॥

## जनगणना एवं सदस्यता प्रपत्र

# श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर–302003
दूरभाष : 0141–2621100, 2623500
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com

परिवार में पुरुष 18 वर्ष से अधिक.....
स्त्री 18 वर्ष से अधिक.....
बालक 18 वर्ष से कम .....
बालिकाएँ 18 वर्ष से कम .....
कुल संख्या .....

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| परिवार के मुखिया का नाम | | पिता/पति का नाम | | खाँप | | जयपुर में कब से निवास है | .....वर्ष | जन्म स्थान | |
| निवास का पता | | | | | | | | | |
| जोन संख्या | | चौकड़ी | | पिन कोड नं. | | दूरभाष (नि.) | | मोबाइल नं | | ई–मेल | |

| क्र.स. | नाम | पुरुष (M) महिला (F) | जन्म दिनांक | पिता/पति का नाम | विवाहित (हाँ/नहीं) | विवाह दिनांक | शैक्षणिक योग्यता | आधार/नवीन वोटर आई.डी./नवीनतम पासपोर्ट नम्बर (उक्त में से कोई एक) | व्हाट्सअप मोबाइल नं. | सदस्यता संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |

नोट : (1) कृपया फार्म को पूर्ण भरें एवं प्रत्येक सदस्य का आधार कार्ड/नवीन वोटर आई.डी./नवीनतम पासपोर्ट इन में से एक की छायाप्रति पर ही पासपोर्ट साइज फोटो लगायें। आई.डी. की छायाप्रति पर सदस्य के हस्ताक्षर अनिवार्य हैं। अंकित पते के आधार पर ही जोन एवं चौकडी का निर्धारण होगा।
(2) अगर सदस्य की आई.डी. पर उनका मेल आई.डी./ब्लड ग्रुप/व्यवसाय भी अंकित करने का श्रम करेगें, तो समाज के लिए उपयोगी रहेगा।

सूचना संग्रहकर्ता का नाम .....
हस्ताक्षर .....
दिनांक .....

मुखिया के हस्ताक्षर.....

कार्यकारिणी सदस्य के हस्ताक्षर .....

# चांदपोल मोक्षधाम का कायाकल्प

## निर्माण कार्य प्रगति पर
## आर्थिक सहयोग देकर पुण्य कमाएं

**4475 वर्गमीटर में निर्माण कार्य शुरू, भारत के आधुनिकतम श्मशान में होगा शुमार**

**सितम्बर, 2021 की जयपुर माहेश्वरी पत्रिका में प्रकाशित दानदाताओं से प्राप्त आर्थिक सहयोग राशि रु 81.00 लाख**

हिंदू धर्म में परमात्मा का संबंध आत्मा से जोड़ा गया है, लेकिन अगर आत्मा की तृप्ति न हो, तो उसका परमात्मा से मिलन कैसे संभव है? मृत्यु के बाद क्रिया-कर्म और पितृप में पिंडदान ही काफी नहीं है। जहाँ मृत शरीर का अंतिम संस्कार किया जाता है, वह स्थान भी ठीक-ठाक होना चाहिए। इसी सोच के साथ माहेश्वरी समाज, जयपुर ने चांदपोल के श्मशान के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया और उसके कायाकल्प में जुट गए।

### ''सर्वधर्म मोक्षधाम चांदपोल'' के जीर्णोद्धार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आभार...

उपरोक्त प्रकल्प के लिए दानदाताओं से प्राप्त राशि का विवरण मासिक पत्रिका के सितम्बर–21 के अंक में प्रकाशित किया गया था। उसके बाद निम्न दानदाताओं से आर्थिक सहयोग और प्राप्त हुआ है जिसके लिए अतर्मन से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन...

| | | | |
|---|---|---|---|
| श्री डी.एन. जाजू | 2,00,000 | श्री मनोज जी काबरा (मधुसूदन मार्बल) | 1,00,000 |
| श्री माधो जी बांगड़ | 2,00,000 | श्री सुरेन्द्र जी काबरा | 1,00,000 |
| श्री अशोक जी माहेश्वरी (पटवारी) | 1,01,000 | श्री मधु सूदन जी बिहाणी | 1,00,000 |
| श्री गोकुल जी, गौरव जी सारडा | 1,01,000 | श्री अशोक कुमार जी मालू | 1,00,000 |
| श्री मनोज कुमार जी बिड़ला (जयपुर क्लब) | 1,00,000 | श्री पूनम चन्द जी मालू (नागपुर) | 1,00,000 |
| श्री जानकी प्रसाद जी मूंदड़ा | 1,00,000 | श्री सुरेश जी कालानी | 1,00,000 |
| श्री श्याम जी तोतला | 1,00,000 | श्री नटवर जी सारड़ा (कान्हा) | 1,00,000 |
| स्व.श्री नथमल जी मालपानी (हरमाड़ा वाले) | 100,000 | स्व.श्रीमती मनभर देवी लढ्ढा (माताजी की स्मृति में श्री कृष्ण माहेश्वरी (लढ्ढा) मिलिट्री इन्जीनियरिंग सर्विस (रिटायर्ड) | 1,00,000 |
| श्री गिरिराज जी मनिहार | 1,00,000 | श्री अशोक जी फलोड़ | 1,00,000 |
| श्री रमेश जी मनिहार | 1,00,000 | श्री जितेन्द्र जी फलोड़ | 1,00,000 |
| श्री मोहन लाल जी हुरकट | 1,00,000 | श्री रामअवतार जी सोमानी (बनारस ट्रेडिंग कं.) | 1,00,000 |
| श्री मनोज जी मूंदड़ा | 1,00,000 | श्री पुरुषोत्तम दास, श्री रामचन्द्र चांडक (गोविंद नगर) | 1,00,000 |
| श्री सुनील जी मनिहार | 1,00,000 | श्री गिरधर जी झंवर | 1,00,000 |
| श्री हुक्मी चन्द जी मूंदड़ा | 1,00,000 | | |

**आपके द्वारा दी गई सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट के लिए मान्य होगी।** उपरोक्त योजना की लागत लगभग 2.50 करोड़ रूपये होगी अतः इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग राशि देकर भागीदार बनें।

# समाज बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## महेश कुमार भुराड़िया

संयुक्त मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9829019522

पता: 21, माधोव मार्ग, करनी कॉलोनी, विजयबाडी, पथ नं.-7, सीकर रोड,जयपुर

## राधा बल्लभ अजमेरा

कोषाध्यक्ष

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9928547817

पता: ए–11, शिवाजी नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर

## सतीश कुमार सारड़ा

प्रचार मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9414446117

पता: 'रूक्मणाश्रय' 24–बी, जोशी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर

## पूनम चन्द भाला

महेश सेवा कोष मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9828019871

पता: 66, जय जवान कॉलोनी फर्स्ट, सांघी मोटर्स के सामने, टोंक रोड़, जयपुर

## प्रवीण लढ्ढा

सांस्कृतिक मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9829034358

पता: म.नं. 155, सन्तोष नगर, नियर न्यू आतिश मार्केट, जयपुर

## दामोदर फलोड़

स्वास्थ्य मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9829019671

पता: 3/300, विद्याधर नगर, जयपुर

## सीए. अनिल कुमार सारडा

पूर्व शिक्षा सचिव- MPS, अजमेर रोड, जयपुर

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9829013486

पता: ए-57, आचार्य विनोभा भावे नगर, नर्सरी सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर

## अरुण कुमार मालू

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

राष्ट्रीय संयोजक (संयुक्त भारतीय धर्म संसद)

उपाध्यक्ष (अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन)

Mob.: 9829017200

पता: 143, सिंधी कॉलोनी, सेठी कॉलोनी, जयपुर

## आत्माराम काबरा

पूर्व भवन मंत्री-समाज

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9414050548

पता: 270, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

## अशोक कुमार मालू

पूर्व शिक्षा सचिव- MGPS-विद्याधर नगर, जयपुर

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

Mob.: 9314527509

पता: 7, मैना सदन, विजयवाड़ी, पथ नं. 7, सीकर रोड़, जयपुर

# समाज बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## रमेश कुमार सोमानी
उपाध्यक्ष–शिक्षा
**Mob.: 9829010632**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: बी–146, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर

## सीए. नटवर कुमार सारडा
कोषाध्यक्ष–शिक्षा
**Mob.: 9414053388**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता:27, ज्ञान विहार, मॉडल टाउन–डी, जगतपुरा रोड, जयपुर

## अशोक फलोड़
शिक्षा सचिव
MHS, तिलक नगर, जयपुर
**Mob.: 9829013321**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: 2/203, विद्याधर नगर, जयपुर

## कमल सोमानी
शिक्षा सचिव
MPS, जवाहर नगर, जयपुर
**Mob.: 9829069497**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: 205, सिद्धि विनायक अपार्टमेंट, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

## द्वारका दास मालू (एडवोकेट)
शिक्षा सचिव
MBV, चौड़ा रास्ता, जयपुर
**Mob.: 9829153028**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: 5, आनन्द कॉलोनी प्रथम, गोलीमार सदन के सामने, आमेर रोड, जयपुर

## मुरारी लाल बिड़ला
शिक्षा सचिव
MGPS, विद्याधर नगर, जयपुर
**Mob.: 9829054202**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: 59, विवेकानन्द कॉलोनी, नया खेड़ा, अम्बाबाड़ी, जयपुर

## गोविन्द मालपानी
पूर्व अध्यक्ष–नवयुवक मण्डल
कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019–22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)
**Mob.: 9829014308**
पता: 326, मालपानी भवन, लालाणियों का चौक, गोपालजी का रास्ता, जयपुर

## देवेन्द्र झंवर
भवन सचिव– डायलिसिस रिसर्च सेन्टर
कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019–22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)
**Mob.: 9829054556**

पता: ई–152, कटारिया कॉलोनी, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर

## सीए. संजय बांगड़
भवन मंत्री
MPS जवाहर नगर, जयपुर
**Mob.: 9414234860**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर
पता: 188–ए, बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर

## अजय नोवाल
भवन मंत्री
MHS, तिलक नगर, जयपुर
**Mob.: 9829057107**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 2137, नोवाल भवन, दड्डा मार्केट, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

# समाज बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## निर्मल दरगड़

शिक्षा सचिव

MPS Int., भामा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

Mob.: 9829092828

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: ई-103, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड, जयपुर

## मनोज कुमार बिड़ला

शिक्षा सचिव

MPS, कालवाड़ रोड, जयपुर

Mob.: 9414042891

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: कैदारा पैलेस 9/19, विद्याधर नगर, जयपुर

## श्याम सुन्दर तोतला

शिक्षा सचिव

MPS, अजमेर रोड, जयपुर

Mob.: 9829015616

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: प्लॉट नं. 156 पथ नं. 6 विजयबाडी सीकर रोड, जयपुर

## अनिल कचौलिया

भवन मंत्री

MBV, चौड़ा रास्ता, जयपुर

Mob.: 9414052160

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 44, कैलाशपुरी, रामगढ़ मोड़, आमेर रोड, जयपुर

## संजय काबरा

शिक्षा सचिव

MPS-SANSKRITI,बनीपार्क, जयपुर

Mob.: 9414074924

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: SB-2, वासुदेव मार्ग, सुभाष नगर,जयपुर

## अशोक सारड़ा

(सारड़ा ज्वैलर्स)

Mob.: 9887292750

पता: आचरों की गली, गोपाल जी का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

## अशोक पचीसिया

(समाज सेवक)

आप सब को दीपावली

की

हार्दिक शुभकामनाएं

पता: 45 अजमेरा गार्डन, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर-9829015813

## KRISHNA HANDICRAFTS

रविन्द्र कुमार झंवर

कार्यकारिणी सदस्य (2019-22),

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

शांता झंवर

Manufacturers & Exporters of :

Ethnic Silver Jewellery of Semi-Precious Stones

Office : A-16, Opp. ICICI Bank, Janta Colony, Jaipur-04 Ph.: 0141-2617637

Res.: Flat No. 501, SDC Oasis, Janta Colony, Jaipur-04 Ph.: 0141-2608888

E-mail : krishnahandicraft@hotmail.com

## मनीष कुमार सोमानी

भवन मंत्री

MPS, कालवाड़ रोड, जयपुर

Mob.: 9414071782

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 847, सोमानी भवन, चुरूकों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर

## सुनील मालपानी

भवन मंत्री

MCCA, प्रताप नगर, जयपुर

Mob.: 9829069494

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 11, फिल्म कॉलोनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

# समाज बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

## सत्यनारायण काबरा

(श्रीमाधोपुर)

पूर्व कोषाध्यक्ष

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

Mob.: 9829019451

पता: बी–42, कैलाश मार्ग, सुभाष नगर, , जयपुर

## गिरधर झंवर

भवन मंत्री

MPS-SANSKRITI,बनीपार्क, जयपुर

Mob.: 9414075004

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 1327, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चांदपोल बाजार, जयपुर

## बंकट तोषनीवाल

सदस्य ECMS प्रबंध समिति–2019–22

Mob.: 9829053259

पता: ई–89, रामपथ, श्याम नगर, जयपुर

## ब्रजमोहन बाहेती

सदस्य ECMS प्रबंध समिति–2019–22

Mob.: 8696934095

पता: 503, कृष्ण कृपा द्वितीय, सुभाष नगर शास्त्री नगर, जयपुर

## अरविन्द मालपानी

सह संयोजक–केन्द्रीय क्रय समिति (ECMS)

Mob.: 9829165655

पता: 7, मनवाजी का बाग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर

## अशोक बागला

समाजसेवी

Mob.: 9314502259

पता: 4356, के.बी.जी. का रास्ता, जौहरी बाजार,जयपुर

## सुमन लढ्ढा

पूर्व अर्थमंत्री

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

Mob.: 9314501973

पता: 442ए,44 गोल्डन क्राउन, सेठी कॉलोनी,जयपुर

## महेश मूंदड़ा

कार्यकारिणी सदस्य (2015-18)

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

Mob.: 9887220463

पता: 184, चेलों का रास्ता, हवामहल रोड, जयपुर


The Eye Destination®

ISO 9001:2008 Certified

Eye Clinic | Spectacles | Goggles | Contact Lenses

Mahesh Chandak

DIRECTOR

+91 9829052440

ADD. A-9/10, Janta Store, Bapu Nagar, Tonk Road, Jaipur (Raj.) India

PHONE 0141-4031475/2712834/2712934

Ridhi Sidhi Sarees

Fancy Exclusive Sarees & Designer Kurtis

Rekha Mandhana +91 8875687973

Suresh Mandhana +91 9414049995

Abhishek Mandhana +91 8005918032

Address : 1368, Lal Haweli, Pitaliyon Ka Chowk, Johari Bazar, Jaipur

## समाज बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

# आधार नामांकन शिविर का सफल आयोजन

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा आधार शिविर का सफल आयोजन श्री माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर, जयपुर में 17 सितम्बर से 22 सितम्बर, 2021 तक आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 600 व्यक्ति लाभान्वित हुये। किसी समाज बन्धु को आधार नामांकन/ संशोधन जानकारी प्राप्त करनी हो तो ई-मित्र संयोजक श्री लालचन्द कचोलिया मों. न. 9413005499 से सम्पर्क कर सकते हैं।

## श्री महेश मेडिकल रिलिफ सोसायटी (महेश अस्पताल)

महेश अस्पताल के वर्तमान सत्र का कार्यकाल 6 माह तक बढाए जाने का निर्णय लिया गया। अब चुनाव 30 जून 2022 तक होंगे।

जिन संरक्षक सदस्यों का निधन हो गया है उनके परिजन 25% राशि अर्थात 30,250/- रु. जमा कराकर अस्पताल के संरक्षक सदस्य बनकर सहयोग कर सकते हैं। विभिन्न श्रेणियों का सदस्यता शुल्क निम्नानुसार है-

- संरक्षक सदस्य 121000/- रु ( कार्यकारिणी के स्थाई सदस्य होते हैं )
- आजीवन विशिष्ट सदस्य 21000/- रु.
- आजीवन साधारण सदस्य 5100/- रु.

रामअवतार आगीवाल, संगठन एंव प्रशासन मंत्री ( मो. 9413341614 )

## श्रीकिशन अजमेरा मंत्री निर्वाचित



श्रीकिशन अजमेरा द्विवार्षिक अधिवेशन में ऑल इण्डिया वूल नमदा ( फैल्ट ) एसोसिएशन के निर्विरोध मंत्री 20वीं बार चुने गए।




## मृत्युपरान्त देहदान

**श्री हसंराज जी परवाल** (पुत्र स्व.श्री गणेश नारायण जी) के परिवार द्वारा उनकी इच्छानुसार मानव कल्याणार्थ देहदान करके हम सभी को प्रेरित किया है। इस मानव कल्याण कार्य के लिए समाज उनके परिवारजनों का आभार प्रकट करता है।

## देहदान संकल्प हेतु हार्दिक आभार...

नेत्र दान/देहदान प्रकल्प के संयोजक श्री सुरेन्द्र बजाज की प्रेरणा से निम्न बन्धुओं ने देहदान हेतु संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर कर मानव हितार्थ अनुकरणीय कार्य किया है जिसके लिए संकल्पकर्त्ताओं के साथ-साथ श्री सुरेन्द्र बजाज निवासी शास्त्री नगर (मो. 9829026427) को ह्रदय से हार्दिक आभार...। मानवता के प्रति इन लोगो के स्पंदन एवं जज्बे को हम सभी सादर नमन करते हुये भगवान महेश से कामना करते हैं कि ये सभी स्वस्थ, सुदीर्घ एवं मंगलमय जीवन व्यतित करें।


श्री दिनेश कुमार माहेश्वरी
शिव शक्ति नगर

श्रीमती सरोज माहेश्वरी
शिव शक्ति नगर

श्री कैलाश सोमानी
कालवाड़ रोड

श्रीमती सुनिता सोमानी
कालवाड़ रोड

श्री राजकुमार माहेश्वरी
नित्यम नगर

श्रीमती तारा सोमानी
झोटवाड़ा

गौरव
पुराना रामगढ़ मोड़

# अब जोडों के दर्द को सहने की जरूरत नहीं

## Fast Track Knee Replacement

अन्य सेवाएं: हिप रिप्लेसमेन्ट
पोस्ट कोविड हिप बोन डेथ (AVN)
आर्थोस्कोपिक घुटने एवं कन्धो की लिगामेंट सर्जरी

- ☑ डबल चेक टेक्नीक
- ☑ छोटा सर्जरी प्रोसेस
- ☑ कम दर्द टांके रहित
- ☑ जल्द वॉकिंग
- ☑ बेहतरीन परिणाम
- ☑ सर्जरी के बाद न्यूनतम देखभाल

## डॉ. अरूण परतानी

Senior Consultant
Joint Replacement, Arthroscopic
& Sports Injury Surgeon
**C.K, Birla Hospital**

For Patient Stories - practo.com/jaipur/arun partani & google/partani clinic

## Quality Dental Care

- ☑ Dental Implants
- ☑ Composite Filings
- ☑ Teeth Whitening
- ☑ Ceramic or Porcelain Crowns
- ☑ Root Canal
- ☑ And many more.....

*Eat What you want*
*Not What you can*

## डॉ.भारती परतानी

BDS, MDS
Prosthodontist & Implantologist

PARTANICLINIC

M-21, Mahesh Colony, Tonk Phatak, Jaipur

For Queries 9783788887, 8742067974, 9887302501

# BAHETI OPTICIAN

WHOLESALE DEALERS IN ALL KIND OF
OPTICAL FRAMES & GLASSES & GOGGLES.

Mukesh Baheti
+91 98290 48022

Ray-Ban ELLE VOGUE fastrack LACOSTE TOMMY HILFIGER ESPRIT

15% DISCOUNT FOR SENIOR CITIZEN ONLY

M : 9929076022

A-13, Mall Road, Sector-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13

---

Sushil Bhandari
+91 - 94140 73273

WE DEAL SPECIALLY IN :
- WEIGHT MANAGEMENT
- IMMUNITY MANAGEMENT
- WELL BEING SOLUTION

Your Health does not change
by Chance,
It gets better by Change

---

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

# Birla ENTERPRISES

44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

---

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education
  many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Care Health Insuran ce (Mediclaim)
  Free Health Check-up Facility Available)

*Our belief create and save*

*Free Policy Servicing also Available*

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

---

MAKE IN INDIA

PURE STONE

# TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.

F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

---

॥ जय श्री कृष्णा ॥

Shree KRISHNA Group
आपका विश्वास... हमारी पहचान...

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

# जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com | www.shreekrishnagroupindia.com

---

SRSP

COLOUR ROOF™

RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL

Colour Coated Profile Sheets

Kailash Mimani
+91- 8824118281

Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

---

Pankaj Dhoot
+91 9829050286

MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE

OKAYA JAPANESE

EXIDE

# AAYUSH ASSOCIATES
# RASHHI ENTERPRISE

15, Indra Colony, Near Pani Pech
Bani Park, Jaipur, M. : 9829014948

G-3, Venkteshwara Complex
Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
M.: +91 9929090286
e-mail : pankaj_dhoot@yahoo.com

Deals in Inverter, UPS , Battery , SOLAR .

---

*Pradeep Somani*

9352488758

NIRMIT PROPERTIES
TO-LET • SALE • PURCHASE

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

---

Sparklez Creating An Aura

*Sharad Bagree*
+91-9269099995
+91-9214145888

*Weddings | Corporate | Photography*
*Catering | Birthday | Anniversary*
*Baby Shower & All Type of events*

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com | https://m.facebook/sparklezjaipur/

# "उत्सव"

## श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन

(अन्तर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

पी–10, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

फोन नं. 0141–2236743–44

Website : www.utsavjaipur.in | E-mail : utsavjaipur@yahoo.com

## दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**Block-A**

- 1000 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- 40 सुसज्जित ए.सी. रूम एवं 4 ए.सी. डोरमेट्री व 2 ए.सी. डोरमेट्री ट्रांजिट रूम
- डायनिंग हॉल व इक्विप्ड रसोई घर
- शादी समारोह व भोजन व्यवस्था के लिए उपयुक्त लॉन
- दो पैसेन्जर एवं एक लोडिंग लिफ्ट

**Block-B**

- 300 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल व डायनिंग हॉल
- 14 सुसज्जित ए.सी. रूम
- रसोईघर व पूजा घर
- पैसेन्जर लिफ्ट

अग्रिम बुकिंग का समय
प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:30 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें –
9251033700, 9251033701, 9251033703

- माहेश्वरी बंधुओं में सभी मांगलिक कार्यक्रमों के लिए किराया राशि में छूट।
- यूनिट III व IV में कमरों, मिनी हॉल, डाईनिंग हॉल व किचन की बुकिंग अलग–अलग भी की जा सकती है। (कार्यक्रम से अधिकतम 15 दिवस पूर्व)
- माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार में 40% की छूट।
- माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक आयोजनों हेतु 4 दिन या उससे अधिक दिनों के लिये आरक्षण करवाने पर 60% की छूट (मूल किराया राशि में)।
- सभी यूनिट्स का कुल किराया ₹ 202800/- + GST
- अतिरिक्त डॉरमिटॉरी (8 बैड)– 2 Nos × ₹ 2500 = ₹ 5000/-
- अतिरिक्त कमरे (2 बैड) – 9 Nos × 800 = ₹ 7,200/-
- भवन में कुल 186 बैड (स्थापित) हैं, एवं 63 अतिरिक्त बैड लगाने की व्यवस्था है।
- 3 स्टाफ रूम की सुविधा उपलब्ध (10 व्यक्ति प्रति रूम)
- बेसमेंट पार्किंग एवं वैलेट पार्किंग की सुविधा।

**मनोहर लाल सारड़ा**
चेयरमैन

**विनोद कुमार तोतला**
सचिव

## स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्री बालकृष्ण फलोर
26.09.2021

श्रीमती कृष्णा देवी साबू
26.09.2021

श्रीमती मंजू मालू
27.09.2021

श्री नरेन्द्र कुमार चांडक
28.09.2021

श्रीमती परमेश्वरी देवी परतानी
29.09.2021

श्री पवन जाखोटिया
30.09.2021

श्री केशव पंसारी
01.10.2021

श्री हंसराज परवाल
10.10.2021

श्रीमती मन्जू फलोड़
10.10.2021

श्री अनिल स्नेही
11.10.2021

श्री रामअवतार फलोर
11.10.2021

श्री किशन सोढाणी
12.10.2021

श्री सीताराम परवाल
14.10.2021

श्री अशोक कुमार मरदा
14.10.2021

### समाज बन्धुओं से आग्रह

कृपया तीये की बैठक की अवधि 30 मिनट ही रखें।

समाज आभारी है उन शोकसंतप्त परिवारों का जिन्होंने तीये की बैठक की सीमा 30 मिनट रखी।

### विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

### गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास, ''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट
★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- **गणगौर बेसन शॉप**, खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111


# कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ M.R.I. 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंढड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

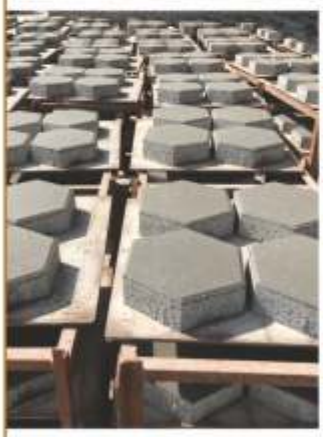

SINCE 1996

# MAYUR™ DYNAMIC
Tiles & Pavers

**Subhash Nawal**
**Nischal Nawal - Achal Nawal**

We are into manufacturing of Finest Cement Concrete Tiles, Pavers & Blocks, We Welcome all with their requirements.

## OUR PRODUCTS

- Terrazzo Tiles (Roof & Indoor)
- Heat Reflective Cool Roof Tiles
- Parking & Driveway Tiles
- Interlocking Paver Blocks
- Blended Colour Pavers
- Kerbstones
- Heavy duty Industrial Tiles

**OFFICE ADDRESS :-**

F-715, Sitapura Industrial
Area, Jaipur 302018
9680000789, 9829013317

SHIELD™
COOL ROOF TILES

WWW.MAYURDYNAMIC.COM

Kabra
ESTD. 1976

MADHUSUDAN MARBLE

Deals in exquisite Marbles, Granites, Onyx & other stones all over the world.

MADE IN INDIA

LOCATED AT
UDAIPUR | HYDERABAD
KISHANGARH | BENGALURU

+91 970 487 0123 WWW.MADHUSUDANIMPEX.COM

TEAM CLASSIC ®

CLASSIQUE®
GLAZINGS & CLADDINGS
FRAMELESS GLASSES

Window planet
Engineered System Windows & Doors
aluminium-upvc
Better Living...

SYSTEM ALUMINIUM
UPVC DOORS & WINDOWS

Products by Team classic:- SYSTEM ALUMINIUM DOORS & WINDOWS , U-PVC DOORS & WINDOWS Glasses : Frameless shower cubicles , Spider glazing , showroom fronts , sky lights , typical applications

-:ORIENTATION CENTRE :-

Classic Tower 267, New Atish Market opp. Sunny Mart Gopalpura bye pass jaipur ( Raj.)

0141-2394671 Mobile: 9314501637, 8947888890 , 9784010168 E-mail: sales@teamclassic.in Website: www.teamclassic.in


स्वत्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी